निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• मंगलवार, 29 अप्रैल 2025 • बोकारो संस्करण • वर्ष : 08 • अंक : 335 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 2.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1661: चीन के मिंग वंश ने ताइवान पर कब्जा किया।

1639: दिल्ली में लाल किले की नींव रखी गई।

1939: नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने कांग्रेस से इस्तीफा दिया।

1978: अफगानिस्तान के विद्रोही गुट ने सत्ता हासिल की।

2005: सीरिया ने लेबनान से अपनी सेना को वापस बुलाया।

संक्षिप्त समाचार

शाहाबाद में पीएम मोदी की रैली मई के अंतिम सप्ताह में

पटना(नबिटा ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फिर बिहार दौरे पर आ रहे हैं। मई के अंतिम सप्ताह में पीएम मोदी आएंगे और शाहाबाद में रैली को संबोधित करेंगे। पीएम इस दौरान बिहार को कई योजनाओं की सौगात देंगे। बिहार भाजपा के अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल ने इसकी जानकारी दी है। पटना में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए दिलीप जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री बिहार से विशेष लगाव रखते हैं। मई के अंतिम सप्ताह में वे फिर बिहार आ रहे हैं। शाहाबाद में उनका कार्यक्रम प्रस्तावित है।

प्रेम प्रसंग में युवक की हत्या

बेगुसराय(नबिटा ब्यूरो)। जिले के तेघड़ा थाना क्षेत्र में प्रेम-प्रसंग में बेरहमी से पिटाई के बाद युवक को जहर पिला दिया। बाद में बेहोशी की हालत में बीच सड़क पर लाकर फेंक दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। आरोप प्रेमिका के घरवालों पर है। मृतक रौशन कुमार कोलवारा नवटोलिया के वार्ड नंबर-12 का रहने वाला था। रौशन राज मिस्त्री का काम करता था। सूचना पर तेघड़ा पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। परिजनों ने गुड्डू, बबलू और राजीव पर हत्या का आरोप लगाया है।

भतीजे ने बुआ को पिलाया जहर, मौत

सासाराम(नबिटा ब्यूरो)। रोहतास जिले के कोचस थाना क्षेत्र में भतीजे ने अपनी ही कथित बुआ को जहर पीला दिया जिससे उसकी मौत हो गई। मृतका की पहचान सोनम कुमारी(18) के रूप में हुई है। बताया गया घटना के समय वह घर में अकेली थी और खाना बना रही थी तभी आरोपी ने इस मौके का फायदा उठाते हुए पीछे से आकर उसके मुंह में जबरन जहर डाल दिया।

तीन पाकिस्तानी बच्चों को भेजा गया दिल्ली

रांची(नबिटा ब्यूरो)। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत कूटनीतिक कदम उठाते हुए भारत में रह रहे पाकिस्तानियों को वापस भेजने का निर्णय लिया गया है। इस दिशा में कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। इसी क्रम में रांची के डोरंडा इलाके से तीन पाकिस्तानी बच्चों को दिल्ली भेजा गया है। मिली जानकारी के अनुसार, ये बच्चे अपनी भारतीय नागरिक मां के साथ डोरंडा के मनीटोला इलाके में रह रहे थे। बताया जा रहा है कि जनवरी महीने में तीनों बच्चे अपनी मां के साथ नानी के घर आए थे। स्थानीय पुलिस को बच्चों की जानकारी मिलने के बाद, परिवार को भारत सरकार के आदेश की जानकारी दी गई। आदेश के अनुसार, पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजना अनिवार्य है। इसके बाद तीनों बच्चों को दिल्ली भेज दिया गया, जहां से उन्हें पाकिस्तान रवाना किया जाएगा। बच्चों की मां भी फिलहाल उनके साथ दिल्ली गई हैं।

राष्ट्रपति ने 71 विशिष्ट हस्तियों को दिया पद्म पुरस्कार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह-वन में पद्म पुरस्कार 2025 प्रदान किया है। पहले चरण में 71 विशिष्ट हस्तियों को सम्मानित किया जाएगा। बता दें कि, इस वर्ष 139 लोगों को पद्म पुरस्कारों के लिए चुना गया है। इस कड़ी में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रसिद्ध मलयालम लेखक एम. टी. वासुदेवन नायर को फिल्म निर्देशक, पटकथा लेखक, संपादक और वक्ता, को मलयालम भाषा, साहित्य और सिनेमा में उनके अद्वितीय योगदान के लिए पद्म विभूषण से सम्मानित किया। तेलंगाना के प्रख्यात गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. दुव्वुर नागेश्वर रेड्डी को एंडोस्कोपी में उनकी अभूतपूर्व नैदानिक प्रगति और अग्रणी चिकित्सा अनुसंधान के लिए पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कला और संगीत के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ. लक्ष्मीनारायण सुब्रमण्यम को पद्म विभूषण से सम्मानित किया है। बता दें कि, डॉ.सुब्रमण्यम विख्यात वायलिन वादक हैं। वे कर्नाटक और पश्चिमी संगीत में पारंगत हैं इसके साथ ही वे संगीत के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट शैली के लिए जाने जाते हैं। वहीं जापान के दिवंगत उद्योगपति ओसामु सुजुकी, जो सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन के पूर्व प्रमुख थे, को भारत के दूसरे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार, पद्म विभूषण से मरणोपरांत (व्यापार और उद्योग में) सम्मानित किया गया है। बता दें कि, ओसामु सुजुकी को भारत को अपने दूसरे घर के रूप में मानते थे। आंध्र प्रदेश के निवासी तेलुगु अभिनेता और राजनीतिज्ञ नंदमुरी बालकृष्ण को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। पांच दशकों के करियर में उन्होंने भारतीय सिनेमा और सार्वजनिक जीवन पर अमिट छाप छोड़ी है। राष्ट्रपति ने बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी (मरणोपरांत) को पद्म भूषण से सम्मानित किया है। पद्म विभूषण असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिए, पद्म भूषण उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए और पद्म श्री किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट सेवा के लिए दिया जाता है। पुरस्कारों की घोषणा हर साल गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर की जाती है।

सुशील मोदी को मरणोपरांत पद्म भूषण सम्मान, राष्ट्रपति ने पत्नी को सौंपा अलंकरण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना/नई दिल्ली। बिहार के कद्दावर नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी को मरणोपरांत पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में स्वर्गीय सुशील कुमार मोदी की पत्नी जेस्सी सुशील मोदी को यह सम्मान प्रदान किया। बता दें कि सुशील मोदी बिहार की राजनीति का एक ऐसा चेहरा रहे, जिन्होंने पांच दशक के अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में छात्र आंदोलन से लेकर राज्यसभा तक का सफर तय किया। वित्तीय प्रबंधन, जीएसटी लागू कराने और बिहार को विकास के रास्ते पर लाने में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। सम्मान ग्रहण करने के बाद जेस्सी मोदी और उनके पुत्र उत्कर्ष तथागत अक्षय अमृतांशु ने इसके लिए राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री व बिहार के मुख्यमंत्री, दोनों उपमुख्यमंत्री एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप कुमार जायसवाल का आभार जताते हुए कहा है कि इस सम्मान से भाजपा के लाखों समर्पित कार्यकर्ताओं का आत्मगौरव बढ़ेगा।

छात्र आंदोलन से उपमुख्यमंत्री तक का सफर

5 जनवरी 1952 को जन्मे सुशील मोदी ने 1970 के दशक में जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में हुए छात्र आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लिया। वे 1973 से 1977 तक पटना विश्वविद्यालय छात्र संघ के महासचिव भी रहे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े मोदी ने भारतीय जनता पार्टी को बिहार में मजबूत आधार दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 1996 से 2004 तक बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में कार्य किया। इसके बाद 2005 में नीतीश कुमार के साथ मिलकर बिहार में एनडीए सरकार बनाने में अहम भूमिका निभाई। उपमुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने वित्त मंत्रालय सहित कई महत्वपूर्ण विभागों का सफलतापूर्वक संचालन किया। 2005-2013 और 2017-2020 के दौरान वे बिहार के उपमुख्यमंत्री रहे।

वित्तीय प्रबंधन और जीएसटी लागू कराने में अग्रणी भूमिका

सुशील मोदी को जुलाई 2011 में देश में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू करने के लिए गठित राज्य वित्त मंत्रियों की सशक्त समिति का अध्यक्ष बनाया गया। उनके नेतृत्व में देश में कर व्यवस्था में ऐतिहासिक बदलाव आया। वित्त मंत्री के रूप में सुशील मोदी ने बिहार के बजट प्रबंधन को मजबूत किया और केंद्र सरकार के सहयोग से कई परियोजनाओं की शुरुआत करवाई, जिनमें बरौनी उर्वरक कारखाने का पुनरुद्धार प्रमुख रहा, जिसमें 8500 करोड़ रुपये का निवेश हुआ।

हर सदन में प्रतिनिधित्व

सुशील मोदी का राजनीतिक सफर बेहद प्रभावशाली रहा। वे विधायक, विधान पार्षद, लोकसभा सांसद (भागलपुर, 2004) और राज्यसभा सांसद (2020-2024) रहे। चारों सदनों में सेवा करने वाले वे बिहार के चुनिंदा नेताओं में से एक थे। 13 मई 2024 को सुशील मोदी का निधन हो गया था।

रिश्वत लेते ग्रामीण विकास विभाग का क्लर्क गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमशेदपुर। एसीबी की टीम ने सोमवार को सरायकेला-खरसावां के ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल में बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने लिपिक खेत्र मोहन महतो को 10 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एसीबी डीएसपी इंद्रदेव राम के अनुसार आरोपित लिपिक ने विभाग में अनुकंपा पर नौकरी कर रहे राहुल कुमार से उनके दिवंगत पिता के ग्रुप बीमा के पैसे निकलवाने के लिए रिश्वत मांगी थी। राहुल कुमार ने रिश्वत देने से मना कर दिया। उन्होंने इसकी शिकायत एंटी करप्शन ब्यूरो से की। एसीबी की टीम ने जिला मुख्यालय के बाहर एक चाय की दुकान पर जाल बिछाया। आरोपी लिपिक को वहीं से रिश्वत लेते पकड़ा गया। टीम उसे कार्यालय ले गई, जहां रिश्वत की राशि की गिनती की गई। इसके बाद आरोपी को हिरासत में लेकर जमशेदपुर एसीबी मुख्यालय ले जाया गया। इस कार्रवाई से जिला मुख्यालय में हड़कंप मच गया है।

चालक की मौत

गिरिडीह(नबिटा ब्यूरो)। जिले के बगोदर जीटी रोड स्थित औरा के समीप खड़ी बस में उसी दिशा से आ रही तेज रफ्तार मछली लदा पिकअप वैन ने जोरदार टक्कर मार दी। घटना के दौरान मछली लदा वैन के चालक की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं बस मालिक शमशेर अंसारी भी घायल हो गए। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची बगोदर पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहन एवं शव को कब्जे में ले लिया। साथ ही आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गुमला। टोटो थाना क्षेत्र के खरका चौक के पास बीती रात भीषण सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गयी। अज्ञात वाहन की टक्कर से यह हादसा हुआ है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गयी है। सड़क हादसा की जानकारी मिलने के बाद टोटो थाना में पदस्थ एसआई इमानुएल कोंगाड़ी घटनास्थल पहुंचे। ग्रामीणों और पुलिस की मदद से तीनों युवकों को रविवार रात सदर अस्पताल लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद सभी को मृत घोषित कर दिया। तीनों की मौत के बाद की खबर मिलने के बाद उनके परिजनों के घरों में मातम पसर गया है। इस दौरान परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों से मिली जानकारी के मुताबिक युवकों की बहन की हाल ही में चंदाली गांव में शादी हुई थी। तीनों युवक बहन के घर चंदाली आए हुए थे। दरअसल युवक के माता-पिता ने बेटी के घर कुछ सामान देने के लिए युवकों को वहां भेजा था। रात को बहन के यहां खाना खाने के बाद तीनों ने घर जाने का फैसला किया। लेकिन बहन के ससुराल पक्ष के लोगों ने युवकों को रात में जाने से मना करते हुए कहा कि सुबह होते ही घर के लिए निकल जाना लेकिन युवकों ने रात में ही जाने की बात कही और तीनों युवक बाइक पर सवार होकर घर की ओर निकल दिए। इसी बीच खरका चौक के पास अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद अज्ञात वाहन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने सभी के शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की मदद से अज्ञात वाहन की तलाश में जुट गई है। मृतकों में चेंगरी निवासी शिवचरण उरांव, अरंगी झरिया टोली के रहने वाले रोहित उरांव और सतीश उरांव शामिल हैं। इन सभी युवकों की उम्र 18 साल है।

मुठभेड़ में शामिल महिला नक्सली ने किया सरेंडर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बोकारो। लुगु पहाड़ मुठभेड़ में शामिल प्रतिबंधित भाकपा माओवादी संगठन की महिला सदस्य सुनीता मुर्मू उर्फ लिलमुनि मुर्मू ने सोमवार को एसपी मनोज स्वर्गीयारी और सीआरपीएफ कमांडेंट के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। मालूम हो कि 21 अप्रैल को ऑपरेशन डाकाबेड़ा के तहत हुई मुठभेड़ में एक करोड़ के इनामी विवेक सहित आठ हार्डकोर नक्सली मारे गए थे जबकि 8 से 10 नक्सली भागने में सफल हो गए थे। मुठभेड़ के बाद बोकारो पहुंचे डीजीपी अनुराग गुप्ता ने कहा था कि ऑपरेशन डाकाबेड़ा के तहत भागे नक्सलियों की तलाश में सर्च अभियान जारी रहेगा। माना जा रहा है कि पुलिस के बढ़ते दबाव और राज्य सरकार की सरेंडर पॉलिसी से प्रभावित होकर सुनीता मुर्मू ने आत्मसमर्पण किया है। बताया जाता है कि वह खुद चलकर एसपी आवास पहुंच गई थी। दुमका जिले के अमरपानी निवासी सुनीता मुर्मू 2017 में एक महिला के साथ जंगल में गई थी और नक्सली बन गई थी। शुरू में वह दस्ते में खाना बनाती थी, फिर बाद में संतरी ड्यूटी और बाकी अन्य कार्य करने लगी। सुनीता मुर्मू ने स्वीकार किया कि वो गलत रास्ते पर चली गई थी। उसने अन्य नक्सलियों से भी आत्मसमर्पण करने की अपील की। उन्होंने बताया कि वह तीन साल गिरिडीह जेल में रह चुकी है। कई थानों में उसके ऊपर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज है। सीआरपीएफ कमांडेंट ने कहा कि समाज में भय का कोई स्थान नहीं है। अन्य नक्सलियों को भी सरेंडर पॉलिसी का लाभ लेकर मुख्यधारा से जुड़ना चाहिए। अपर समाहर्ता ने बताया कि समाज में भटके हुए नक्सलियों को फिर से मुख्यधारा से जोड़ने के लिए झारखंड सरकार वर्ष 2018 में सरेंडर पॉलिसी लाई। उसके तहत नक्सलियों को पैसे, घर, जमीन दी जाती है। रोजगार की व्यवस्था करने में सरकार सहयोग करती है। वहीं अगर नक्सली आगे पढ़ना चाहे तो सरकार उसकी भी व्यवस्था करेगी ताकि वे अपना और परिवार का भरण पोषण कर सकें। सुनीता को ये सभी लाभ दिये जाएंगे।

रिम्स के निदेशक को हटाने पर हाईकोर्ट की रोक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड के सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल रिम्स एक बार फिर सुर्खियों में है। कुछ दिन पहले स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के निर्देश पर निदेशक डॉ. राजकुमार को उनके पद से हटा दिया गया था। 17 अप्रैल 2025 को जारी इस आदेश के खिलाफ डॉ. राजकुमार ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति दीपक रोशन की अदालत ने सरकार के फैसले पर फिलहाल रोक लगा दी है। अदालत ने स्पष्ट किया कि अगली सुनवाई तक डॉ. राजकुमार को रिम्स निदेशक पद से नहीं हटाया जा सकता। साथ ही झारखंड सरकार से इस संबंध में विस्तृत जवाब दाखिल करने को कहा गया है। अपनी याचिका में डॉ. राजकुमार ने सरकार के आदेश को 'नेचुरल जस्टिस' (प्राकृतिक न्याय) और 'रिम्स नियमावली-2002' का उल्लंघन बताया। उन्होंने अदालत को बताया कि उनकी नियुक्ति तीन वर्षों के लिए हुई थी और बिना उनका पक्ष सुने उनपर झूठे व बेबुनियाद आरोप लगाकर पदमुक्त करने का निर्णय लिया गया। डॉ. राजकुमार ने कहा कि मेरे ऊपर गलत आरोप लगाकर मुझे हटाने की कार्रवाई की गई, जो पूरी तरह असंवैधानिक और अन्यायपूर्ण है।

नेतरहाट बनेगा राष्ट्रीय स्तर का पर्यटन स्थल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

लातेहार। जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल नेतरहाट को राष्ट्रीय स्तर के पर्यटन स्थलों की तर्ज पर विकसित करने की योजना बनाई जा रही है। झारखंड की रानी के नाम से प्रसिद्ध नेतरहाट में राजगीर की तर्ज पर ग्लास ब्रिज बनाने की भी तैयारी की जा रही है। इसके अलावा नेतरहाट में सनराइज और सनसेट प्वाइंट से दृश्य को और विहंगम बनाने के लिए दोनों स्थलों को विकसित करने की भी योजना तैयार की गई है। दरअसल, नेतरहाट झारखंड के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों में से एक है। पहाड़ों के ऊपर बसे हुए नेतरहाट प्राकृतिक खूबसूरती से भी परिपूर्ण है। प्राकृतिक दृश्य को देखने के लिए प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में पर्यटक यहां पहुंचते हैं। नेतरहाट को अब राष्ट्रीय स्तर के पर्यटन स्थलों की तर्ज पर विकसित करने के लिए झारखंड सरकार ने योजना बनाई है। इस योजना को अंतिम रूप देने के लिए झारखंड सरकार के पर्यटन मंत्री नेतरहाट का दौरा भी कर चुके हैं। यह जानकारी जिला पर्यटन पदाधिकारी संजीत कुमार ने दी है। उन्होंने बताया कि झारखंड सरकार के पर्यटन मंत्री द्वारा नेतरहाट में पर्यटकों के लिए सुविधाएं बढ़ाने के लिए कई योजनाएं तैयार की गई हैं। उन्होंने कहा कि सनसेट प्वाइंट पर ग्लास ब्रिज भी बनाया जाएगा। ग्लास ब्रिज बनाए जाने से नेतरहाट में पर्यटकों की संख्या में और अधिक वृद्धि होगी। जिला पर्यटन पदाधिकारी संजीत कुमार ने बताया कि नेतरहाट का सनराइज और सनसेट काफी प्रसिद्ध है। यहां आने वाले पर्यटक सनराइज और सनसेट का विहंगम दृश्य जरूर देखते हैं। कोयल व्यू प्वाइंट को सनराइज व्यू प्वाइंट के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां एक पार्क भी बनाया गया है। पार्क में सनराइज वॉच टावर का निर्माण किया गया है जहां से सनराइज का दृश्य काफी खूबसूरत दिखाई देता है। जल्द ही यह पार्क पर्यटकों के लिए खोल दिया जाएगा। वहीं मैगनोलिया प्वाइंट को सनसेट प्वाइंट के रूप में भी जाना जाता है। यहां से सनसेट का दृश्य काफी विहंगम दिखता है। इसी स्थान पर सनसेट के दृश्य को और मनोहर बनाने के लिए ग्लास ब्रिज का निर्माण कराया जाना है। नेतरहाट को पर्यटन के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए यहां की सड़कों को पूरी तरह सुदृढ़ बनाने का कार्य अंतिम चरण में है। सभी पर्यटन स्थलों तक जाने वाली सड़कों को दुरुस्त किया जा रहा है। इसके अलावा पर्यटन सुविधा को बढ़ावा देने के लिए भी कई प्रकार की योजनाएं चलाई जा रही हैं। आने वाले कुछ दिनों में नेतरहाट की पहचान राष्ट्रीय स्तर के पर्यटन स्थल के रूप में होने लगेगी।

राजगीर की तर्ज पर बनेगा ग्लास ब्रिज

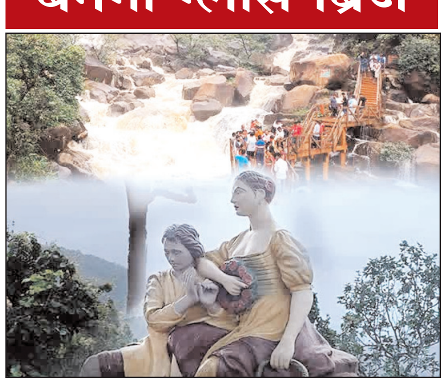

FOR REGISTRATION : ISO, TRADE MARK, PATENT

DESIGN AND COPYRIGHT, ATTORNEY

GLOBAL VISION

(A Complete Solution in Professional Services)

: Regd. Office/ Head Office :

Manaitand, Near Water Tank

Dhanbad, Jharkhand- 826001

Command Office : Jagat Trade Centre, Patna

Contact No.- 9835333441, 8210823092

E-Mail : globalvision96@yahoo.in

सीएम नीतीश ने पटना में सब-वे और डबल डेकर फ्लाईओवर का किया निरीक्षण, जल्द कार्य पूर्ण करने का दिया निर्देश

पटना, एजेंसी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि इस फ्लाईओवर के चालू होने से पटना यूनिवर्सिटी के छात्र-छात्राओं के साथ-साथ स्थानीय निवासियों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी। साथ ही अशोक राजपथ पर गाड़ियों के अनावश्यक शोर से भी राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को पटना जंक्शन के निकट निर्माणाधीन भूमिगत पैदल यात्री मार्ग (सब-वे) का निरीक्षण किया। यह सब-वे पटना जंक्शन से मल्टी लेवल पार्किंग होते हुए जीपीओ गोलम्बर तक बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने ट्रैवेलेटर, एस्केलेटर सहित यात्री सुविधाओं का भी जायजा लिया और अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि सब-वे के बचे हुए कार्यों को शीघ्र पूर्ण कर आमजन के लिए सुविधा प्रारंभ कराई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सब-वे के शुरू होने से पटना जंक्शन क्षेत्र में भीड़भाड़ में कमी आएगी और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था बेहतर होगी।

इस भूमिगत मार्ग का मुख्य उद्देश्य पटना जंक्शन क्षेत्र में यातायात के दबाव को कम करना और मल्टी मॉडल हब के जरिए यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध कराना है। करीब 440 मीटर लंबा यह सब-वे पटना जंक्शन से बुद्ध स्मृति पार्क के पास बन रही मल्टी-लेवल पार्किंग और जी+2 मल्टी मॉडल हब को जोड़ेगा। इस हब में ऑटो रिक्शा, ई-रिक्शा, कैब, निजी वाहनों और सिटी बसों की अलग-अलग पार्किंग की व्यवस्था की गई है, जिससे शहर के यातायात को नया आयाम मिलेगा।

भूमिगत मार्ग का निरीक्षण करने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अशोक राजपथ स्थित डबल डेकर फ्लाईओवर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने गाड़ी से ऊपरी और निचली दोनों पुलों का अवलोकन किया और अधिकारियों को शेष कार्य शीघ्रता से पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस फ्लाईओवर के चालू होने से पटना यूनिवर्सिटी के छात्र-छात्राओं के साथ-साथ स्थानीय निवासियों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी। साथ ही अशोक राजपथ पर गाड़ियों के अनावश्यक शोर से भी राहत मिलेगी, जिससे इलाके का वातावरण अधिक शांतिपूर्ण बनेगा।

डबल डेकर फ्लाईओवर की कुल लंबाई 2.2 किलोमीटर है। ऊपर का पुल कारगिल चौक से साइंस कॉलेज तक फैला है, जबकि नीचे का पुल बीएन कॉलेज से पटना कॉलेज तक 1.7 किलोमीटर लंबा बनाया गया है। इस पुल में पीएमसीएच आने-जाने वालों के लिए कृष्णा घाट के पास कनेक्टिविटी दी गई है। इसे पीएमसीएच के मल्टी लेवल पार्किंग से भी जोड़ने की योजना है। यह डबल डेकर फ्लाईओवर मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्टों में शामिल है, जिसका उद्देश्य पटना के प्रमुख शैक्षणिक और स्वास्थ्य संस्थानों तक आसान और तेज पहुंच प्रदान करना है।

मुख्यमंत्री के इस निरीक्षण कार्यक्रम में उनके प्रधान सचिव दीपक कुमार, सचिव अनुपम कुमार, सचिव कुमार रवि, बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड के अध्यक्ष शीर्षत कपिल अशोक और पटना नगर निगम के नगर आयुक्त अनिमेश पराशर समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। सभी अधिकारियों को मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया कि कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो और निर्धारित समयसीमा में प्रोजेक्ट पूरे कर आम लोगों को इसका लाभ मिलना शुरू हो।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में दुल्हन का अपहरण, बंदूक की नोंक पर दूल्हे के सामने से उठा ले गए बदमाश

दरभंगा, एजेंसी। बिहार में अपराधियों ने एक बार फिर बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। अब अपराधियों ने एक नई-नवेली दुल्हन का अपहरण कर लिया है। बताया जा रहा है कि बंदूक की नोंक पर दूल्हे के सामने से ही बदमाश दुल्हन को उठा ले गए। इस घटना के बाद से दूल्हा और दुल्हन के परिवार के लोग सहमे हुए हैं। वारदात दरभंगा जिले की है। कुछ मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, शादी के बाद दुल्हन को घर ला रहे दूल्हे को बंदूक दिखा कर बदमाश उसकी दुल्हनिया ले गए। पीड़ित दूल्हा और दुल्हन के घरवालों ने इस मामले में थाने में शिकायत भी दर्ज करवाई है। घटना साकेतपुर थाना क्षेत्र की बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि 25 अप्रैल को माला कुमारी नाम की एक महिला की सादी संजय राम से हुई थी। शादी के बाद माला अपने मायके गंगापुर से ससुराल घनश्यामपुर जा रही थीं। रास्ते में मुहतरिया पुल के पास चार बाइक पर सवार 8 बदमाशों ने उनका पीछा किया। इसके बाद बदमाशों ने माला की गाड़ी रोकवाई और उन्हें खींच कर बाइक पर बैठा लिया। जाते-जाते बदमाशों ने धमकी दी कि अगर पुलिस को सूचना दी तो दूल्हे को जान से मार देंगे। पीड़ित दूल्हा संजय कुमार ने मीडिया से बातचीत में कहा, 'मेरी शादी थी और हम वहां से विदाई कर के आ रहे थे। रास्ते में 4-5 लड़के बंदूक लेकर आए और हमें धमकी दी और लड़की को लेकर फरार हो गए। वहीं दूल्हे के पिता भगलू राम ने कहा कि 25 तारीख को हम अपने बेटे की शादी करने गंगापुर गए थे। 26 तारीख को लौटते वक्त रास्ते में बंदूक दिखा लड़की को लेकर चले गए।'

जदयू नेता के घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग, गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंट उठा बिहार

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में रविवार (27 अप्रैल) की देर शाम जदयू नेता राकेश कुमार सिंह उर्फ पप्पू सिंह के घर पर बाइक सवार बदमाशों ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी. फायरिंग से इलाके में दहशत फैल गई. यह घटना मिठनपुरा थाना क्षेत्र के रामबाग चौधरी स्थित विद्यापीठ लेन में हुई. मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल से छह खोखे बरामद किए हैं और मामले की जांच शुरू कर दी है. पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई है. बता दें कि जदयू नेता पप्पू सिंह अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के जिलाध्यक्ष भी हैं. इसके साथ ही वे प्रॉपर्टी डीलिंग का भी काम देखते हैं. जानकारी के अनुसार वह अपने घर पर कुछ लोगों के साथ बैठे थे. इसी दौरान बाइक सवार कुछ अपराधी उनके घर के पास पहुंचे और अचानक ताबड़तोड़ गोलियां चलानी शुरू कर दीं. इस घटना में वह बाल-बाल बच गए. हालांकि उनकी बुलेट और घर की खिड़की गोली लगने के कारण क्षतिग्रस्त हो गई. फायरिंग के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए. घटना के बाद इलाके में गोलियों की तड़तड़ाहट से दहशत फैल गई. घटना की सूचना मिलते ही मिठनपुरा थानाध्यक्ष रामएकबाल प्रसाद मौके पर पहुंचे और छानबीन की. पुलिस ने मौके से छह खोखे बरामद किए और सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू किया, जिसमें बाइक सवार हमलावर भागते हुए दिखाई दे रहे हैं. पुलिस आसपास के इलाकों में छापेमारी कर रही है और हमलावरों की पहचान के लिए फुटेज की जांच कर रही है. जदयू नेता पुलिस से सुरक्षा की मांग की है.

दर्दनाक सड़क हादसों से दो परिवारों में फैला मातम, अलग-अलग सड़क हादसों में महिला समेत दो की मौत

नालंदा, एजेंसी। नालंदा जिले के नूरसराय और दीपनगर थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग सड़क हादसों में महिला समेत दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। नूरसराय थाना क्षेत्र के मेयार गांव के पास तेज आंधी और बारिश के दौरान बाइक सवार दो युवक अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए। हादसे में बिहार थाना क्षेत्र के थवई मोहल्ला निवासी मो. अरशद की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि शेरपुर मोहल्ला निवासी मो. राजा गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने बताया कि दोनों युवक एसी और फ्रिज रिपेयरिंग का काम करते थे और काम से लौटते वक्त हादसा हुआ। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। अज्ञात वाहन की पहचान के प्रयास जारी हैं। दीपनगर थाना क्षेत्र के एनएच-20 पर सकरौल गांव के पास स्कूटी सवार दंपति अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए। हादसे में कल्याणपुर निवासी अनिल कुमार की पत्नी संजू कुमारी (42 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पति गंभीर रूप से घायल हैं। दंपति नवादा जिले के कादीरगंज थाना क्षेत्र के सोनुबीघा गांव अपने मायके जा रहे थे। दीपनगर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है और मामले की जांच कर रही है।

रजौली में रेडियोलॉजिस्ट के बिना धड़ल्ले से चल रहे अल्ट्रासाउंड सेंटर, भ्रूण-हत्या को दे रहे बढ़ावा

रजौली, एजेंसी। मुख्यालय में लगभग आधा दर्जन अल्ट्रासाउंड का संचालन अनियमित रूप से किया जा रहा है। इसके विरुद्ध स्थानीय स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारीगण एवं प्रशासन मौन धारण किए हुए है। इन अल्ट्रासाउंड सेंटरों में मुंहमांगी कीमतों पर भ्रूण जांच भी धड़ल्ले से की जाती है। अल्ट्रासाउंड सेंटर में रेडियोलॉजिस्ट के सिर्फ नाम अंकित रहते हैं और उनके नाम को बेचकर निजी तौर पर स्टॉफ रखकर अल्ट्रासाउंड संचालक मोटी रकम कमाने में लगे हुए हैं। वहीं, दूसरी ओर जिले के कम लिंगानुपात को बढ़ाए जाने को लेकर सरकार से लेकर जिले के वरीय पदाधिकारी विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम चला रहे हैं।

ऐसी स्थिति में रजौली के कुछ अल्ट्रासाउंड संचालक भ्रूण जांच कर उनके मंसूबों पर पानी फेरने का काम के रहे हैं। ऐसा नहीं है कि रजौली में सिर्फ रजौली या आसपास के क्षेत्र के लोग ही भ्रूण जांच कराने के लिए आते हैं, बल्कि आसपास के जिले से आनेवाली महिलाओं का भी भ्रूण जांच पैसों की लालच में किया जा रहा है।

भ्रूण जांच में लड़की होने पर अधिकांश लोग निजी नर्सिंग होम में जाकर अबॉर्शन करवा लेते हैं। कई बार अवैध रूप से संचालित निजी नर्सिंग होम में रहे झोलाछाप चिकित्सक से कराया गया अबॉर्शन जानलेवा भी साबित हो चुका है। बुद्धिजीवियों की मानें तो अल्ट्रासाउंड और अवैध निजी नर्सिंग होम एक-दूसरे के अनुपूरक बनकर लोगों का आर्थिक दोहन कर रहे हैं। साथ ही गर्भवती महिलाओं के पेट में पल रहे बेटियों की हत्या कर लिंगानुपात कम करने में अपनी भूमिका सुदृढ़ कर रहे हैं। बीते वर्ष रजौली एसडीओ आदित्य कुमार पीयूष एवं स्थानीय चिकित्सा पदाधिकारी के सहयोग से जांच अभियान चलाया गया था। उक्त जांच अभियान के बाद भ्रूण जांच बंद हो गई थी, लेकिन अब फिर अल्ट्रासाउंड संचालक रेडियोलॉजिस्ट का नाम बेचकर अपने कार्यों में जुट गए हैं। कई अल्ट्रासाउंड में रेडियोलॉजिस्ट के हस्ताक्षर पूर्व से रिपोर्ट कार्ड पर करवाकर रख लिए जाते हैं, बाद में रिपोर्ट के बाद मरीजों को वही कागज दे दिया जाता है।

बीते 12-13 अप्रैल को सिरदला में अवस्थित शिवम अल्ट्रासाउंड सेंटर में झारखंड के कोडरमा से आए पदाधिकारियों की टीम ने ऑपरेशन डिकॉय के तहत कार्रवाई करते हुए भ्रूण जांच करने के मामले में संचालक को पुलिस के सुपुर्द किया था। आम लोगों का कहना है कि जिले के वरीय पदाधिकारी के द्वारा समय-समय अल्ट्रासाउंड संचालकों एवं निजी नर्सिंग होम की जांच की जानी चाहिए। ताकि जिले में स्वास्थ्य व्यवस्था बेहतर हो सके।

भागलपुर के तनिष्क शोरूम में डकैती की बड़ी साजिश नाकाम, दमदम जेल में बंद अपराधी ने बनायी थी योजना

भागलपुर, एजेंसी। बिहार के भागलपुर जिले में एक बड़ी आपराधिक साजिश को पुलिस ने समय रहते विफल कर दिया। तिलकामांझी स्थित तनिष्क ज्वेलरी शोरूम में डकैती की सुनियोजित साजिश दमदम जेल में बंद एक कुख्यात अपराधी राजवीर द्वारा रची गई थी। इस साजिश का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने साहेबगंज निवासी मो. मुमताज को इशाकचक क्षेत्र से गिरफ्तार किया और उसकी निशानदेही पर आठ और अपराधियों को वैशाली से धर दबोचा।

इस पूरी साजिश का मास्टरमाइंड पंजाब का कुख्यात अपराधी राजवीर था, जो पहले भी बिहार, बंगाल समेत कई राज्यों में बड़े ज्वेलरी शोरूम में डकैती की वारदातों को अंजाम दे चुका है। राजवीर दमदम जेल में बंद हैं। इसके बावजूद उसने डकैती की पूरी साजिश रची। । उसकी मदद समस्तीपुर रिलायंस ज्वेलरी शॉप लूटकांड में फरार चल रहे एक लाख रुपये के इनामी अपराधी मो. जफर और मो. साहिल ने की। राजवीर ने जेल से मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर जफर और साहिल को तनिष्क शोरूम लूट की जानकारी दी थी।

पुलिस ने मुमताज से पूछताछ की, जिसमें उसने कई चौंकाने वाले खुलासे किए। उसने बताया कि वह राजवीर के संपर्क में था। जफर का भाई भी दमदम जेल में ही बंद था। जफर बिहार पुलिस की नजर में फरार था। वह अक्सर अपने भाई से मिलने जेल आता-जाता था। इस तरह से उसकी पहचान राजवीर से हुई। वे अपनी सारी बातें मुमताज और अन्य अपराधियों तक पहुंचते थे।

गिरफ्तार अपराधियों ने कबूल किया कि वे पिछले डेढ़ महीने से तनिष्क शोरूम की रेकी कर रहे थे। इसके लिए उन्होंने भागलपुर के बरहपुरा ईदगाह के पास किराए पर कमरा भी ले रखा था। रेकी के दौरान अपराधियों ने शोरूम में पुलिस चेकिंग के समय, स्टाफ और ग्राहकों की संख्या, सीसीटीवी कैमरों की स्थिति और शोरूम के आसपास भागने के संभावित रास्तों तक की पूरी जानकारी इकट्ठा कर ली थी। डकैती को अंजाम देने के लिए लगभग 15 अपराधियों का एक बड़ा गिरोह तैयार किया गया था। योजना के अनुसार, कुछ अपराधी शोरूम के भीतर रहते जबकि बाकी बाहर निगरानी करते और पल-पल की जानकारी शेयर साझा करते। घटना के बाद सभी अपराधी बरहपुरा स्थित मुमताज के कमरे पर पहुंचते, हथियारों को वहीं छिपाते और लूटे गए आभूषण व नकदी को अलग-अलग बैग में भरकर रेलवे ट्रैक के रास्ते पैदल चलते हुए भागलपुर रेलवे स्टेशन पहुंचते। वहां से वे ट्रेन पकड़कर फरार होने की योजना बना चुके थे।

बिहार में 36 हेडमास्टर समेत 50 पर केस दर्ज, शिक्षा विभाग की 52 योजनाओं में घोटाला का मामला आया सामने

लखीसराय, एजेंसी। बिहार के लखीसराय जिले में शिक्षा विभाग की योजनाओं में बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है. इस घोटाले में अब तक 36 प्रधानाध्यापकों और 13 वेंडरों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है. जिला शिक्षा अधिकारी संजय कुमार के मुताबिक, यह घोटाला विद्यालयों के विकास के लिए निर्धारित योजनाओं के क्रियान्वयन में गड़बड़ी के रूप में सामने आया है.

शिक्षा विभाग के डीपीओ ने रविवार को टाउन थाना में दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज करवाई. इस कार्रवाई के बाद विभाग में हड़कंप मच गया है. अधिकारियों के मुताबिक, 52 योजनाओं में से 29 योजनाओं में भ्रष्टाचार पाया गया, जिसमें विद्यालयों के विकास के लिए तय राशि का गलत तरीके से भुगतान किया गया. डीपीओ ने जांच के बाद दो अलग-अलग मामलों में एफआईआर दर्ज करवाई है.

इस मामले में 36 प्रधानाध्यापक और 13 वेंडर आरोपी बनाए गए हैं. इन आरोपियों ने योजनाओं के नाम पर फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से राशि का भुगतान लिया. इनमें से कुछ प्रधानाध्यापक तो पहले से ही संदिग्ध थे. आरोप है कि इन प्रधानाध्यापकों ने शिक्षा विभाग की योजनाओं में अनियमितताएं कीं और सरकारी धन का दुरुपयोग किया. वेंडरों के नाम भी सामने आए हैं, जिनमें अमन ट्रेडर्स, नव्या इंटरप्राइजेज, एसआरएस ट्रेडर्स जैसी कंपनियां शामिल हैं. इन वेंडरों ने बिना काम किए ही राशि प्राप्त की.

डीपीओ संजय कुमार ने कड़ी कार्रवाई की बात की है और सभी आरोपियों के खिलाफ पूरी कानूनी प्रक्रिया को अपनाने का आश्वासन दिया है. विभाग ने इस मामले में सभी आरोपी प्रधानाध्यापकों को निलंबित करने की सिफारिश की है और वेंडरों पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी.

अपर मुख्य सचिव ने सभी डीईओ को दिए निर्देश, बच्चों के बीच करवाएं पुस्तकों का वितरण

पटना, एजेंसी। अपर मुख्य सचिव डॉ0 एस0 सिद्धार्थ ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्देश जारी किये हैं। आदेश के बाद वर्ग 1 से 8 तक की पाठ्य पुस्तकों का वितरण आज से शुरू कर दिया गया है। पुस्तक वितरण कार्यक्रम 2 मई तक चलेगा।

अपर मुख्य सचिव डॉ0 एस0 सिद्धार्थ ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्देश जारी किये हैं। डॉ0 एस0 सिद्धार्थ ने कहा है कि बच्चों के बीच पुस्तकों का वितरण जल्द से जल्द करवाया जाय आदेश जारी। पुस्तकों का वितरण आज से शुरू कर दिया गया है। आदेशानुसार पुस्तक वितरण कार्यक्रम 2 मई तक चलेगा।

अपर मुख्य सचिव डॉ0 एस0 सिद्धार्थ के द्वारा जारी किये गये पत्र के अनुसार राज्य के सभी सरकारी विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 की कक्षाएं 1 अप्रैल, 2025 से प्रारंभ हो गई है। इस क्रम में बिहार राज्य पाठ्य पुस्तक प्रकाशन निगम लि0 द्वारा राज्य के सभी प्रखंड संसाधन केन्द्रों पर समग्र शिक्षा 2025-26 के अंतर्गत वर्ग 1 से 8 तक की पाठ्य पुस्तकें पहुंचा दी गयी हैं। सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों के द्वारा पुस्तकें विद्यालयों तक पहुंचा दी जाएँ। इन पाठ्य पुस्तक वितरण का कार्य दिनांक 28 अप्रैल से 02 मई के बीच निम्नवत् किया जाय। निर्देश के अनुसार 28 अप्रैल से 02 मई तक राज्य के सभी विद्यालयों में प्रासंगिक पाठ्य पुस्तकों का वितरण समारोह का आयोजन कर किया जायेगा। समारोह में बच्चों के माता-पिता या अभिभावकों को और अन्य जन प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाय और उनकी उपस्थिति में वितरण का कार्य किया जाय। वितरण कार्य का डॉक्यूमेंटेशन अलग

पंजी संधारित कर लिया जाय। वितरण समारोह की साफ-सुंदर तस्वीरें भी जिला स्तर पर संधारित कर रखी जायें। दिनांक 28 अप्रैल से 02 मई तक चलने वाले इस पाठ्य-पुस्तक वितरण समारोह का प्रतिवेदन जिला स्तर पर समेकित कर टेक्सटबुक कार्यालय को प्रतिदिन संध्या 5 बजे के पहले उपलब्ध कराया जाय। वितरण के दौरान पाठ्यपुस्तकों की गुणवत्ता को भी देख लिया जाय। यदि पाठ्यक्रम के पुस्तक गुणवत्ता के मानक के अनुरूप न हो तो इसकी सूचना भी जिला मुख्यालय एवं बिहार राज्य पाठ्य पुस्तक प्रकाशन निगम लि0, पटना को अविलम्ब भेजी जाय।

सक्षमता परीक्षा 2 पास कर चुके शिक्षकों के लिए खुशखबरी, जल्द शुरू होगा विशिष्ट शिक्षकों का वेतन भुगतान

पटना, एजेंसी। राज्य में द्वितीय सक्षमता परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके 65,716 विशिष्ट शिक्षकों का वेतन भुगतान जल्द शुरू होगा। वेतन भुगतान के पहले उन्हें प्रान नंबर का आवंटन होगा। इसके लिए शिक्षा विभाग ने द्वितीय सक्षमता परीक्षा उत्तीर्ण विशिष्ट शिक्षकों के प्रान नंबर आवंटन एवं वेतन भुगतान की कार्रवाई के लिए सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को निर्देश दिया है।

निर्देश में कहा गया है कि विशिष्ट शिक्षकों को स्थानीय निकाय नियमावली, 2020 के तहत उन्हें प्रदान किए गए पूर्ण वेतन संरक्षण प्राप्त करेंगे। इसके अलावा इस नियमावली के प्रभावी होने पर उनका वेतन फिटमेंट मैट्रिक्स के अनुसार महंगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता, चिकित्सा भत्ता और शहरी परिवहन भत्ता सहित शामिल है।

शिक्षा विभाग के संशोधित प्रविधान के आलोक में नियुक्त विद्यालय अध्यापकों को न्यू पेंशन स्कीम (एनपीएस) से आच्छादित किया गया है। ऐसे में विशिष्ट शिक्षकों को भी न्यू पेंशन स्कीम (एनपीएस) से आच्छादित किया जाना है। इसके लिए उनके पास प्रान नंबर होना आवश्यक है। न्यू पेंशन स्कीम कर्मियों को ओपीजीएम एवं ई-एनपीएस के माध्यम से प्रान नंबर आवंटन की सुविधा उपलब्ध है।

बिहार में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगे, बवाल बढ़ा तो पुलिस ने इंडिया गठबंधन के नेता को पकड़ा

पटना, एजेंसी। एसपी अजय कुमार ने कहा कि वायरल वीडियो की जांच हो रही है। वायरल वीडियो में एक ही नारे को बार-बार दिखाया जा रहा है। दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होगी। सीपीआई नेता के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है। लखीसराय में इंडिया गठबंधन की ओर से पहलगाम हमले के विरोध में कैंडल मार्च निकाला गया। इस दौरान पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए जाने का मामला सामने आया। रविवार को नारेबाजी का वीडियो वायरल हो गया। सत्ता पक्ष के नेताओं और स्थानीय लोगों ने कार्रवाई की मांग की तो पुलिस एक्शन में आई। पुलिस ने वायरल वीडियो की जांच की। इसके बाद राजद के लखीसराय के जिलाध्यक्ष कालीचरण दास और सीपीआई नेता कैलाश प्रसाद से पूछताछ की। इनके बाद सीपीआई नेता कैलाश प्रसाद के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में जो कैंडिल मार्च निकाला गया था, उसका नेतृत्व राजद के जिलाध्यक्ष कालीचरण दास और नेता प्रेम सागर ने किया था। इधर, वायरल वीडियो को लेकर राजद जिलाध्यक्ष कालीचरण दास ने कहा कि गलती से नारे लग गए। कार्यक्रम का उद्देश्य शहीदों को श्रद्धांजलि देना था। पुलिस ने सीपीआई नेता कैलाश प्रसाद को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

लौकी की खेती से चमकी आरा के किसान की किस्मत, कर रहे लाखों की कमाई

बड़हरा (आरा), एजेंसी। भोजपुर जिले के बड़हरा प्रखंड अंतर्गत धुसरीया गांव के किसान लोरिक पासवान अपनी पारंपरिक खेती से अलग नवाचार के सहारे लौकी की खेती कर रहे हैं। किसान लोरिक पासवान लौकी की खेती कर न सिर्फ अच्छी कमाई कर रहे हैं बल्कि और किसानों को भी इसके लिए प्रेरित कर रहे हैं।

किसान ने बताया कि वे करीब दस वर्षों से सब्जी की खेती करते आ रहे हैं। इस वर्ष चार बीघा में लौकी की खेती की है। चार बीघा में लौकी की खेती में जुताई, बुवाई और पटवन समेत अन्य खर्च करीब 80 हजार रुपया आया है।

इस वर्ष बारिश और ओले पड़ने से काफी नुकसान हुआ हैं, जिसकी वजह से इस वर्ष खेतों में खर्च किये गए रुपये भी वापस आने की उम्मीद नहीं है।

उन्होंने बताया कि इसके पहले लौकी की खेती करके उन्होंने शादी-विवाह के दौरान चार लाख रुपये तक की आमदनी की है। उन्होंने किसानों को पड़े पैमाने पर सब्जी की खेती करने की सलाह दी।

किसान बताते हैं कि हम आरा, छपरा और कायमनगर बाजार में लौकी सब्जी की सप्लाई करते हैं। इसके अलावा कई व्यापारी हमारे खेतों तक आकर लौकी की खरीद करते हैं। प्रत्येक दो दिन बाद चार बीघा खेत से करीब छह सौ से आठ सौ तक लौकी निकलती है। शादी विवाह के सीजन में अच्छा भाव मिलता हैं। इस दौरान आमदनी भी अच्छी होती है।

किसान लोरिक पासवान ने बताया कि सब्जी की खेती करना चाहते हैं तो छोटे पैमाने पर न करके बड़े पैमाने पर सब्जी की खेती करें तो बाजार मिलने की समस्या नहीं होगी। बड़े पैमाने पर सब्जी की खेती करने से आरा, छपरा, लकायमनगर और पटना तक के बड़े व्यापारी अपने वाहनों से खेत से ही सब्जी खरीदारी कर लेते हैं।

लोरिक पासवान ने बताया कि वे कुल चौदह बीघा में सब्जी की खेती करते हैं, जिसमें चार बीघा में केवल लौकी का खेती होता हैं। उनका कहना है कि धान, गेहूं, मक्का इत्यादि की फसल से केवल जीवन यापन किया जा सकता है। अच्छी कमाई के लिए सब्जी की खेती उपयुक्त है।

सरकारी अनुदान की बात पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि सरकारी अनुदान के चक्कर में पड़ने पर बुवाई का सीजन निकल जाता है। और लेट बुवाई से कमाई पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इसलिए अपनी जमापूंजी की मदद से वे सब्जी की खेती को आगे बढ़ा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

27

रिम्स के डॉक्टरों के लिए खुशखबरी, स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने मंगाई प्रमोशन की फाइल

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची में स्थित राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स के डॉक्टरों के लिए एक खुशखबरी है। स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने रिम्स के 100 डॉक्टरों की पदोन्नति की फाइल अपने पास मंगाई है। प्रमोशन से पहले मंत्री स्वास्थ्य सचिव अजय कुमार सिंह के साथ इस पर चर्चा करेंगे। इस दौरान मंत्री इरफान अंसारी ने स्पष्ट कह दिया है कि समीक्षा के बाद ही पदोन्नति के लिए चयनित डॉक्टरों की लिस्ट जारी की जाएगी। साथ ही ऐसे डॉक्टर जिनका चयन नहीं हो पाया है, उनका फिर से साक्षात्कार लिया जा सकता है। इस बात पर विचार किया जा रहा है। ऐसा माना जा रहा है कि चयनित डॉक्टरों की लिस्ट जारी करने के बाद रिम्स द्वारा वंचित डॉक्टरों का इंटरव्यू लिया जाए। फिलहाल, जो डॉक्टर पदोन्नति के लिए चयनित हैं, उनका इंटरव्यू नवंबर महीने में ही लिया गया था। इस साक्षात्कार प्रक्रिया में रिम्स के लगभग 100 डॉक्टर शामिल हुए थे। इस चयन प्रक्रिया के लिए बाहर से एक्सपर्ट्स को भी बुलाया गया था। साथ ही इसकी रिकॉर्डिंग भी हुई थी। प्रक्रिया पूरी होने पर विभाग को चयनित डॉक्टरों की लिस्ट भेजी गई थी। इस सूची को पारित करने का निर्देश स्वास्थ्य विभाग द्वारा रिम्स जीबी में दिया गया था। इसी वजह से रिम्य जीबी की 59वीं बैठक में इसे एजेंडा बनाया गया था, लेकिन सदस्यों की सहमति नहीं बनने के कारण इसे पारित नहीं किया गया। इसके अलावा शनिवार 26 अप्रैल 2025 से रिम्स में भर्ती आयुष्मान और बीपीएल मरीजों की एमआरआइ जांच सरकार की अधिकृत जांच एजेंसी हेल्थ मैप में शुरू हो जायेगी। यह निर्णय शुक्रवार को रिम्स प्रबंधन और हेल्थ मैप के साथ हुई बैठक के बाद इससे संबंधित अधिकारियों की बैठक में लिया गया। अब ऐसे मरीजों की एमआरआइ जांच के लिए एलाऊ फ्री की एक पंजी बनायी जायेगी, जिसके आधार पर हर महीने का हेल्थ मैप को एक विपत्र जमा करना होगा। इसी के आधार पर जांच का भुगतान किया जाएगा।

हाईकोर्ट ने कहा- 98 अंकों पर तय होगा सिविल जज जूनियर पीटी का रिजल्ट

रांची, एजेंसी। झारखंड हाईकोर्ट ने सिविल जज जूनियर डिवीजन प्रतियोगिता की प्रारंभिक परीक्षा की उत्तरकुंजी को चुनौती देनेवाली याचिकाओं पर फैसला सुनाया है। इसमें याचिकाओं को आंशिक रूप से स्वीकार किया गया है। हाईकोर्ट ने यह फैसला उक्त मामले में दायर याचिकाओं की सुनवाई करते हुए किया। यह फैसला चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव और जस्टिस दीपक रोशन की खंडपीठ ने सुनाया है। इसमें कहा गया कि इस परीक्षा का रिजल्ट अब केवल 98 अंक पर तय किया जाएगा। इस दौरान खंडपीठ ने प्रार्थी की दलील स्वीकार किया और बुकलेट ए सीरीज के प्रश्न संख्या–आठ, 74 व 96 की उत्तरकुंजी को गलत पाया। इस पर खंडपीठ ने निर्देश दिया कि उन सबको एक नंबर दीजिये, जिन अभ्यर्थियों ने प्रश्न संख्या–आठ का जवाब ए दिया है। वहीं, खंडपीठ ने प्रश्न संख्या 74 और 96 प्रश्न को डिलीट कर दिया। इस कारण 100 अंकों की यह परीक्षा अब महज 98 प्रश्न (98 अंक) की होगी। इसी अंक पर अभ्यर्थियों का रिजल्ट भी निर्धारित होगा। चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव और जस्टिस दीपक रोशन की खंडपीठ ने जेपीएससी से परीक्षा में शामिल सभी अभ्यर्थियों का अंतिम मार्क्स तैयार कर मेरिट लिस्ट जारी करने की भी बात कही है। साथ ही जेपीएससी को चार हफ्ते के अंदर सारी प्रक्रियाएं पूरी करने का निर्देश दिया है। इसके अलावा खंडपीठ ने प्रार्थियों के उस आग्रह को भी स्वीकार कर लिया है, जिसमें कुल वैकेंसी के 15 गुना अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा के लिए सफल घोषित करने का निवेदन किया गया है। हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता मनोज टंडन, अधिवक्ता सुमित गाड़ोदिया और अधिवक्ता शैलेश पोद्दार ने बहस की। इन्होंने खंडपीठ को जानकारी दी कि पीटी के रिजल्ट में कई गलतियां हैं, साथ ही कुछ प्रश्नों में भी त्रुटियां हैं। लेकिन जेपीएससी द्वारा गलतियों में सुधार किये बगैर ही रिजल्ट तैयार कर दिया। वहीं, जेपीएससी की ओर से अधिवक्ता संजय पिपरावाल, अधिवक्ता प्रवीण कुमार पांडेय, अधिवक्ता प्रिंस कुमार व अधिवक्ता अमित कुमार ने पैरवी की, जिन्होंने खंडपीठ के सामने पीटी रिजल्ट को सही बताया।

राष्ट्रीय सेवा भारती का आह्वान, समाज के उपेक्षित वर्गों को मुख्यधारा में लाने की जरूरत

रांची, एजेंसी। राष्ट्रीय सेवा भारती के राष्ट्रीय मंत्री रामेंद्र सिंह ने कहा कि सेवा भारती झारखंड सहित पूरे देश में विभिन्न आयामों के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन का कार्य कर रही है। समाज में आज भी कई ऐसे वर्ग हैं, जो आज भी उपेक्षित हैं, शोषित हैं और आवश्यक सुविधाओं से वंचित हैं। इसलिए अब जरूरत है, सेवा कार्य करने के साथ-साथ वैसे उपेक्षित वर्ग के लोगों को समाज की मुख्यधारा में शामिल करने की।

वह रविवार को सेवा भारती, झारखंड प्रदेश की ओर से रांची के काव्स रेस्टोरेंट के सभागार में आयोजित हितचिंतक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने घुमंतू समाज के बारे में विस्तार से बताया कि उनके लोग आज भी कैसी जिंदगी जी रहे हैं। थर्ड जेंडर के लोगों को सम्मान देने की जरूरत है। कुछ लोग आपदा के कारण पीडित हैं तो कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिन्होंने जरूरत के लिए अपना गांव छोड़ दिया है। वैसे सभी लोगों की चिंता समाज को करनी चाहिए।

राष्ट्रीय मंत्री रामेंद्र सिंह ने कई लोगों का उदाहरण देते हुए कहा कि मध्य प्रदेश में एक आईपीएस ने सेवा कार्य में सहयोग करने के लिए अपना मकान तक बेच दिया। जब आप दूसरे की पीड़ा देखते हैं तो सेवा की भावना उत्पन्न होती है। अपने समाज के लिए जो सहयोग कर रहे हैं, वह कोई अहसान नहीं हैं। जरूरतमंद लोगों के लिए समाज को आगे आना होगा। आज सेवा भारती समाज के वंचित, उपेक्षित, पीड़ित और अभावग्रस्त वर्गों में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन, सामाजिक संस्कारों का अलख जगा कर समरस समाज का निर्माण कर रही है। समाज के सहयोग से कम संसाधन में जरूरतमंद बस्तियों में जाकर सेवा भारती के कार्यकर्ता काम कर रहे हैं। पूर्व राज्यसभा सदस्य महेश पोद्दार ने कहा कि स्वयं का स्वार्थ त्याग कर सेवा कार्य करने से सही मायने में समाज का उन्नयन होगा। आरएसएस के झारखंड-बिहार के क्षेत्र संघचालक देवव्रत पाहन ने कहा कि देश और समाज के लिए सभी लोग जब चिंता करेंगे, तभी स्वाभिमानी और स्वावलंबी भारत का निर्माण होगा। मौके पर सेवा भारती के संरक्षक डॉ। एच पी नारायण ने सेवा कार्य के लिए उत्प्रेरित किया। कार्यक्रम में सेवा भारती की वार्षिक उपलब्धियों को साझा करते हुए प्रदेश सचिव ऋषि पाण्डेय ने बताया कि परिवर्तन दिख रहा है। अब प्रखंड स्तर तक समस्याओं का अध्ययन कर सेवा कार्य विस्तार करने का लक्ष्य तय किया गया है। इसके पूर्व कार्यक्रम में सेवा भारती के सेवा कार्यों की डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन किया गया। साथ ही राष्ट्रीय सेवा साधना पत्रिका के वार्षिक अंक आपदा प्रबंधन विशेषांक का विमोचन किया गया। महानगर अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

इस मौके पर राष्ट्रीय सेवा भारती के न्यासी गुरुशरण प्रसाद, सह प्रांत संघचालक अशोक श्रीवास्तव, महानगर संघचालक पवन मंत्री, पूर्व क्षेत्र संघचालक सिद्धिनाथ सिंह, राधेश्याम अग्रवाल, गोपाल सिंह, शंभू ठाकुर, निर्मला कौर, भाजपा नेता सुबोध सिंह गुड्डू, बिनय गांगूली, कुणाल आजमानी उपस्थित रहे।

वहीं, रमाशंकर बगड़िया, डा। निधि सहाय, प्रांत संगठन मंत्री जितेंद्र कुमार, सेवा भारती के मनोज कुमार, राजा, सुष्मिता पांडेय, समर सिंह , कंचन प्रभा, यदुनाथ पांडेय, प्राचार्य ललन कुमार, सुनील पांडेय, निधि जायसवाल सहित रांची, बोकारो, धनबाद, हजारीबाग से आए सेवा भारती के हितचिंतक और शहर के गण्यमान्य लोग उपस्थित रहे।

ट्रेन की बोगी की तरह बनाया मकान, नाम रखा हेंब्रम एक्सप्रेस

घाटशिला, एजेंसी। घाटशिला प्रखंड की धरमबहाल पंचायत के ऐदलबेड़ा गांव निवासी आदिवासी परिवार की सृजनशीलता व कलाप्रेम चर्चा व आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। खड़गपुर रेल मंडल में गार्ड के पद पर कार्यरत ऐदलबेड़ा निवासी श्यामा हेंब्रम ने अपने गांव के मकान को ट्रेन की बोगी के अंदाज में डिजाइन किया है और उसका नाम रखा है हेंब्रम एक्सप्रेस। इनका मकान इन दिनों आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। मकान की दीवारों पर की गयी पेंटिंग और सजावट उनके घर के पास की सड़क से गुजरने वालों को रुक कर देखने को मजबूर कर रहा है। घर का मुख्य दरवाजा बिल्कुल ट्रेन की बोगी के प्रवेश द्वार जैसा है। खिड़कियों को इमरजेंसी खिड़की की तरह बनाया गया है।

श्यामा हेंब्रम की मां पानो हेंब्रम ने बताया कि मेरा बेटा खड़गपुर में रेलवे में गार्ड के पद पर कार्यरत है। उसने मिस्त्री व पेंटर को खासतौर से सलाह देकर घर को ट्रेन की बोगी की तर्ज पर तैयार करवाया है। दरवाजे और खिड़कियों को भी उसी शैली में लगाया गया है।

श्यामा हेंब्रम की बहन मीनू हेंब्रम ने बताया कि भैया ने अपनी सोच को अपनी मेहनत व लगन से घर का रूप दिया है। रेलवे से जुड़े होने के कारण वे हमेशा कुछ अलग करना चाहते थे। श्यामा हेंब्रम का यह प्रयास न सिर्फ गांव में चर्चा का विषय बना हुआ नहीं है, बल्कि स्थानीय कला और आधुनिक सोच का सुंदर नमूना भी पेश करता है। ऐसे तो इस क्षेत्र के आदिवासी परिवार अपने घरों की दीवारों पर अक्सर तरह-तरह की परंपरागत पेंटिंग करते रहते हैं, खासकर बांदना, सोहराय और टुसू पर्व में यह देखने को मिलता है। लेकिन श्यामा हेंब्रम के मकान की बनावट क्षेत्र के लोगों को खास तौर पर आकर्षित कर रही है।

झारखंड के 14 जिलों में बिगड़ने वाला है मौसम, तेज हवाओं के साथ बारिश का अलर्ट

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची में रविवार को दिनभर आंशिक बादल छाए रहे। इससे लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिली। मौसम विज्ञान केंद्र रांची के पूर्वानुमान में बताया गया है कि अगले तीन दिनों तक राजधानी समेत पूरे राज्य के तापमान में 5 से 7 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट हो सकती है और गर्मी से राहत मिलेगी। मौसम विज्ञान केंद्र रांची के राज्य के अनुसार निकटवर्ती मध्य भाग यानी रांची, रामगढ़, हजारीबाग, गुमला, बोकारो और खूंटी के अलावा उत्तर पूर्वी हिस्से यानी देवघर, दुमका, गोड्डा, पाकुड़, जामताड़ा, गिरिडीह, धनबाद और साहिबगंज में कहीं-कहीं मेघगर्जन के साथ 40 से 50 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से तेज हवा बहने की संभावना है। इसे लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

यही स्थिति दक्षिणी हिस्से यानी पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला खरसावां के अलावे उत्तर पश्चिमी हिस्से यानी पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा, लातेहार और लोहरदगा में भी बनी रहेगी, इन जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है। बताया गया कि 28 और 29 अप्रैल को राज्य में कहीं-कहीं बिजली गिरने की भी संभावना है। वहीं, 30 अप्रैल को कमोबेश यही स्थिति बनी रहेगी, जबकि 1 मई को निकटवर्ती मध्य भाग, दक्षिणी भाग और उत्तर पश्चिमी भाग में कहीं-कहीं भारी वर्षा को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची द्वारा जारी पूर्वानुमान में राहत के आसार दिख रहे हैं। साथ ही बिजली गिरने और ओलावृष्टि को लेकर भी आरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विज्ञानी अभिषेक आनंद ने बताया कि राज्य में अगले तीन दिनों तक यानी 28, 29 और 30 अप्रैल को अधिकतम तापमान में 5 से 7 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट होने की संभावना है और इसके बाद अगले दो दिनों तक यानी 1 और 2 मई को तापमान में बड़ा परिवर्तन नहीं होगा।

बाबा धाम में श्रद्धालुओं के लिए विशेष इंतजाम, गर्मी से मिलेगी राहत

देवघर, एजेंसी। 30 अप्रैल को होने वाले अक्षय तृतीया को लेकर देवघर में तैयारी जोर-शोर से हो रही है। देवघर के बाबा मंदिर में अक्षय तृतीया में होने वाली भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रबंधन और जिला प्रशासन की तरफ से टेंट और ठंडे पानी का इंतजाम श्रद्धालुओं के लिए किया गया है। अक्षय तृतीया में होने वाले इंतजाम को लेकर पंडा धर्म रक्षिणी सभा के उपाध्यक्ष सीएस खवाड़े ने कहा कि इस दिन मंदिर में लाखों की संख्या में भक्तों की भीड़ होती है। उस दिन होने वाली भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन व प्रबंधन पहले से ही सजग हैं।

अक्षय तृतीया हिंदुओं के लिए सबसे शुभ दिन माना जाता है। इस दिन लोग अपने किसी भी अच्छे कार्य की शुरुआत करते हैं। इन दिनों मंदिर में मुंडन और शादियों को लेकर भी अत्यधिक भीड़ देखने को मिलती है। जिसको देखते हुए मंदिर प्रबंधन की तरफ से टेंट लगाए गए हैं। टेंट लगने से मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को राहत महसूस हो रहा है।

धनबाद के झरिया से आए श्रद्धालुओं ने कहा कि जिस तरह की प्रचंड गर्मी अप्रैल महीने में देखने को मिल रही है। ऐसे में खुले आसमान के नीचे मंदिर में खड़ा होना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है। लेकिन टेंट लगने के कारण लोगों को काफी राहत है। मंदिर की पक्की जमीन भी गर्म नहीं हो रही है।

अक्षय तृतीया के दिन लोग माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु की पूजा करते हैं। इसलिए देवघर के बैद्यनाथ धाम मंदिर में स्थापित भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की भी विशेष पूजा की जाती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार यह माना जाता है कि भगवान भोलेनाथ के शिवलिंग को देवघर के बैधनाथ धाम में स्थापित करने में भगवान विष्णु ने ही अपनी महिमा दिखाई थी। भगवान विष्णु ही चरवाहा बनकर रावण से शिवलिंग लेकर देवघर में स्थापित किए थे।

देवघर के बैधनाथ धाम मंदिर से जुड़ी कई कहानियां हैं, जो देश भर के भक्तों को आकर्षित करती है। देवघर के बैद्यनाथ धाम मंदिर के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था और सच्ची श्रद्धा को देखते हुए देवघर जिला प्रशासन और राज्य सरकार के तरफ से भी मंदिर की सुख सुविधाओं और यहां के इंतजाम को लेकर विशेष ध्यान रखा जाता है।

कब्र से एक के बाद एक गायब हुई 6 लाशें, इलाके में दहशत का माहौल

गोमो, एजेंसी। कब्र को खोदकर आधा दर्जन शव गायब होने की चर्चा पूरे इलाके में फैलने से दहशत का माहौल है। मामला तोपचांची प्रखंड के बिशुनपुर श्मशान घाट का है। आस-पास इलाके के लोग श्मशान घाट पहुंचने लगे, जहां कब्र की स्थिति देख लोग हतप्रभ रह गए। कब्र में दफनाए गए शव को पहचान करने के लिए तीन स्वजन श्मशान घाट पहुंचें, जहां कब्र में शव नहीं होने से लोग आगबबूला हो गए।

मामले की जानकारी हरिहरपुर थाना की पुलिस को दी गई। थाना के सब इंस्पेक्टर नारायण यादव दल बल के साथ पहुंचकर जांच पड़ताल में जुट गये। पुलिस ने भी शव गायब होने की बात सही मानी है। कब्र से शव गायब होने से कई तरह की सवाल सामने आ रही है। उक्त श्मशान घाट से पहली बार कब्र से शव गायब होने का मामला सामने आया है।

श्मशान घाट से महज कुछ ही दूरी स्थित जीतपुर गांव है। यहां के अधिकांश महिला पुरुष और बच्चे श्मशान घाट के दस कदम की दूरी पर स्नान किया करते है, घटना के बाद से महिलाएं भी दहशत में हैं। 6 कब्र खोदे गए हैं, जिसमें से तीन शव कों स्वजनों ने पहुंचकर पहचान किया। 27 नवंबर 2024 को बिशुनपुर पंचायत के सेवानृवित रेलकर्मी बुधराम प्रसाद का शव दफनाया गया था। जिसकी पहचान उसके पुत्र सत्येंद्र प्रसाद उर्फ सत्तू ने किया।

26 जनवरी 2025 को बिशुनपुर गांव के भोला राम की मां को दफनाया गया था, जिसकी पहचान छोटे पुत्र विष्णु राम ने किया। 27 दिसंबर 2024 को बिशुनपुर के मोहन राम की मां को दफन किया गया था। जिसकी पहचान मोहन राम तथा भाई मुन्ना ने किया। अन्य तीन शव के स्वजन अबतक सामने नहीं आए हैं।

श्मशान घाट जाने का रास्ता काफी खराब है, उक्त रास्ते से चार चक्का पहिया का निशान जर्जर सड़क पर देखा गया है, जिससे संभावना जताई जा रही है कि सभी शव का अवशेष उठाकर वाहन के माध्यम से ले गए होंगे।

हालांकि, पुलिस उस पर भी जांच कर रही है। जिस स्थान पर श्मशान घाट है, वह स्थान बोकारो जिला का सीमा है। शव का अवशेष किस काम में उपयोग होगा, इसके लेकर लोग तरह-तरह की चर्चा कर रहे थे। कई ग्रामीणों ने यह भी आशंका जताई कि कहीं तांत्रिक के द्वारा इस तरह का कृत्य नहीं किया गया।

जानवरों के भय से शव को दफन करने के लिए काफी गड्ढा किया जाता है, ताकि शव को जानवर निकाल न सके। इसके लिए शव को मिट्टी के बाद बड़े बड़े पत्थर डाल दिया जाता है, लेकिन कब्र से सारा पत्थर भी बाहर निकला हुआ है। गड्ढे के समीप काफी दुर्गंध आ रही थी।

एटीएस ने झारखंड से चार आतंकियों को किया गिरफ्तार,

इस तरह फैला रहे थे आतंक का नेटवर्क

रांची, एजेंसी। बीते दिनों एटीएस ने झारखंड मॉड्यूल से जुड़े प्रतिबंधित आतंकी संगठन हिज्ब-उत-तहरीर के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। टीम ने रविवार को पूछताछ के बाद आतंकियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। जानकारी के अनुसार, जेल भेजे गए आतंकियों में अयान जावेद, मी शहजाद आलम, शबनम परवीन और फैयाज हुसैन शामिल हैं। ये चारों आरोपी बैंक मोड़ थाना क्षेत्र के निवासी हैं। आतंकियों को जेल भेजने से पहले एटीएस ने चारों के साथ एक साथ और अलग-अलग पूछताछ की। साथ ही आतंकियों के पास से बरामद मोबाइल की जांच की। इस दौरान एटीएस को महिला आतंकी शबनम के मोबाइल में कई संदिग्ध चैट सहित कुछ अहम जानकारियां मिलीं। इसके बाद एटीएस ने आरोपी महिला शबनम और उसके शौहर अयान जावेद को झारखंड मॉडयूल का किंगपिन मानकर जांच शुरू की है। इधर, गिरफ्तार आरोपियों ने एटीएस की पूछताछ में कई संदिग्ध लोगों के नाम बताये हैं। बहरहाल, अन्य लोगों की मामले में संलिप्तता सामने आने के बाद एटीएस साक्ष्य के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी। बता दें कि एटीएस गिरफ्तार आरोपियों से और अधिक जानकारी इकट्ठा करने के लिए उनसे पूछताछ करेगी।

एटीएस आरोपियों को रिमांड पर लेकर उनसे पूछताछ करेगी। पूछताछ में शामिल अधिकारियों की माने तो, मामले में अब तक विदेशी कनेक्शन की बात सामने नहीं आयी है।

मामले के संबंध में बताया गया कि एटीएस की टीम को आतंकियों की गतिविधियों को लेकर सूचना मिली थी। सूचना के मुताबिक, आतंकी संगठन हिज्ब-उत-तहरीर से जुड़े कुछ व्यक्ति राज्य के अन्य युवकों को अपने नेटवर्क से जोड़ रहे हैं। ये लोग सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों के जरिए लोगों को गुमराह करते हैं। साथ ही धार्मिक कट्टरता को बढ़ावा देते हुए राष्ट्र विरोधी गतिविधियां भी चलाते हैं। इसी जानकारी को आधार बनाकर एटीएस की टीम ने धनबाद और कोडरमा में छापेमारी कर चारों आतंकियों को गिरफ्तार किया। इसके बाद सभी को पूछताछ के लिए रांची लाया गया।

दंत चिकित्सक नियुक्ति परीक्षा की आ गई तारीख, रांची में होगा एग्जाम, 1341 छात्रों को लगा झटका

रांची, एजेंसी। स्वास्थ्य विभाग के अधीन दंत चिकित्सकों (मूल कोटि) की नियुक्ति के लिए लिखित परीक्षा 21 मई को होगी। झारखंड लोक सेवा आयोग ने तीन वर्ष से अधिक समय बाद दंत चिकित्सकों के 23 पदों के लिए परीक्षा की तिथि की घोषणा कर दी है। यह परीक्षा रांची के विभिन्न केंद्रों पर दो पालियों में आयोजित होगी। आयोग ने इस परीक्षा में भाग लेने के लिए हुए ऑनलाइन आवेदन में 1,341 आवेदन अधूरे होने या अन्य कारणों से रद कर दिए हैं। रद आवेदनों की सूची जारी कर दी गई है।

आयोग के अनुसार, अभ्यर्थियों को लिखित परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र डाक से नहीं भेजे जाएंगे। अभ्यर्थी इसे आयोग की वेबसाइट पर 13 मई से अपना रजिस्ट्रेशन नंबर एवं जन्म तिथि डालकर डाउनलोड कर सकेंगे।

लिखित परीक्षा दो पत्रों की होगी। दो-दो घंटे की इस परीक्षा में सौ-सौ अंकों के वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थी साक्षात्कार में सम्मिलित होंगे। साक्षात्कार 50 अंकों का होगा। इधर, आयोग ने जिला दंत चिकित्सा पदाधिकारी के 12 तथा वरीय दंत चिकित्सक के 20 पदों के लिए वर्ष 2023 में निकाली गई बहाली को पूरा करने के लिए साक्षात्कार की तिथि घोषित कर दी है। आयोग ने काफी पहले ही अभ्यर्थियों से आवेदन मंगाकर उनके प्रमाणपत्रों का सत्यापन भी कर लिया था, लेकिन साक्षात्कार का आयोजन नहीं हो पा रहा था।

अब आयोग ने इन पदों के विरुद्ध नियुक्ति के लिए 29 अप्रैल को साक्षात्कार आयोजित करने का निर्णय लिया है। वहीं, चिकित्सा पदाधिकारियों के बैकलाग 26 पदों के लिए भी इसी तिथि को साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा। आयोग द्वारा दंत चिकित्सकों, वरीय दंत चिकित्सकों तथा जिला दंत चिकित्सा पदाधिकारियों की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने के बाद स्वास्थ्य विभाग के अधीन अन्य पदों पर होनेवाली नियुक्ति प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

मऊभंडार चौक पर भीषण आग, 5 दुकानें खाक, लाखों का नुकसान

घाटशिला (पूर्वी सिंहभूम), एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम के घाटशिला अनुमंडल के मऊभंडार ओपी क्षेत्र के मऊभंडार चौक पर सोमवार तड़के भीषण आग लग गयी। इसमें 5 दुकानें पूरी तरह जलकर राख हो गयीं। अगलगी की यह घटना देर रात लगभग 1–40 से 2–00 बजे के बीच हुई। स्थानीय लोगों और दुकानदारों का कहना है कि इस अगलगी में करीब 8 लाख रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ है। जो दुकानें जलीं हैं, उनमें 2 फल की दुकानें थीं। एक भुंजा दुकान और एक फूल की दुकान थी।

पीड़ित दुकानदारों में फल विक्रेता संतोष दुबे, शिबू आस, लखन आस, भुंजा विक्रेता मुकेश साहू और फूल विक्रेता मो हलीम बाबू की दुकानें जलकर खाक हो गयीं। फल विक्रेताओं को भारी नुकसान हुआ है। दुकानों में रखे केले, सेव, डाब, केला, तरबूज समेत अन्य फल पूरी तरह जल गये।

प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा है कि आग की लपटें इतनी तेज थीं कि उस पर तत्काल काबू पाना संभव नहीं हो सका।

सोमवार सुबह आठ बजे तक भी दुकानों से धुआं और आग की लपटें उठती रहीं। आग लगने के कारणों का फिलहाल स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। घटना की सूचना मिलते ही मऊभंडार ओपी प्रभारी पंकज कुमार, एसआई मुकुट आईंद, मनोज मरांडी और दिनेश कुमार साह घटनास्थल पर पहुंचे।

उप मुखिया ने इसकी सूचना आईसीसी के कार्यपालक निदेशक को दी। एचसीएल के दमकल कर्मियों के साथ मिलकर पुलिस ने देर रात कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और सभी पहलुओं से पड़ताल की जा रही है।

मऊभंडार चौक में दुकानों में आग लगने की यह चौथी घटना है। हर बार आग से दुकानदारों को भारी नुकसान होता है। अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकल सका है। बार-बार दुकानों के जलने से दुकानदारों में आक्रोश और निराशा है। 15 जनवरी 2024 को भी मऊभंडार चौक पर भीषण आग लगी थी, जिसमें 5 दुकानें जल गयीं थीं। इसके बाद दुकानों को स्थायी रूप से बंद करना पड़ा था। एक बार फिर वैसी ही घटना हुई है।

इधर, घटना की जानकारी मिलते ही विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत, काजल डॉन के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल मौके पर पहुंचा। सभी ने पीड़ित दुकानदारों से बातचीत की और हालात का जायजा लिया। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने घाटशिला एसडीपीओ अजीत कुमार कुजूर से उनके आवास पर भेंट कर घटना की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की।

Page 3_16.12.2018 PAGE-04.qxd 28-04-2025 22:01 Page 1

युवक को पीटने के बाद जहर खिलाया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। जिले के तेघड़ा थाना क्षेत्र में प्रेम प्रसंग के चलते एक युवक की निर्मम हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। कोलवारा नवटोलिया वार्ड-12 निवासी रोशन कुमार पुत्र विजय महतो का अपने ही गांव की एक लड़की से पिछले दो वर्षों से प्रेम संबंध था। इस प्रेम संबंध को लेकर लड़की के परिवार में पहले से नाराजगी थी। आठ महीने पहले लड़की के चाचा बबलू महतो ने रोशन को धमकी दी थी कि वह लड़की से मिलना-जुलना बंद कर दे, वरना उसकी जान ले ली जाएगी। हालांकि रोशन ने धमकियों की परवाह किए बिना लड़की से बातचीत जारी रखी। इसी रंजिश में रविवार को लड़की के चाचा बबलू महतो, राजीव महतो और अन्य

इलाज के दौरान मौत, परिवार में मचा कोहराम

सहयोगियों ने साजिश रचते हुए रोशन को किसी बहाने से बुलाया। आरोप है कि उसे एक घर में बंद कर पहले बेरहमी से पीटा गया और फिर जबरन जहर भी खिलाया गया। उसके बाद अधमरी हालत में रोशन को सड़क पर फेंक दिया गया।

घटना की जानकारी मिलते ही रोशन के परिजन मौके पर पहुंचे और उसे गंभीर हालत में एक निजी अस्पताल ले गए। लेकिन इलाज के दौरान रोशन की मौत हो गई। बेटे की मौत से परिवार में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक की लहर फैल गई। वहीं, तेघड़ा थाना पुलिस को जैसे ही घटना की सूचना मिली, वह सक्रिय हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बेगूसराय भेज दिया। साथ ही मामले की जांच-पड़ताल और आगे की कानूनी कार्रवाई में भी जुट गई।

मृतक रोशन कुमार के परिजनों ने स्पष्ट रूप से लड़की के चाचा बबलू महतो, राजीव महतो और अन्य लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि प्रेम प्रसंग के कारण ही रोशन की सुनियोजित साजिश के तहत हत्या की गई है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। स्थानीय चौकीदार ने भी पुष्टि की है कि युवक की मौत पीट-पीटकर और जहर खिलाने के कारण हुई है। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अगवा कर मासूम की हत्या

मुजफ्फरपुर। जिले के औराई थाना क्षेत्र के सरहचिया गांव में अपहरण किए गए मासूम की हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना के बाद से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। सूचना मिलते ही औराई थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

बताया जा रहा है कि चार वर्षीय अमन कुमार, भोज खाने के बाद घर लौट रहा था, तभी बाइक सवार बदमाशों ने उसका अपहरण कर लिया। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद परिजनों ने औराई थाने में अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कराई। पुलिस ने छानबीन शुरू की, इसी बीच खेत में अमन का शव मिलने से परिवार में मातम पसर गया। अमन के पिता का नाम शंभू कुमार है, जिन्होंने अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया था।

घटना के संबंध में ग्रामीण एसपी विद्यासागर ने बताया कि बच्चे का शव घर से महज 200 मीटर दूर एक खेत में मिला है। शव को हत्या करने के बाद फेंक दिया गया था। परिजनों ने गांव के कुछ लोगों पर संदेह जताया था, जिस पर पुलिस जांच कर रही थी। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद शव की बरामदगी हुई है।

राज्य में 50 बेड वाले आयुष अस्पतालों का होगा निर्माण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राज्य आयुष समिति (स्वास्थ्य विभाग) के तत्वावधान में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' के आयुष चिकित्सा पदाधिकारियों के लिए चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। यह प्रशिक्षण सत्र 28 अप्रैल 2025 से एक मई 2025 तक चलेगा।

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच के चलते आज आयुष मंत्रालय निरंतर बेहतरीन कार्य कर रहा है। साथ ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कुशल नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग निरंतर प्रगति कर रहा है। उन्होंने बताया कि 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' के माध्यम से आयुष चिकित्सा पद्धति को ग्रामीण और शहरी दोनों इलाकों में मजबूती से स्थापित किया जा रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री ने जानकारी दी कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में गोपालगंज, सिवान, मधुबनी, दरभंगा, बेगूसराय, गया और मोतिहारी जिलों में 50 बेड वाले एकीकृत आयुष अस्पतालों के निर्माण की योजना क्रियान्वित की जा रही है।

सूबे के सात जिलों में होगा शुभारंभ

इसके साथ ही राज्य के सभी 38 जिलों में संचालित जिला संयुक्त औषधालयों में भी सेवाएं और सुविधाएं सुदृढ़ की जा रही हैं। राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय दरभंगा, बेगूसराय और आरबीटीएस होम्योपैथिक कॉलेज अस्पताल के निर्माण के लिए 834 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। जिलों में बन रहे मॉडल अस्पतालों में भी 10 बेड वाले आयुष अस्पतालों की व्यवस्था की जाएगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने यह भी बताया कि अब राज्य आयुष समिति के अंतर्गत आयुष आरोग्य मंदिरों में पैथोलॉजी जांच की सुविधा भी शुरू की जाएगी। इससे ग्रामीण इलाकों में भी बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं का व्यापक विस्तार होगा। स्वास्थ्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा कि आयुष अस्पतालों और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी पद्धति से इलाज किया जा रहा है। यहां न केवल चिकित्सीय सेवाएं प्रदान की जा रही हैं, बल्कि मरीजों को मुफ्त में दवाइयां भी उपलब्ध कराई जा रही हैं।

डॉ. आदित्य प्रकाश, अपर सचिव-सह-कार्यपालक निदेशक, राज्य आयुष समिति ने कहा कि राष्ट्रीय आयुष मिशन की गाइडलाइन के अनुसार राज्य के 294 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर कार्यरत चिकित्सकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य सभी सुविधाओं को सुव्यवस्थित तरीके से संचालित करना है ताकि जनमानस को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के सचिव मनोज कुमार सिंह, राज्य आयुष समिति के अपर सचिव डॉ. आदित्य प्रकाश, बिहार स्वास्थ्य सुरक्षा समिति के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी शशांक शेखर सिन्हा, बिहार राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी की परियोजना निदेशक प्रतिभा रानी, स्वास्थ्य विभाग की विशेष कार्य पदाधिकारी गुंजन सिंह, स्वास्थ्य मंत्री के आप्त सचिव अमिताभ सिंह, आयुष निदेशक सुरेंद्र राय, तथा राज्य आयुष समिति के प्रशासी सह बजट पदाधिकारी प्रमोद कुमार राम सहित कई अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

राज्य अतिथि गृह बनकर तैयार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गया। मोक्ष और ज्ञान की भूमि पर सालों भर अति विशिष्ट व्यक्ति, राष्ट्राध्यक्षों का आगमन होता है। उनके भ्रमण करने के बाद विश्राम करने को लेकर आधुनिक सुविधाओं से लैस भवन की जरूरत थी। इसी उदेश्य को पूर्ति करने के लिए केंद्र व राज्य सरकार की राज्यांश की मदद से बोधगया में राज्य अतिथि गृह का निर्माण कराया गया। राज्य अतिथि गृह बनकर तैयार हो गया। बताया गया कि राज्य अतिथि गृह में आरामदेह कमरा, लान, वृहद पार्किंग, साइंस सिटी, सभी कमरा, लान, सूट कमरा की व्यवस्था है। सभी पूरी तरह वातानुकूलित है। यह भवन आधुनिक सुविधाओं से लैस है। कई मंजिला भवन में लिफ्ट के साथ-साथ अन्य सुविधाएं भी दी गई है। राज्य अतिथि गृह बनकर तैयार हो गया है। अब राज्य अतिथि गृह का उदघाटन का इंतजार है। उदघाटन के बाद राज्य अतिथि गृह में सुविधाएं मिलेगी।

स्कूल में बाल श्रम करते बच्चों का वीडियो हुआ वायरल

लोगों ने की किशोर श्रम अधिनियम के तहत कार्रवाई की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खगड़िया। बिहार के सरकारी स्कूलों में शिक्षा की स्थिति पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। खगड़िया जिले के चौथम प्रखंड संसाधन केंद्र (बीआरसी) में स्कूली बच्चों से मजदूरी कराए जाने का मामला सामने आया है। इस घटना के वायरल हुए एक वीडियो में बच्चे बोरियों में किताबें ढोते नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि ये बच्चे चौथम प्रखंड के मध्य मकतब करुआ स्कूल के हैं, जिन्हें पढ़ाई छोड़कर बीआरसी भवन में काम करने के लिए लाया गया था।

इस शर्मनाक घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिसके बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है। जब इस संबंध में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी प्रवीण कुमार से संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि इस मामले की उन्हें जानकारी नहीं थी।

गौरतलब है कि शिक्षा विभाग ने पहले ही यह निर्देश जारी कर रखा है कि सरकारी विद्यालयों में पढ़ाई के अलावा बच्चों से किसी भी तरह का अन्य कार्य नहीं लिया जाएगा। बावजूद इसके खुद शिक्षा विभाग के अधीनस्थ संस्थानों में ही इस आदेश की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

गौरतलब है कि शिक्षा निदेशालय ने हाल ही में सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि स्कूली बच्चों को जल्द से जल्द पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराई जाएं। इसी आदेश के तहत बीआरसी भवन में किताबों का स्टॉक मंगाया गया था और उनका वितरण किया जा रहा था। लेकिन अधिकारियों की लापरवाही के कारण किताबें ढुलवाने के लिए स्कूली बच्चों का इस्तेमाल किया गया, जो कि सीधे तौर पर विभागीय नियमों का उल्लंघन है।

जिला शिक्षा पदाधिकारी अमरेन्द्र गौंड ने इस घटना को गंभीर बताया है। उन्होंने कहा कि बीआरसी प्रभारी और संबंधित स्कूल के प्रधानाध्यापक से स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। अगर आरोप सही पाए जाते हैं तो निश्चित ही जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जाएगी। स्कूली बच्चों से इस तरह काम कराना न सिर्फ नैतिक अपराध है, बल्कि कानूनी दृष्टिकोण से भी गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) संशोधन नियमावली 2023 के तहत नाबालिग बच्चों से श्रम कार्य कराना पूरी तरह प्रतिबंधित है। नियम के अनुसार, चाहे बच्चा अपने घर के व्यवसाय में ही क्यों न सहयोग कर रहा हो, उस स्थिति में भी कार्य करवाने पर कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है। इस संबंध में श्रम संसाधन विभाग द्वारा सख्त आदेश भी जारी किए गए हैं।

एजेंसी चुनने की प्रक्रिया शुरू

बक्सर। बहुप्रतीक्षित बक्सर-भागलपुर एक्सप्रेसवे परियोजना के क्रियान्वयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। केंद्र सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने इस परियोजना का डीपीआर तैयार करने के लिए एजेंसी चुनने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

इसके साथ ही यह पूरी तरह तय हो गया है कि यह परियोजना ग्रीनफील्ड नहीं होगी, बल्कि पहले से मौजूद सड़क को ही फोरलेन के रूप में विकसित किया जाएगा।

रेरा की सख्ती से बिल्डर को लौटानी पड़ी राशि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। भू-सम्पदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) बिहार की सख्ती से पीड़ित घर खरीदार को बिल्डर ने 15 लाख रुपये लौटा दिए हैं, जबकि शेष आठ लाख रुपये केस की अगली सुनवाई की तारीख से पहले लौटने का वादा किया है।

यह मामला बिल्डर शुभगामी रियल एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड से जुड़ा है जिसके विरुद्ध पीड़ित घर खरीदार रणजीत कुमार पांडेय ने रेरा में वाद दायर किया था।

उन्होंने बिल्डर को फ्लैट खरीदने के लिए 23 लाख रुपये दिए थे, जिसकी तय शर्तों के अनुसार बिल्डर को अक्टूबर 2020 तक अपनी परियोजना शुभलक्ष्मी काम्प्लेक्स में फ्लैट उपलब्ध करा देना था।

जब बिल्डर समय पर फ्लैट देने में विफल रहा तथा घर खरीदार के पैसे भी नहीं लौटाए तो रणजीत पांडेय ने रेरा में वाद दायर किया।

उनके शिकायतवाद का निष्पादन 2021 में हो भी गया, लेकिन बिल्डर ने आदेश को नहीं माना। इस मामले में सर्टिफिकेट केस का निर्देश रेरा कोर्ट द्वारा पारित किया गया।

सर्टिफिकेट शुरू होने के बाद भी बिल्डर दो-दो तिथियों पर उपस्थित नहीं हुआ। इसके बाद बिल्डर जवाहर पोद्दार के विरुद्ध वारंट जारी किया गया एवं स्थानीय पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर रेरा अदालत में हाजिर करवाया। अंततः बिल्डर पीड़ित घर खरीदार को पैसे लौटने पर राजी हो गया।

जदयू नेता के घर पर गोलियों की बौछार, खिड़कियों के कांच टूटे

हमले में बाल-बाल बचे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मिठनपुरा थाना क्षेत्र के रामबाग चौड़ी इलाके में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह उर्फ पप्पू सिंह के घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग की गई। बाइक सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने घटना को अंजाम दिया और वहां से भाग निकले। हमले में पप्पू सिंह बाल-बाल बच गए, लेकिन उनकी बुलेट और घर की खिड़की गोली लगने के कारण क्षतिग्रस्त हो गई। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर मिठनपुरा थानाध्यक्ष रामएकबाल प्रसाद ने मौके पर पहुंचकर छानबीन की।

थानाध्यक्ष ने कहा कि घटनास्थल से 7.65 के चार खोखे जब्त किए गए हैं। आसपास में लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाला गया है। इसमें दो बदमाशों की तस्वीर कैद मिली है। पुलिस उसके आधार पर बदमाशों की गिरफ्तारी को लेकर छापामारी की जा रही है।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के जिलाध्यक्ष जदयू महानगर के उपाध्यक्ष भी हैं। इसके साथ ही वे प्रॉपर्टी डीलिंग का भी काम भी करते हैं। घटना का कारण स्पष्ट नहीं है।

बताया गया कि रविवार की शाम रामबाग चौड़ी स्थित बालू-सीमेंट की दुकान एवं कार्यालय से निकलकर एक रिसेप्शन में शामिल होने गए थे। वहां से लौटकर घर पहुंचे।

बुलेट घर के अंदर खड़ी कर हाल में चले गए।

इसके बाद वहां दो परिचित से बातचीत करने लगे। इसी क्रम में बाइक से आए दो बदमाशों ने बाहर से हाल को निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। इस पर वह और उनके दोनों परिचित छिपकर भागते हुए छत पर पहुंचे। ऊपर से देखा तो दोनों बदमाश बाइक स्टार्ट कर भाग निकले।

जिलाध्यक्ष ने बताया कि घटना के बाद मोहल्ले के लोगों ने उन्हें जानकारी दी कि बाइक से दो संदिग्ध युवक करीब एक घंटे से रेकी कर रहे थे। कई बार उनके घर तक पहुंचे फिर बाइक घुमाकर मेन रोड पर चले गए। उन्हें संदेह है कि उन्हीं दोनों युवकों ने गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया है।

बताया जा रहा कि जदयू नेता का कई लोगों से विवाद चल रहा है, लेकिन कभी आमना-सामना नहीं हुआ। इससे यह कहा जा सके कि किसने गोली चलाई है। उन्होंने सामाजिक वर्चस्व में ही घटना को अंजाम देने की बात कही है। पुलिस से सुरक्षा की मांग की है।

राजस्व कर्मचारी रिश्वत लेते धराया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने सिरदला अंचल कार्यालय नवादा के एक राजस्व कर्मचारी को 20 हजार रुपये की रिश्वत के साथ गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तारी के बाद राजस्व कर्मचारी के किराये के मकान की तलाशी ली गई जहां से करीब तीन लाख रुपये और बरामद किए गए हैं।

निगरानी ब्यूरो में मो. अमीर हमजा नाम के एक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई थी कि सिरदला अंचल जिला नवादा के राजस्व कर्मचारी रवि शंकर शर्मा जमीन के एक टुकड़े का बराबर-बराबर हिस्सा पांच भाईयों के नाम रजिस्टर पर चढ़ाने के एवज में 20 हजार रुपये की रिश्वत मांग रहे हैं। शिकायत मिलने के बाद निगरानी ब्यूरो ने इसकी सत्यता जांच कराई। जांच में आरोप सही पाया गया। जिसके बाद ब्यूरो के डीएसपी अमरेंद्र प्रसाद विद्यार्थी के नेतृत्व में एक धावा दल गठित किया गया।

सोमवार को आरोपित राजस्व कर्मचारी रवि शंकर शर्मा अपने कार्यालय में 20 हजार रुपये की रिश्वत ले रहा था, उसी वक्त निगरानी की टीम ने उसे रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद इनके किराये के मकान की तलाशी भी ली गई।

इसमें तीन अलग-अलग जगह रखी गई तीन लाख की रकम भी बरामद की गई। 52900, 97500, और 150400 रुपये मकान में तीन जगह पर रखे गए थे। गिरफ्तार आरोपित से पूछताछ चल रही है। पूछताछ के बाद इन्हें मंगलवार को निगरानी की विशेष कोर्ट में पेश किया जाएगा। बता दें कि इस वर्ष निगरानी का यह 15वां ट्रैप था। अब तक 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

किसान को मिला 32 लाख रुपये का बिजली बिल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोपालगंज। बिहार बिजली विभाग के लापरवाही भरे कारनामे का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। गोपालगंज में बिजली विभाग ने फुलवरिया थाना क्षेत्र के पुरेंद्र बथुआ गांव निवासी एक मामूली किसान उदय कुमार चौहान को दो महीने का 32 लाख रुपये का बिजली बिल भेज दिया। इतनी बड़ी राशि का बिल देखकर किसान काफी परेशान हो गया है।

पीड़ित किसान पिछले तीन दिनों से पावर सब स्टेशन के चक्कर लगा रहा है, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई है। पीड़ित उदय कुमार चौहान ने बताया कि उसका एक छोटा सा करकट नुमा घर है, जिसमें केवल दो पंखे चलते हैं और एक मोबाइल चार्ज होता है। इसके अलावा कोई भारी उपकरण नहीं है। फिर भी इतनी बड़ी रकम का बिजली बिल भेज दिया, जिसने उसे सदमे में डाल दिया है।

उपभोक्ता उदय कुमार ने बताया कि उन्होंने 23 जनवरी 2025 को अपना पिछले महीने का बिजली बिल चुका दिया था। इसके बावजूद दो महीनों का 32 लाख रुपये का नया बिल भेजकर उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है।

उदय कुमार ने कहा कि जब उसने पावर सब स्टेशन में इसकी शिकायत दर्ज करानी चाही तो अधिकारी लगातार उसे इधर-उधर दौड़ाते रहे। कोई सही जवाब नहीं दे रहा है और न ही बिल को ठीक कराने की दिशा में कोई कार्रवाई की जा रही है। किसान का आरोप है कि बिजली विभाग के अधिकारी उसे कभी विभागीय कार्यालय तो कभी दूसरे कर्मचारियों के पास भेजते हैं, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। पीड़ित किसान ने कहा कि वह एक साधारण किसान है और इतनी बड़ी राशि का भुगतान कर पाना उसके लिए असंभव है। अब वह बिजली कटने और कानूनी कार्रवाई के डर से रात-दिन परेशान है।

पुलिसकर्मियों पर चला विभाग का डंडा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के एसएसपी सुशील कुमार ने एक बड़ा एक्शन लेते हुए सरैया थाना में पदस्थापित सात पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया है। दरअसल, वरीय पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार ने सोमवार को सरैया थाना का वार्षिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने थाना के आगत पंजी, चौकीदार रजिस्टर, सीरिस्ता बंदी गृह, और अन्य बिंदुओं की गहनता से जांच की। साथ ही, पूर्व में लंबित मामलों की समीक्षा की गई। इस दौरान तीन एएसआई दोषी पाए गए, जिन्हें निलंबित कर दिया गया। इसके अलावा, बालू और शराब माफिया से जुड़े मामलों की जानकारी न देने के कारण चार चौकीदारों को भी निलंबित कर दिया गया।

सेवानिवृत्त अधिकारी के घर सीबीआई ने की छापेमारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डेहरी आन-सोन (रोहतास)। रेल सामग्री चोरी कर संपत्ति अर्जित करने वाले सेक्शन इंजीनियर समेत चार लोगों की गिरफ्तारी के बाद अब केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की नजर सोननगर स्टोर से जुड़े कई पूर्व अधिकारियों, ठेकेदारों व चोरी के सामान खरीदने वालों पर भी है।

डेहरी और सोननगर में छापामारी के बाद सीबीआई की टीम ने शनिवार की रात स्थानीय रेल पुलिस के सहयोग से सासाराम के तकिया मोहल्ले में एक सेवानिवृत्त रेल अधिकारी के घर छापामारी की। हालांकि, सेवानिवृत्त रेल अधिकारी सीबीआई के हत्थे नहीं चढ़ सके।

सूत्रों की मानें तो तकिया स्थित अनिल सिंह के घर पहुंची सीबीआई की टीम ने कई जानकारी प्राप्त की है। रेलवे से जुड़े एक अधिकारी के अनुसार स्थानीय रेल परिसर से रेलवे के करोड़ों की सामग्री चोरी के मामले में रेल अधिकारी समेत चार लोगों की गिरफ्तारी के बाद इस मामले से जुड़े कई अन्य रेल अधिकारी और कर्मचारियों की तलाश है।

इसमें आरपीएफ और जीआरपी की भूमिका की

आरपीएफ और जीआरपी की भूमिका संदिग्ध

भी जांच की जा रही है। गिरफ्तार इंजीनियर राजकुमार सिंह से पहले यहां पदस्थापित अधिकारी भी संदेह के घेरे में है। सीबीआई की इस कार्रवाई से आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने वाले कई अन्य अधिकारियों में हड़कंप है। हालांकि, पूर्व में भी स्थानीय स्तर पर रेलवे के लोहा चोरी के कई मामले उजागर होते रहे हैं। चोरी की सामग्री के कुछ अंश प्राप्त कर रेल पुलिस सिर्फ अपना पीठ थपथपाती रही है, जबकि व्यापक पैमाने पर लोहा चोरी का मामला उजागर होते रहा है।

इसी कड़ी में करवंदिया स्टेशन से पश्चिम पहाड़ी में जाने वाली मार्टिन रेललाइन के दो किलोमीटर तक की लोहे की रेललाइन चोरी में शामिल जेसीबी मालिक वजीरगंज गांव निवासी अनिल सिंह उर्फ अनिल चौधरी भी रहा है।

इसी मामले में रोहित चौधरी, मनोज चौधरी, विजय चौधरी उर्फ छांगुर चौधरी, सुनील कुमार उर्फ राजा कोल, राहुल चौहान उर्फ राहुल चौधरी एवं अमित पासी समेत कई अन्य की गिरफ्तारी 9 फरवरी 2023 को हुई थी।

इसी प्रकार स्थानीय तारबंगला समेत कई कबाड़ी दुकान में छापामारी कर आरपीएफ निरीक्षक राम विलास राम की टीम ने चोरी का लोहा बरामद किया है।

हालांकि, चोरी में कर्मचारियों की संलिप्तता का मामला कोई नई बात नहीं है। दो वर्ष पूर्व टिकट ब्लैक करने के मामले में भी डेहरी स्टेशन के एक कर्मचारी को रेल विजिलेंस ने पकड़ा था।

बताया जाता है कि सीबीआई के हत्थे चढ़े सेक्शन इंजीनियर राजकुमार सिंह समेत अन्य तीन रेलकर्मियों ने सीबीआई की टीम को कई अहम जानकारी दी है। इससे जुड़े पूर्व के कई रेल अधिकारी को भी सीबीआई और आरपीएफ की टीम तलाश कर रही है।

इनसे मिली जानकारी के आधार पर स्क्रैप के नाम पर चोरी से लोहा बेचने वाले ठेकेदार और उसे खरीदने वाले कबाड़ी दुकानदारों तक जांच का दायरा बढ़ा है।

ट्रेन से कटकर युवक की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। रेल खंड पर स्थित गौतम बुद्ध इंटर विद्यालय के पास एक युवक ट्रेन की चपेट में आकर मारा गया। घटना स्थल पर उसकी मौत हो गई, हालांकि मृतक युवक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। सूचना मिलने पर रेल पुलिस और नगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू कर दी।

स्थानीय लोगों के अनुसार, यह घटना रांची हटिया सुपर एक्सप्रेस के आ जाने के कारण घटी। आरपीएफ के एएसआई शिव शंकर कुमार ने बताया कि मृतक युवक कान में हेडफोन लगाकर ट्रैक पार कर रहा था। उसी समय सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन आ गई और वह उसकी चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद ट्रेन लगभग 10 मिनट तक प्रभावित रही। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है और मामले की जांच जारी है।

रजौली में अल्ट्रासाउंट सेंटर नियमों की उड़ा रहा धज्जियां

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली। मुख्यालय में लगभग आधा दर्जन अल्ट्रासाउंड का संचालन अनियमित रूप से किया जा रहा है। इसके विरुद्ध स्थानीय स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारीगण एवं प्रशासन मौन धारण किए हुए है। इन अल्ट्रासाउंड सेंटरों में मुंहमांगी कीमतों पर भ्रूण जांच भी धड़ल्ले से की जाती है।

अल्ट्रासाउंड सेंटर में रेडियोलॉजिस्ट के सिर्फ नाम अंकित रहते हैं और उनके नाम को बेचकर निजी तौर पर स्टॉफ रखकर अल्ट्रासाउंड संचालक मोटी रकम कमाने में लगे हुए हैं। वहीं, दूसरी ओर जिले के कम लिंगानुपात को बढ़ाए जाने को लेकर सरकार से लेकर जिले के वरीय पदाधिकारी विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम चला रहे हैं।

ऐसी स्थिति में रजौली के कुछ अल्ट्रासाउंड संचालक भ्रूण जांच कर उनके मंसूबों पर पानी फेरने का काम के रहे हैं। ऐसा नहीं है कि रजौली में सिर्फ रजौली या आसपास के क्षेत्र के लोग ही भ्रूण जांच कराने के लिए आते हैं,बल्कि आसपास के जिले से आनेवाली महिलाओं का भी भ्रूण जांच पैसों की लालच में किया जा रहा है।

भ्रूण जांच में लड़की होने पर अधिकांश लोग निजी नर्सिंग होम में जाकर अबॉर्शन करवा लेते हैं। कई बार अवैध रूप से संचालित निजी नर्सिंग होम में रहे झोलाछाप चिकित्सक से कराया गया अबॉर्शन जानलेवा भी साबित हो चुका है।

बुद्धिजीवियों की मानें तो अल्ट्रासाउंड और अवैध निजी नर्सिंग होम एक-दूसरे के अनुपूरक बनकर लोगों का आर्थिक दोहन कर रहे हैं। साथ ही गर्भवती महिलाओं के पेट में पल रहे बेटियों की हत्या कर लिंगानुपात कम करने में अपनी भूमिका सुदृढ़ कर रहे हैं। बीते वर्ष रजौली एसडीओ आदित्य कुमार पीयूष एवं स्थानीय चिकित्सा पदाधिकारी के सहयोग से जांच अभियान चलाया गया था। उक्त जांच अभियान के बाद भ्रूण जांच बंद हो गई थी, लेकिन अब फिर अल्ट्रासाउंड संचालक रेडियोलॉजिस्ट का नाम बेचकर अपने कार्यों में जुट गए हैं।

कई अल्ट्रासाउंड में रेडियोलॉजिस्ट के हस्ताक्षर पूर्व से रिपोर्ट कार्ड पर करवाकर रख लिए जाते हैं,बाद में रिपोर्ट के बाद मरीजों को वही कागज दे दिया जाता है।

बीते 12-13 अप्रैल को सिरदला में अवस्थित शिवम अल्ट्रासाउंड सेंटर में झारखंड के कोडरमा से आए पदाधिकारियों की टीम ने 'ऑपरेशन डिकॉय' के तहत कार्रवाई करते हुए भ्रूण जांच करने के मामले में संचालक को पुलिस के सुपुर्द किया था। आम लोगों का कहना है कि जिले के वरीय पदाधिकारी के द्वारा समय-समय अल्ट्रासाउंड संचालकों एवं निजी नर्सिंग होम की जांच की जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने की पथ निर्माण विभाग की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

अधिकारियों को दिये दिशा-निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को एक अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' में पथ निर्माण विभाग की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। समीक्षा के दौरान अपर मुख्य सचिव, पथ निर्माण विभाग ने मुख्यमंत्री को विभाग द्वारा क्रियान्वित योजनाओं की प्रगति की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने जे0पी0 गंगा पथ परियोजना का विस्तार दीघा-शेरपुर-बिहटा (कोइलवर पुल तक) तथा राज्य उच्च पथ एस0एच0- 106 का फोरलेन में चौड़ीकरण (दीदारगंज-फतुहा बख्तियारपुर-अथमलगोला) के संबंध में प्रस्तुतीकरण भी दिया। निर्माण कराये जाने वाले दीघा-शेरपुर-बिहटा (कोइलवर पुल तक) की कुल लंबाई 35.65 किलोमीटर होगी जबकि एस0एच0- 106 (दीदारगंज-फतुहा बख्तियारपुर-अथमलगोला) का फोरलेन में चौड़ीकरण की लंबाई 41.27 किलोमीटर होगी। उन्होंने केन्द्र सरकार द्वारा बिहार में स्वीकृत किये गये लंबी दूरी के विभिन्न एक्सप्रेस-वे के निर्माण के संबंध में भी जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जे0पी0 गंगा पथ का दीघा से दीदारगंज तक निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है और इस पर लोगों का आवागमन सुगम तरीके से हो रहा है। हम चाहते हैं कि दीघा से पश्चिम में कोइलवर पुल तक और उसके बाद फिर बक्सर तक जे0पी0 गंगा पथ का विस्तार हो। दीदारगंज से पूरब में करजान तक और उसके बाद मोकामा तक जे0पी0 गंगा पथ का विस्तार हो। जे0पी0 गंगा पथ परियोजना एक विशिष्ट परियोजना है जो गंगा नदी के किनारे बनाया जा रहा है। जे0पी0 गंगा पथ से गंगा नदी पर बने विभिन्न पुलों का भी जुड़ाव होगा जिससे उत्तर बिहार और दक्षिण बिहार के बीच की दूरी और घटेगी और आवागमन तेजी से होगा। उन्होंने कहा कि प्रगति यात्रा के दौरान सभी जिलों के लिये विभिन्न पथों और पुलों की स्वीकृति दी गयी है। उसका निर्माण कार्य भी तेजी से पूरा करें। ग्रामीण पथों का चौड़ीकरण भी किया जा रहा है। केन्द्र सरकार द्वारा भी कई महत्वपूर्ण पथों एवं पुलों का निर्माण कराया जा रहा है जिससे आवागमन और सुलभ होगा। उन्होंने कहा कि राज्य में एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र की कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाने के लिये यदि और पथों एवं पुलों की आवश्यकता हो तो पथ निर्माण विभाग इसकी समीक्षा करे, राज्य सरकार उसे अपने संसाधनों से स्वीकृत कर निर्माण करायेगी। बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, पथ निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव मिहिर कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड के अध्यक्ष सह बिहार राज्य पथ विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक शीर्षत कपिल अशोक सहित अन्य वरीय अभियंतागण उपस्थित थे।

राजद और कांग्रेस का पाकिस्तान प्रेम एक जैसा : सम्राट चौधरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राजद और कांग्रेस पर पाकिस्तान के प्रेम में पागल होने का आरोप लगाते हुए कहा है कि दोनों का पाकिस्तान प्रेम एक जैसा है। सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि पहलगाम के बाद राजद-कांग्रेस के नेता पाकिस्तान के चैनलों का 'पोस्टर ब्वाय' बन गए हैं। उन्होंने यह भी लिखा है कि पाकिस्तानियों से अधिक राजद और कांग्रेस में नूरा कुश्ती चल रही है, कौन पाकिस्तान प्रेम में अधिक पागल है? उन्होंने आगे लिखा है कि बिहार में राजद के नेता 'पाकिस्तान जिंदाबाद' का नारा लगा रहे हैं, वहीं कर्नाटक के कांग्रेसी सीएम 'आतंक के आकाओं' पर हमले न करने की पैरोकारी कर रहे हैं। ये अत्यंत ही दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक स्थिति है। देश इस मानसिकता को बखूबी समझ भी रहा है। जनता भी इसका माकूल जवाब देगी। सम्राट चौधरी ने अपने पोस्ट के साथ साक्ष्य के तौर पर एक वीडियो भी साझा किया है।

बंधन बैंक ने बिहार और झारखंड में छह नई शाखाएं खोलीं, पांच राज्यों में 16 शाखाएं

बिहार में बांका और मुंगेर तथा झारखंड में धनबाद, गढ़वा और पलामू में नई शाखाएं खोली गई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बंधन बैंक ने बिहार और झारखंड में छह शाखाएं खोले जाने की घोषणा की है। बैंक ने 5 राज्यों में 16 नई शाखाएं खोली हैं जिनमें से सात शाखाएं ओडिशा में, दो आंध्र प्रदेश में और एक छत्तीसगढ़ में है। शाखा का उद्घाटन बंधन बैंक के एमडी और सीईओ पार्थ प्रतिम सेनगुप्ता के साथ-साथ ईडी और सीबीओ राजिंदर कुमार बब्बर, ईडी और सीओओ रतन कुमार केश और बैंक के अन्य वरिष्ठ गणमान्य लोगों ने किया। नई शाखाएं बिहार में बांका (बौंसी शाखा), मुंगेर (धरहरा शाखा और संग्रामपुर शाखा) और झारखंड में धनबाद (गोविंदपुर शाखा), गढ़वा (नगरउंटारी शाखा) और पलामू (पनकी शाखा) में स्थित हैं। सभी नई शाखाएं राज्य के ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में सेवा प्रदान करेंगी। शाखा नेटवर्क का विस्तार विविधीकरण और देश भर में मजबूत उपस्थिति स्थापित करने के लिए बैंक की रणनीतिक प्रतिबद्धता के अनुरूप है। अपने दायरे को व्यापक बनाकर, बैंक ग्राहकों के लिए अभिनव बैंकिंग समाधानों तक पहुंच बढ़ा रहा है। भारत के 5 राज्यों में इन 16 नई शाखाओं के शुभारंभ के साथ, शाखाओं की कुल संख्या 1730 को पार कर गई है। बैंक अब पूरे भारत में 6300 से अधिक बैंकिंग आउटलेट्स के मजबूत नेटवर्क के माध्यम से अपने ग्राहकों को सेवा प्रदान करेगा।

इस अवसर पर बंधन बैंक के एमडी और सीईओ पार्थ प्रतिम सेनगुप्ता ने कहा हमें पांच राज्यों में 16 नई शाखाएं खोलने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है जिसमें बिहार और झारखंड में छह नई शाखाएं शामिल हैं। हम अपने ग्राहकों की विविध और उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने उत्पादों और सेवाओं को अनुकूलित करके बेहतर ग्राहक अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह विस्तार हमारे वितरण नेटवर्क को मजबूत करने के लिए हमारी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है जिससे हम अपने ग्राहकों को अधिक कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से सेवा प्रदान कर सकें। हम सतत विकास पर मजबूत ध्यान बनाए रखते हुए देश भर में अपनी पहुंच को व्यापक बनाने के लिए रणनीतिक अवसरों की तलाश जारी रखेंगे। हमारा उद्देश्य उन लोगों की बदलती अपेक्षाओं के अनुरूप अभिनव, अनुकूलनीय समाधान प्रदान करना है जिनकी हम सेवा करते हैं। बंधन बैंक वर्तमान में देश के 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से 35 में फैला हुआ है।

सुशील मोदी को पद्मभूषण पूरे बिहार का सम्मान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राजनीति के जरिए बिहार के विकास को नई दिशा देने के लिए आजीवन प्रयत्नशील रहे बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी को मरणोपरांत सोमवार को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में महामहिम राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित किया। यह सम्मान उनकी धर्मपत्नी जेस्सी सुशील मोदी ने राष्ट्रपति के हाथों से ग्रहण किया। सम्मान ग्रहण करने के बाद श्रीमती मोदी ने कहा कि यह पूरे बिहार का सम्मान है। जेस्सी मोदी और उनके पुत्र उत्कर्ष तथागत अक्षय अमृतांशु ने इसके लिए राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री व बिहार के मुख्यमंत्री, दोनों उपमुख्यमंत्री एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप कुमार जायसवाल का आभार जताते हुए कहा है कि इस सम्मान से भाजपा के लाखों समर्पित कार्यकर्ताओं का आत्मगौरव बढ़ेगा। श्रीमती मोदी का कहना है सुशील मोदी ने समाज के विभिन्न तबकों व लोगों के बीच काम किया और बिहार के विकास के लिए कई सामाजिक कार्य किए जिनमें अस्पतालों और गरीब लोगों की मदद करना भी शामिल था। विशेष रूप से गरीबी रेखा से नीचे के लोगों के लिए... यह सम्मान उनके निधन से मिले लोगों के घावों पर दवा के रूप में भी काम करेगा और प्रेरणा का स्रोत बनेगा। खासकर उन युवाओं के लिए जिन्हें लक्ष्य निर्धारित करने और दिशा देने के लिए नेताओं की आवश्यकता होती है। श्रीमती मोदी ने कहा कि मरणोपरांत सुशील कुमार मोदी को पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित करना दरअसल सुशील मोदी की पांच दशकीय सार्वजनिक व राजनीतिक जीवन के समर्पण व सद्कार्य की पहचान का सम्मान है।

दानापुर मंडल संसदीय समिति की बैठक

- **सांसदगण ने रेल के सर्वांगीण विकास हेतु अपने सुझावों को रखा**
- **गाड़ियों के समयबद्ध परिचालन को बेहतर बनाने के लिए हम सतत प्रयत्नशील : छत्रसाल सिंह**

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। महेन्द्रूघाट, पटना में दानापुर मंडल की 'मंडल संसदीय समिति' की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में दानापुर मंडल क्षेत्राधिकार के सांसदगण ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता सांसद कौशलेन्द्र कुमार द्वारा की गयी। सभी सांसदगण द्वारा जनहित से जुड़े मुद्दे एवं रेल के सर्वांगीण विकास हेतु अपने-अपने सुझावों को रखा गया। इस अवसर पर पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह, दानापुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक जयंत कुमार चौधरी सहित मुख्यालय एवं दानापुर मंडल के अधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक में नालन्दा के सांसद कौशलेन्द्र कुमार, जमुई के सांसद अरूण भारती, जहानाबाद के सांसद सुरेन्द्र प्रसाद यादव, आरा के सांसद सुदामा प्रसाद, बक्सर के सांसद सुधाकर सिंह, गाजीपुर के सांसद अफजल अंसारी तथा राज्यसभा के सांसद शंभु शरण पटेल एवं सांसद खीरू महतो उपस्थित थे। इनके अलावा कपड़ा मंत्री, भारत सरकार गिरिराज सिंह के सांसद प्रतिनिधि अमित कुमार, सुक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री जीतन राम मांझी के सांसद प्रतिनिधि डॉ. मोहम्मद सिबगतुल्लाह खान, सांसद डॉ. भीम सिंह के सांसद प्रतिनिधि इन्द्रजीत कुमार, सांसद रवि शंकर प्रसाद के सांसद प्रतिनिधि रामजी सिंह, सांसद विवेक ठाकुर के सांसद प्रतिनिधि रजनीश कुमार, सांसद वीरेन्द्र सिंह के सांसद प्रतिनिधि नवीन कुमार सिंह उपस्थित थे। बैठक में सांसदगण ने रेल विकास व यात्री सुविधाओं में और वृद्धि एवं उसे सुदृढ़ करने के संबंध में बहुमूल्य सुझाव दिये। सांसदगण द्वारा आधारभूत संरचनाओं के विकास से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने पर बल दिया गया। साथ ही बैठक में भविष्य की कार्य योजनाओं पर भी चर्चा हुई। इसके पूर्व बैठक के प्रारंभ में महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने सांसदगण एवं सांसद के प्रतिनिधिगण का स्वागत किया। महाप्रबन्धक ने अपने स्वागत संबोधन में दानापुर मंडल द्वारा यात्री सुविधा, आधारभूत संरचनाओं के विकास आदि के क्षेत्र में किए गए कार्यों एवं नई परियोजनाओं से सांसदगण को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि दानापुर मंडल अपने ऐतिहासिक स्थापना एवं निरंतर यात्री सेवा के स्वर्णिम उपलब्धियों के साथ वर्ष 2025 में शताब्दी वर्षगांठ मना रहा है। उन्होंने कहा कि गाड़ियों के समयबद्ध परिचालन को बेहतर बनाने के लिए हम सतत प्रयत्नशील हैं।

सूबे में पुलिस व सत्तारूढ़ दल के नेता पर हो रहे हमले, गुंडाराज के स्पष्ट संदेश : राजेश राम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। विगत चौबीस घंटों में बिहार में स्थापित जदयू-भाजपा राज के गुंडाराज को सत्ता संरक्षित अपराधियों ने और मजबूत किया है। अपराधियों का मनोबल इतना बढ़ चुका है कि कार्रवाई करने गई पुलिस को बंधक बनाने से लेकर उसके साथ मारपीट तक सूबे के विभिन्न हिस्सों में की जा रही है। ये बातें बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम ने कही। बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि पिछले 24 घंटे में अपराधियों के द्वारा सूबे के विभिन्न हिस्सों में किए गए अपराध की फेहरिस्त उठा के देख लीजिए कि कैसे उन्होंने नीतीश भाजपा के गुंडाराज में आम लोगों के रक्षार्थ लगी पुलिस को निशाना बनाया है तो वहीं सत्तारूढ़ दल जनता दल यूनाइटेड के नेता तक को मुजफ्फरपुर के मिठनपुरा में अपराधियों ने ताबड़तोड़ गोलियों की बौछार कर दी। गनीमत रहा कि गोलियां उन्हें नहीं लगी, लेकिन अपराधी घटना को अंजाम देने के बाद आराम से बाइक पर जाते सीसीटीवी कैमरों में दिख रहे हैं बावजूद इसके कोई गिरफ्तारी नहीं हुई। बिहटा परेव गांव की घटना पर बोलते हुए अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि स्क्रैप तस्कर को पकड़ने गई पुलिस को बंधक बना लिया गया फिर पथराव और मारपीट किया गया। घंटों तक तीन पुलिसकर्मियों को बंधक बनाया गया और जब थानेदार आए तो उनके साथ मारपीट और हाथापाई हुई।

पुनपुन में श्रीराम सेवा दल ने पहलगाम आतंकी हमले में मृतकों को दी श्रद्धांजलि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मसौढ़ी। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 27 पर्यटन यात्रियों की मौत से पूरे भारतवर्ष में गुस्सा और आक्रोश है। हर कोई पाकिस्तान के प्रति गुस्सा दिखा रहा है। इसके साथ ही दिवंगत आत्माओं की आत्मा की शांति के लिए जगह-जगह पर शोक सभा और कैंडल मार्च किया जा रहा है। ऐसे में सोमवार की देर शाम को पुनपुन में श्री राम सेवा दल के द्वारा पुनपुन के अजय चौक से ब्लॉक चौराहा होते हुए नगर भ्रमण करते हुए शोक सभा आयोजन किया और मृतक आत्माओं के प्रति प्रार्थना की वही आक्रोशित लोगों ने सरकार से मांग की है कि पाकिस्तान के कायराना करतूत का बदला ले तभी भारतवासियों को चैन आएगा। मौके पर अध्यक्ष संतोष कुमार, प्रदेश उपाध्यक्ष सागर, जिला संयोजक अविनाश कुमार, गंगा आरती अध्यक्ष रिंकू, चंदन, राजा, मंटू, गौतम दुबे आदि शामिल रहे।

राजद के लोग पाकिस्तान के एजेंट : डॉ. प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने राजद पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राजद के लोग पाकिस्तान के एजेंट की तरह काम कर रहे हैं। मंच से भारत माता की जय का नारा लगाने का दिखावा करते हैं, लेकिन दिल और आत्मा पाकिस्तान परस्ती में रमी रहती है। तभी तो उनकी सभाओं में 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगते हैं। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि ऐसे देशविरोधी तत्वों की गहन जांच कर उन पर देशद्रोह का मुकदमा चलाया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि राजद नेता खाते-पीते, कमाते और चैन से भारत में रहते हैं, लेकिन गाते पाकिस्तान के गीत हैं। बिहार की जनता अब इनका असली चेहरा पहचान चुकी है और झूठे राष्ट्रप्रेम के बहकावे में नहीं आएगी। तेजस्वी यादव को निशाने पर लेते हुए डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि वोट के खातिर बार-बार झूठा देशप्रेम और हिंदू प्रेम दिखाना अब नहीं चलेगा। तेजस्वी जी को याद रखना चाहिए कि काठ की हांडी बार-बार चूल्हे पर नहीं चढ़ती। बिहार की जनता अब सजग है और किसी के बहकावे में आने वाली नहीं है।

फिजिकल टेस्ट और मौखिक परीक्षा से होगी एन.सी.सी नेवल विंग में एंट्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पटना कॉलेजिएट स्कूल पटना के सभागार में प्राचार्य अफजल सआदत हुसैन की अध्यक्षता में प्रथम वर्ष के कैडेट्स की नेवल एन.सी.सी में एंट्री से पूर्व सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में विद्यालय में नव नामांकित छात्रों को एन.सी.सी नेवल विंग में एंट्री कैसे मिलेगी, इस विषय पर परिचर्चा की गई। कैडेट्स को एन.सी.सी से क्या फायदे हैं, भविष्य में एन.सी.सी द्वारा प्रदत्त प्रमाण पत्र से छात्रों को होनेवाले लाभ तथा इस प्रमाण पत्र का प्रयोग रोजगार के रूप में हम कैसे कर सकते हैं? इस विषय पर 'पेटी ऑफिसर' अविनाश कुमार एवं नीरज कुमार ने विस्तार पूर्वक छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन किया। इस मार्गदर्शन सेमिनार में द्वितीय वर्ष के सभी जेडी/जेडब्लू कैडेट्स उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एसोसिएट एन.सी.सी ऑफिसर डॉ. संजय कुमार सिंह ने किया। अविनाश कुमार बच्चा ने आगत अधिकारियों, कर्मियों एवं छात्र-छात्राओं का धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर कैडेट यश कुमार सिंह, नीतिल कुमार, सुहानी कुमारी, सुमित कुमार, पीयूष गुप्ता एवं सभी शिक्षक-शिक्षकेत्तर कर्मी उपस्थित थे।

रोटरी क्लब ऑफ पटना मिलेनियम ने किया नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। रोटरी क्लब ऑफ पटना मिलेनियम ने जयप्रभा मेदांता सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के सहयोग से इंडस्ट्रियल एरिया, बेल्ट्रॉन भवन स्थित न्यू जील फैशन में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में न्यू जील फैशन के सैकड़ों कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जय प्रभा मेदांता सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की टीम ने शिविर में लोगों को वजन, ब्लड प्रेशर, रैंडम ब्लड शुगर, ईसीजी एवं डॉक्टर परामर्श की सुविधाएं उपलब्ध कराई। मौके पर उपस्थित क्लब की अध्यक्ष सोनल जैन ने कहा कि ग्रामीण सेवा योजना के अंतर्गत चल रहे इस मेगा प्रोजेक्ट के तहत लोगों को मुफ्त इलाज और चिकित्सा परामर्श देना हमारी पहली प्राथमिकता है। इस शिविर में सहयोग करने के लिए मैं जयप्रभा मेदांता सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का धन्यवाद करती हूं जिसके वजह से लोगों ने जांच करवाकर अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता दिखाई है।

बिहार में 28 अप्रैल से 2 मई तक चलेगा विशेष पुस्तक वितरण अभियान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार के सरकारी विद्यालयों में नये शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए 28 अप्रैल 2025 से 2 मई 2025 तक विशेष अभियान चलाकर छात्रों को पाठ्यपुस्तकें वितरित की जाएंगी। इस संबंध में शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं।

छात्रों को नि:शुल्क पाठ्यपुस्तकें की जाएंगी वितरित

शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ के निर्देशानुसार बिहार राज्य पाठ्यपुस्तक प्रकाशन निगम लिमिटेड द्वारा सभी विद्यालयों को कक्षा 1 से लेकर 8वीं तक की आवश्यक पाठ्यपुस्तकें पहुंची दी गई हैं। अब यह सुनिश्चित किया जाना है कि ये पुस्तकें प्रत्येक छात्र तक समय पर और व्यवस्थित ढंग से पहुंचे। इसके लिए राज्य भर के सभी विद्यालयों में एक व्यवस्थित वितरण समारोह का आयोजन किया जाएगा।

वितरण समारोह में मौजूद रहेंगे अभिभावक

डॉ. एस. सिद्धार्थ ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि वितरण समारोह में छात्रों के अभिभावकों, माता-पिता और अन्य जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाए ताकि वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे। समारोह के दौरान छात्रों को पुस्तकों का वितरण उनके अभिभावकों की मौजूदगी में किया जाए।

वितरण कार्यक्रम का अलग से डॉक्यूमेंटेशन भी किया जाएगा और जिला स्तर पर समारोह की स्वच्छ और सुंदर तस्वीरें संकलित की जाएंगी। इसके साथ ही यह भी निर्देश दिया गया है कि प्रतिदिन के वितरण की रिपोर्ट जिला स्तर पर संकलित कर टेक्स्टबुक कार्यालय को शाम 5 बजे तक भेजी जाए।

पाठ्यपुस्तकों की गुणवत्ता पर विशेष जोर

इसके साथ ही वितरण के दौरान पाठ्यपुस्तकों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने का भी आदेश दिया गया है। अगर पुस्तक गुणवत्ता के मानक के अनुरुप न हो तो इसकी तत्काल सूचना जिला मुख्यालय और बिहार राज्य पाठ्य पुस्तक प्रकाशन निगम लिमिटेड, पटना को तुरंत भेजी जाए ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके। शिक्षा विभाग का स्पष्ट निर्देश है कि इस विशेष अभियान को पूरी गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ सफल बनाया जाए ताकि छात्रों को शिक्षा सत्र की शुरुआत में ही सभी आवश्यक पाठ्यसामग्री उपलब्ध कराई जा सके।

'ओरल कैंसर से बचाव के लिए दो मिनट की जांच' मुहिम शुरू

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। हेड एंड नेक कैंसर जागरूकता माह के अवसर पर पटना स्थित पारस एचएमआरआई अस्पताल ने मर्क स्पेशियलिटीज प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर 'ओरल कैंसर सुरक्षा के लिए दो मिनट की पहल' एक अभियान की शुरुआत की है। इस राष्ट्रीय अभियान का उद्देश्य ओरल कैंसर के बढ़ते मामलों पर नियंत्रण पाना है। अभियान की शुरुआत के मौके पर अनिल कुमार (जोनल डायरेक्टर, पारस एचएमआरआई पटना), डॉ. अभिषेक आनंद (कंसल्टेंट एवं एचओडी-मेडिकल ऑन्कोलॉजी), डॉ.शेखर केसरी (चीफ कंसल्टेंट-रेडिएशन ऑन्कोलॉजी), मनीष गुरुदत्ता, युनिट हेड, रामअवतार जंगीद, जीएम ऑपरेशन, नीरज कुमार फाइनेंस कंट्रोलर एवं मेडिकल स्टाफ की टीम उपस्थित थी। भारत को हेड एंड नेक कैंसर की राजधानी कहा जाता है क्योंकि भारत में हर साल दो लाख से ज्यादा लोग हेड एंड नेक कैंसर के शिकार होते हैं जो दुनिया में सबसे ज्यादा है। 2022 में सिर्फ होंठ और मुंह के कैंसर के 1 लाख से ज्यादा मामले सामने आए थे। यदि बाकी हेड एंड नेक कैंसर के उप-स्थलों को जोड़ें तो यह कुल पुरुषों में होने वाले कैंसर के 20 से 25 प्रतिशत मामलों के बराबर हो जाएगा।

विश्व जैन धरोहर दिवस पर बिहार में जैन पुरातात्विक स्थलों के संरक्षण की मांग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। विश्व जैन धरोहर दिवस के अवसर पर बिहार स्टेट दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमिटी के मंत्री पराग जैन ने बिहार राज्य में स्थित दिगम्बर जैन धर्म से संबंधित ऐतिहासिक स्थलों की उपेक्षा पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बिहार जो जैन धर्म के प्राचीन इतिहास का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। आज अपने अमूल्य पुरातात्विक स्थलों के समुचित संरक्षण के अभाव में अपनी ऐतिहासिक गरिमा खोता जा रहा है। बिहार में स्थित दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र पावापुरी, राजगृह, कुण्डलपुर, मंदारगिरी, गुणांवा, जमुई, कमलदह, मिथिलापुरी, वैशाली, भद्दीलपुर, नौबतपुर, बिहारशरीफ, चन्द्रप्रभु मन्दिर (पटनासिटी) इत्यादि के संरक्षण की आवश्यकता है। जैन ने विशेष रूप से उन स्थलों का उल्लेख किया जो भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण अथवा राज्य पुरातत्व विभाग के अधीन तो हैं, परंतु उचित देखरेख के अभाव में उपेक्षित अवस्था में पड़े हुए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन स्थलों के संरक्षण, पुनरुद्धार और संवर्धन के लिए तत्काल ठोस कदम उठाए जाने आवश्यक हैं। जैन ने कहा ये स्थल न केवल जैन समुदाय की धार्मिक आस्था के केंद्र हैं, बल्कि बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का भी अभिन्न हिस्सा है। इनका उचित संरक्षण न केवल इतिहास और संस्कृति को जीवित रखेगा, बल्कि राज्य के पर्यटन विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बिहार स्टेट दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमिटी ने सरकार एवं संबंधित विभागों से आग्रह किया है कि वे इन स्थलों के पुनरुद्धार हेतु विशेष योजनाएं बनाएं। कमिटी शीघ्र ही इस विषय में ज्ञापन सौंपने एवं जनजागरण अभियान प्रारंभ करने की योजना भी बना रही है।

बरौनी और सहरसा के मध्य स्पेशल ट्रेन का परिचालन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर उनकी सुविधा हेतु खगड़िया-मानसी-सिमरी बख्तियारपुर के रास्ते बरौनी और सहरसा के मध्य 01 मई से सप्ताह में छः दिन एक स्पेशल ट्रेन 05222/05221 का परिचालन किया जायेगा। इस स्पेशल का परिचालन गाड़ी सं. 19484/19483 बरौनी-अहमदाबाद-बरौनी एक्सप्रेस के रेक का उपयोग करते हुए किया जायेगा अर्थात इस स्पेशल में द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी के 02, तृतीय वातानुकूलित श्रेणी के 05, तृतीय वातानुकूलित इकानोमी श्रेणी के 02, शयनयान श्रेणी के 06 एवं साधारण श्रेणी के 04 कोच होंगे। गाड़ी सं. 05222 बरौनी-सहरसा स्पेशल 01 मई से 31.07.2025 तक सप्ताह में छः दिन (शुक्रवार को छोड़कर) बरौनी से 18.40 बजे खुलकर, 18.58 बजे बेगूसराय, 19.35 बजे खगड़िया, 20.08 बजे मानसी, 20.38 बजे सिमरी बख्तियारपुर रूकते हुए 21.00 बजे सहरसा पहुंचेगी।

मन्नूलाल पुस्तकालय में निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मगध विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय शिक्षा नीति प्रकोष्ठ एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में आज मगध विश्वविद्यालय के मन्नूलाल पुस्तकालय में एक निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गयी जिसका शीर्षक 'भारतीय भाषाओं और संस्कृति को बढ़ावा देने में राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 की भूमिका' थी। प्रतियोगिता में विभिन्न विभागों के शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर आईक्यूएसी, समन्वयक प्रो. मुकेश कुमार भी उपस्थित रहे। इस प्रतियोगिता के आयोजन में डॉ प्रियंका सिंह, एन. ई. पी. समन्वयक, डॉ एकता वर्मा एन. ई. पी. सारथी समन्वयक तथा सभी सारथी मेंटर डॉ ममता मेहरा, डॉ कविता, डॉ वंदना, डॉ शमशाद ने मुख्य भूमिका निभाई। मगध विश्वविद्यालय के सारथी आशीष शंकर और विवेक कुमार, शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक इसमें सक्रिय भूमिका निभाई।

संपादकीय

सियासी सरहदें टूटीं, एकजुट भारत ने दिया दुश्मनों को कड़ा संदेश

यह एक स्वस्थ लोकतंत्र की निशानी है कि जब भी राष्ट्रीय सुरक्षा का मसला उठता है, तो सभी राजनीतिक दल अपने नफे-नुकसान से ऊपर उठ कर एकजुटता दिखाते और सार्थक समाधान के उपाय तलाशते हैं। पहलगाम आतंकी हमले पर राजनीतिक दलों की एकजुटता और सरकार को खुले मन से समर्थन इस अर्थ में सराहनीय है। इस मामले में सरकार ने भी लचीला रुख दिखाया और स्वीकार किया कि सुरक्षा व्यवस्था में उसकी तरफ से चूक हुई है। दरअसल, विपक्षी दल इसी मुद्दे पर लगातार सवाल पूछ रहे थे। सरकार ने उसे टालने का प्रयास नहीं किया और अपनी कमजोरी को स्वीकार किया। इससे आगे की रणनीति पर काम करने में आसानी होगी। सबसे बड़े विपक्षी दल के अध्यक्ष ने कहा कि इस मसले पर सरकार जो भी फैसला करेगी और कदम उठाएगी, उसमें उनकी पार्टी उसके साथ खड़ी रहेगी। अन्य सभी विपक्षी दलों ने भी सरकार को यही भरोसा दिलाया। निस्संदेह इससे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एक सशक्त संदेश गया और इस आतंकी हमले को लेकर सियासत करने का सिलसिला भी समाप्त हो गया है। अच्छी बात है कि सरकार ने इस मसले पर देश के सभी राजनीतिक दलों को अपने साथ जोड़ लिया। हालांकि ऐसे नाजुक मामलों में सूचनाएं और संसाधन सरकार के पास ही होते हैं और आगे के कदम उसे ही उठाने होते हैं, पर वह विपक्षी दलों को नजरअंदाज नहीं कर सकती। जिन मामलों में पूरे देश के प्रतिनिधित्व की जरूरत होती है, उनमें उन्हें साथ लेना ही चाहिए। यही परंपरा भी रही है। अगर ऐसा न होता, तो बेवजह सियासी रस्साकशी शुरू होती, जो कि किसी भी रूप में अच्छा नहीं कहा जा सकता। विपक्षी दलों ने अपनी लोकतांत्रिक मर्यादा निभाई है, अब सरकार पर है कि वह किस तरह उनकी भावनाओं का मान रखती है। यों, ऐसे मौकों पर सरकार के ऊपर कई अतिवादी किस्म के दबाव भी बनते हैं, जो कि बन भी रहे हैं। पर क्या देश के हित में है, उसका फैसला अंतिम रूप से सरकार को ही करना पड़ता है। विपक्षी दलों की तरफ से एक सुझाव आया कि सरकार को सीमा पार आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद करने की कोशिश करनी चाहिए। सभी ने पाकिस्तान पर शिकंजा कसने के लिए सरकार के फौरी फैसलों की सराहना की है। पर देश के बहुत सारे लोगों की भावना पाकिस्तान के खिलाफ सख्त और निर्णायक कदम उठाने की है। भारत के फैसलों के जवाब में पाकिस्तान ने जो कदम उठाए हैं, उससे जाहिर है कि वह रार लेना चाहता है। भारत के सामने पाकिस्तान की हैसियत बहुत मामूली है। वह इस वक्त बहुत बुरे दौर से गुजर रहा है। जबकि भारत तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और दुनिया के देश इसकी तरफ सम्मान की नजर से देखते हैं। पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय बिरादरी में अलग-थलग पड़ा हुआ है। वहां की हुकूमत खुद अपनी अहमियत के लिए जूझ रही है। ऐसे में भारत को उसे सबक सिखाने के लिए बहुत ठंडे दिमाग से फैसला करना होगा। पुलवामा की घटना के बाद जिस तरह उस पर निरंतर दबाव बनाए रखने की जरूरत थी, उस पर फिर से विचार किया जा सकता है। आतंकवाद से निपटने के मसले पर भारत को दुनिया के अनेक देशों का समर्थन हासिल है, इसलिए पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को खत्म करने को लेकर रणनीति बनाना महत्त्वपूर्ण हो सकता है। सर्वदलीय बैठक में सुझाए गए बिंदुओं को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

शिमला समझौता 2 जुलाई 1972 को भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति जुल्फिकार अली भुट्टो के बीच हस्ताक्षरित हुआ था। इसका उद्देश्य 1971 के भारत-पाक युद्ध के बाद दोनों देशों के बीच शांति स्थापित करना था। शिमला समझौते का निलंबन भारत-पाकिस्तान संबंधों को लगभग पूर्ण ठहराव की स्थिति में ला सकता है। दोनों देशों के बीच व्यापार, जो पहले ही न्यूनतम है, पूरी तरह रुक सकता है।

शिमला समझौते का निलंबन: भारत-पाकिस्तान संबंधों पर गहरा संकट, आखिर क्या होगा प्रभाव?

(जयसिंह रावत)

पहलगाम आतंकी हमले की प्रतिक्रिया स्वरूप भारत द्वारा सिंधु जल समझौते को संशोधन के लिए नोटिस जारी करने के फैसले की प्रतिक्रिया में पाकिस्तान ने शिमला समझौते को एकतरफा निलंबित करने की घोषणा की है। यह कदम दोनों देशों के बीच पहले से ही तनावपूर्ण संबंधों को और गहरा सकता है, जिसके परिणाम कश्मीर, नियंत्रण रेखा, जल कूटनीति और क्षेत्रीय स्थिरता पर व्यापक प्रभाव डाल सकते हैं।

शिमला समझौता, जो 1972 में भारत-पाकिस्तान के बीच शांति और द्विपक्षीय बातचीत का आधार बना, अब खतरे में है, और इसके निलंबन से दोनों देशों के बीच विश्वास का आधार टूट सकता है। यह लेख इस निलंबन के संभावित परिणामों का तथ्यों और आंकड़ों के साथ गहराई से विश्लेषण करता है, ताकि इस जटिल स्थिति को समझा जा सके।

शिमला समझौता 2 जुलाई 1972 को भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति जुल्फिकार अली भुट्टो के बीच हस्ताक्षरित हुआ था। इसका उद्देश्य 1971 के भारत-पाक युद्ध के बाद दोनों देशों के बीच शांति स्थापित करना था, जिसमें भारत ने 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों को बंदी बनाया था और लगभग 5,600 वर्ग मील पाकिस्तानी क्षेत्र पर कब्जा किया था।

समझौते ने नियंत्रण रेखा को परिभाषित किया, जो 17 दिसंबर 1971 की युद्धविराम रेखा पर आधारित थी, और दोनों देशों को कश्मीर सहित सभी विवादों को द्विपक्षीय बातचीत के माध्यम से हल करने का वचन दिया। इसके अलावा, दोनों पक्षों ने शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और एक-दूसरे की क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने की प्रतिबद्धता जताई। यह समझौता भारत-पाक संबंधों का एक आधारभूत ढांचा बन गया, जिसने युद्ध के बाद तनाव को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पाकिस्तान के इस कदम से क्या प्रभाव होंगे?

पाकिस्तान द्वारा शिमला समझौते को निलंबित करने की घोषणा एक अभूतपूर्व कदम है, क्योंकि यह समझौता दोनों देशों के बीच विश्वास और सहयोग का प्रतीक था। इस निलंबन का सबसे तात्कालिक प्रभाव नियंत्रण रेखा और कश्मीर मुद्दे पर पड़ेगा। नियंत्रण रेखा, जो 740 किलोमीटर लंबी है और जम्मू-कश्मीर के पहाड़ी इलाकों से गुजरती है, दोनों देशों के बीच एक अस्थायी लेकिन मान्य सीमा रही है। यदि पाकिस्तान इसकी वैधानिकता को चुनौती देता है, तो सीमा पर सैन्य तनाव बढ़ सकता है। 2024 तक, भारत और पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा पर कई बार युद्धविराम का उल्लंघन किया है, जिसमें 2020 में 5,133 उल्लंघन दर्ज किए गए थे।

शिमला समझौते के बिना, इन उल्लंघनों की संख्या और तीव्रता बढ़ सकती है, क्योंकि दोनों देश इसे अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघन के रूप में नहीं देखेंगे। इससे स्थानीय समुदायों, विशेष रूप से सीमा के पास रहने वाले लोगों पर गहरा प्रभाव पड़ेगा, जिन्हें पहले ही गोलीबारी और विस्थापन का सामना करना पड़ रहा है।

कश्मीर मुद्दा, जो दोनों देशों के बीच सबसे विवादास्पद रहा है, इस निलंबन से और जटिल हो सकता है। शिमला समझौते ने स्पष्ट रूप से कहा था कि कश्मीर सहित सभी विवादों को द्विपक्षीय रूप से हल किया जाएगा, और तीसरे पक्ष या अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इसे नहीं ले जाया जाएगा।

पाकिस्तान का यह कदम संयुक्त राष्ट्र या अन्य वैश्विक मंचों पर कश्मीर को फिर से उठाने की कोशिश का संकेत हो सकता है। हालांकि, भारत, जिसने 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 और 35ए को हटाकर जम्मू-कश्मीर को पूर्ण रूप से अपने नियंत्रण में ले लिया है, इसे आंतरिक मामला मानता है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत के स्थायी सदस्यों जैसे रूस और संभावित रूप से अमेरिका के समर्थन के कारण पाकिस्तान का अंतरराष्ट्रीयकरण का प्रयास विफल हो सकता है। फिर भी, यह कदम दोनों देशों की जनता में राष्ट्रवादी भावनाओं को भड़का सकता है, जिससे शांति की संभावनाएं और कम हो जाएंगी।

शिमला समझौते का निलंबन भारत-पाकिस्तान संबंधों को लगभग पूर्ण ठहराव की स्थिति में ला सकता है। दोनों देशों के बीच व्यापार, जो पहले ही न्यूनतम है, पूरी तरह रुक सकता है। 2019 में पुलवामा हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान को सर्वाधिक तरजीही राष्ट्र का दर्जा वापस ले लिया था और आयात पर 200त्र शुल्क लगा दिया था। 2023 तक, भारत-पाक व्यापार केवल 2 अरब डॉलर के आसपास था, जो 2016 के 6 अरब डॉलर से काफी कम है। निलंबन के बाद, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, धार्मिक तीर्थयात्रा (1974 के प्रोटोकॉल के तहत), और खेल जैसे क्षेत्रों में भी पूर्ण विराम लग सकता है। इससे दोनों देशों की जनता के बीच अविश्वास और गहरा होगा, जो पहले से ही सीमा पार आतंकवाद और प्रचार के कारण तनावग्रस्त है।

सिंधु जल समझौते के निलंबन का असर

सिंधु जल समझौते से इस निलंबन का अप्रत्यक्ष लेकिन गहरा संबंध है। भारत ने 30 अगस्त 2024 को सिंधु जल समझौते में संशोधन की मांग की, जिसमें तीन कारण दिए- जलवायु परिवर्तन और नई प्रौद्योगिकियों के कारण बदली परिस्थितियां, स्वच्छ ऊर्जा के लिए जल उपयोग की आवश्यकता, और सीमा पार आतंकवाद के कारण समझौते का प्रभावी कार्यान्वयन न होना। सिंधु जल समझौते के तहत, सिंधु नदी प्रणाली की छह नदियों का जल बंटवारा होता है, जिसमें पश्चिमी नदियां (सिंधु, झेलम, चिनाब) पाकिस्तान को और पूर्वी नदियां (रावी, सतलज, ब्यास) भारत को दी गई हैं।

भारत का तर्क है कि उसे अपनी 20 प्रतिशत जल संसाधनों का पूर्ण उपयोग करने का अधिकार है, विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर में जलविद्युत परियोजनाओं जैसे किशनगंगा (330 मेगावाट) और रतले (850 मेगावाट) के लिए। पाकिस्तान ने इसे एकतरफा कदम माना और शिमला समझौते को निलंबित करने की घोषणा की। यदि सिंधु जल समझौते पर बातचीत विफल होती है, तो भारत अपनी परियोजनाओं को तेज कर सकता है, जिससे पाकिस्तान को जल की कमी का सामना करना पड़ सकता है। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था, जो 80 प्रतिशत कृषि पर निर्भर है और सिंधु नदी से 65त्र पानी प्राप्त करती है, इस स्थिति से बुरी तरह प्रभावित हो सकती है।

क्षेत्रीय स्थिरता पर भी इस निलंबन का गहरा प्रभाव पड़ेगा। भारत और पाकिस्तान, दोनों परमाणु शक्ति संपन्न देश हैं, जिनके पास क्रमशः 164 और 170 परमाणु हथियार होने का अनुमान है (2024 तक)। शिमला समझौते के बिना, छोटे स्तर के सैन्य टकराव भी बड़े युद्ध में बदल सकते हैं, जिसका परिणाम दोनों देशों और दक्षिण एशिया के लिए विनाशकारी होगा।

इसके अलावा, चीन, जो पाकिस्तान का करीबी सहयोगी है और भारत के साथ लद्दाख में सीमा विवाद में उलझा हुआ है, इस स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश कर सकता है। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा, जिसमें 62 अरब डॉलर का निवेश है, भारत के लिए एक रण; भारत की बढ़ती वैश्विक स्थिति, विशेष रूप से जी20 और क्वाड जैसे मंचों पर, इसे कूटनीतिक रूप से मजबूत बनाती है।

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस निलंबन का प्रभाव सीमित हो सकता है। विश्व बैंक, जो सिंधु जल समझौते में मध्यस्थ है, इस स्थिति पर नजर रखेगा, लेकिन भारत की द्विपक्षीय समाधान की नीति बाहरी हस्तक्षेप को रोक सकती है। संयुक्त राष्ट्र में भी पाकिस्तान का कश्मीर को अंतरराष्ट्रीय मंच पर ले जाने का प्रयास भारत की कूटनीतिक ताकत के कारण विफल हो सकता है। फिर भी, यह स्थिति दक्षिण एशिया में जलीय राष्ट्रवाद को बढ़ावा दे सकती है, जिससे दोनों देशों में आंतरिक राजनीति और जनता की भावनाएं प्रभावित होंगी। भारत में, जहां 2024 में लोकसभा चुनावों के बाद राष्ट्रवादी भावनाएं पहले से ही मजबूत हैं, सरकार इस स्थिति का उपयोग अपनी सख्त नीतियों को सही ठहराने के लिए कर सकती है।

आर्थिक रूप से, दोनों देशों को नुकसान होगा। पाकिस्तान, जिसकी सकल घरेलू उत्पाद 2024 में 338 अरब डॉलर है, पहले से ही आर्थिक संकट से जूझ रहा है, और इस निलंबन से उसकी स्थिति और खराब हो सकती है। भारत, जिसकी सकल घरेलू उत्पाद 3.4 ट्रिलियन डॉलर है, आर्थिक रूप से अधिक स्थिर है, लेकिन सीमा पर बढ़ता तनाव और सैन्य खर्च (2024 में 81 अरब डॉलर) उसकी विकास योजनाओं को प्रभावित कर सकता है। सामाजिक स्तर पर, दोनों देशों की जनता के बीच अविश्वास और गहरा होगा, जिससे सांस्कृतिक और मानवीय संबंध पूरी तरह टूट सकते हैं।

पाक को सबक सिखाना एवं आतंकवाद को उखाड़ना होगा

(ललित गर्ग)

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में काफी बदलाव आया था। आतंकवाद लगातार सिमट रहा था, शांति का उजाला हो रहा था। वादियों की रौनक बढ़ी और बाजार गुलजार हो उठे थे। श्रीनगर के लालचौक पर मिलजुल कर त्यौहार मनाए जाने लगे थे।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए बर्बर एवं क्रूर आतंकी हमले से सारा देश गम एवं गुस्से में दिख रहा है, वही मोदी सरकार इस बार आर-पार के मूड में दिख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की बैठक के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ पांच बड़े और कड़े फैसले लेते हुए पाकिस्तान पर शिकंजा कसा है, जिससे वह डरा है, सहमा है, घबराया है। इन पंच शिकंजों में 1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है, राजनयिक मिशन की संख्या घटाई जाएगी, पाकिस्तानी सैन्य राजनयिकों को एक हफ्ते में भारत छोड़ना होगा, पाकिस्तानियों के लिए सार्क वीज़ा रद्द कर दिया गया है और अटारी बॉर्डर को भी तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है। ये कदम जहां आतंकवाद के खिलाफ भारत की कड़ी नीति को दर्शाते हैं वहीं पाकिस्तान को उसकी औकात दिखाने का एक डिप्लोमैटिक स्ट्राइक है, जबकि भीतर-ही-भीतर किसी बड़ी कार्रवाई से इंकार नहीं किया जा सकता। सीमा पार आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान पर दबाव बनाने और भारत की सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में मोदी सरकार से अभी अधिक सख्त कार्रवाई की अपेक्षा है और आशा की जा रही है कि सरकार जनता की अपेक्षाओं से भी दो कदम आगे इस बार बदला लेगी। इस बार की तांडवी टंकार एवं हुंकार पाकिस्तान की न केवल कमर तोड़ देगी, बल्कि उसके नापाक मनसूबों को हमेशा के लिये नेस्तनाबूद कर देगी। पाकिस्तान ने अब तक भारत की शांति एवं सहयोग भावना को देखा है लेकिन अब हिंसा के लिये हिंसा की खनकार देखेगा। निर्दोषों की हत्या करन वालों, विश्वासघात का मार्ग अपनाने वालों एवं निहत्थों पर कहर बरपाने वालों को अब पता लगेगा कि धर्म एवं शांतिवादियों की ताकत क्या होती है?

पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा के एक संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने निर्दोष पर्यटकों पर किये गये इस कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी ली है। इस दुखद घटना ने वर्ष 2008 में दुस्साहसपूर्ण ढंग से मुंबई और भारत को हिलाकर रख देने वाले लश्कर-ए-तैयबा द्वारा रचे गए नरसंहार की याद दिला दी है। यह महज संयोग नहीं कि यह हमला 26/11 के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण और पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के भारत विरोधी बयान के बाद हुआ। यह हमला पाकिस्तान की अब तक की सबसे बड़ी भूल एवं अमानवीयता एवं पाशविकता का घिनौना कृत्य बना है। मुनीर ने कश्मीर को अपने देश की 'गले की नस' बताया लेकिन यही नस अब पाकिस्तान का सर्वनाश करेगी, उसको कड़वे घुंट पीने को विवश करेगी। दाने-दाने को तरसता पाकिस्तान अब त्राहि-त्राहि करते हुए तबाही के कगार पर पहुंचेगा। एक ओर जहां बलूच विद्रोह ने मुनीर व सेना की नींद उड़ा रखी है, अब भारत उसकी नींद ही नहीं, सुख-चैन भी छीन लेगा। गैर मुस्लिमों को निशाना बनाना और वह भी अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी.वेंस की भारत यात्रा के दौरान- यह स्पष्ट करता है कि आतंकवादियों व उनके आकाओं ने भाजपा के नेतृत्व वाली मोदी सरकार को चुनौती दे दी है, सीधे-सीधे ललकारा है। मोदी सरकार को सस्ते में लेने की भूल के परिणाम पाकिस्तान पहले भी भुगत चुका है, उरी (2016) और पुलवामा (2019) की तरह पहलगाम हत्याकांड में बहा निर्दोषों का रक्त व्यर्थ नहीं जायेगा। जिस तरह श्रीकृष्ण को आसूरी शक्तियों के खिलाफ महाभारत रचना पड़ा, उसी तरह मोदी पाकिस्तान के आतंकवाद के खिलाफ कोई बड़े युद्ध की संरचना करके हमेशा के लिये आतंकवाद का सर्वनाश करे।

पहलगाम हत्याकांड के बाद न केवल समूचे देश में बल्कि कश्मीर घाटी में पहली बार गहरा आक्रोश देखने को मिला है। घाटी में 35 साल बाद पहली बार आतंकी हमले के खिलाफ बंद का आयोजन किया गया है। बुधवार को बंद के आह्वान के बाद श्रीनगर में अधिकांश व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। लोग सड़कों में दुख और आक्रोश व्यक्त करते नजर आए और कहा कि यह घटना कश्मीर की अतिथि और शांति की भावना के साथ विश्वासघात है। यह घटना कश्मीरियों की रोजी-रोटी पर कुठाराघात है। यह कश्मीर की शांति को लीलने की कुचेष्ठा है। लश्करे-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन के इस हमले का मकसद पर्यटकों में खौफ पैदा करना और घाटी में सामान्य स्थिति की वापसी को रोकना था। यहां उल्लेखनीय है कि बीते साल जम्मू-कश्मीर में पैंतीस लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे थे। लेकिन पहलगाम जैसी जगह में जहां सत्तर फीसदी लोगों की आजीविका पर्यटन से जुड़ी है, वहां स्थिति सामान्य होने में अब लंबा वक्त लगेगा। आने वाले दिनों के लिये पर्यटकों ने अपनी यात्राएं रद्द कर दी हैं।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में काफी बदलाव आया था। आतंकवाद लगातार सिमट रहा था, शांति का उजाला हो रहा था। वादियों की रौनक बढ़ी और बाजार गुलजार हो उठे थे। श्रीनगर के लालचौक पर मिलजुल कर त्यौहार मनाए जाने लगे थे। बागों में ट्यूलिप के फूल खिल उठे थे। बर्फ की वादियों में मंद-मंद शीतल हवाओं से चिनार के पेड़ झूमने लगे थे। जो देश एवं दुनिया के असंख्य पर्यटकों को खींच रहे थे। उम्मीदें बंध गई थीं कि एक न एक दिन आतंकवाद मुक्त जम्मू-कश्मीर नई सुबह देखेगा लेकिन बढ़ते पर्यटक और मजबूत होती अर्थव्यवस्था पाक को रास नहीं आई। पहलगाम के भयावह हमले ने एक बार फिर सबको खौफजदा कर दिया। जम्मू-कश्मीर में शांति, सौहार्द और विकास पाकिस्तान में बैठे आतंक के आकाओं को नागवार गुजर रहा था। इसलिए पाकिस्तान की सेना, सेना प्रमुख तौकिर मुनीर, उसकी खुफिया एजैंसी आईएसआई और आतंकवादी संगठनों ने मिलकर ऐसी साजिश रच डाली, जिसने उनके धर्म को धुंधलाने एवं शर्मसार करने के साथ पाकिस्तानी इरादों को भी बेनकाब कर दिया।

जानिए आखिर क्यों पाकिस्तान कर रहा है आतंकवाद फ़ैलाने जैसा 'गंदा काम'?

(कमलेश पांडे)

भारत को पता होना चाहिए कि अंतर्राष्ट्रीय हथियार लॉबी दशकों से उसके पीछे पड़ी हैं। यहाँ के लोग भी यह महसूस कर रहे होंगे कि भारत में बढ़ते आतंकवादी हमलों, नक्सली हमलों और अंडरवर्ल्ड के गैंगवार के बाद हमारी सरकार ने आधुनिक हथियार और सुरक्षा उपकरण खरीदी।

जब अंतर्राष्ट्रीय महकमे में पाकिस्तान को आतंकवाद पैदा करने की फैक्ट्री मान लिया गया है, तब भी यदि उसके खिलाफ कोई मजबूत वैश्विक कार्रवाई नहीं हुई तो ऐसा सिर्फ इसलिए कि वह दुनियावी हथियार और सुरक्षा उपकरण निर्माता कम्पनियों और उनके संरक्षक मूल राष्ट्रों के हाथों का खिलौना बन चुका है। ये देश कोई और नहीं बल्कि अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन, फ़्रांस, इजरायल, जर्मनी, तुर्किये आदि जैसे देश हैं जिन्हें मौत का सौदागर कहना ज्यादा उचित रहेगा!

दरअसल, यह बात मैं नहीं कह रहा हूँ बल्कि इसका एक क्लू पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के बयानों से मिला है, जिसके बाद अपने पाठकों को 'ह' से 'हलंत' तक की बात समझा रहा हूँ। वैसे तो भारतीय नेतृत्व के लिए भी यह बात जानना-समझना जरुरी है! हालाँकि उसके पिछले एक दशक के रूख से यही प्रतीत होता है कि वह सबकुछ समझ रहा है और बार-बार दुनिया को यह नसीहत भी दे रहा है कि यह युद्ध नहीं बल्कि बुद्ध का समय है।

ऐसे में संभव है कि भारत को युद्ध की जाल में उलझाकर चीन को बर्बाद करना अमेरिका-ब्रिटेन समेत नाटो देशों की यह एक नई चाल हो, जैसा कि उन्होंने रूस के खिलाफ यूक्रेन को भड़का कर अपना नापाक लक्ष्य पूरा किया। चूँकि चीन-रूस के प्रगाढ़ रिश्तों से अमेरिका-चीन के रिश्ते खटाई में पड़ते जा रहे हैं, वहीं भारत का नेतृत्व रूस, अमेरिका और चीन से एकसमान रिश्ते रखना चाहता है ताकि युद्ध की बजाय विकास को गति दी जा सके। ऐसे में अंतर्राष्ट्रीय जगत के सामने कटोरा लेकर खड़ा रहने वाले देश पाकिस्तान को 'उनके' ही इशारे पर पहलगाम आतंकी हमले को अंजाम दिलवा दिया, ताकि मोदी सरकार के सब्र की बांध टूटे, फिर वह पाकिस्तान पर हमला करे।

तत्पश्चात पाकिस्तान को बचाने चीन आएगा और जब ऐसा होगा तो भारत-चीन के बीच भड़कने वाले युद्ध में पश्चिमी देश भारत का साथ देंगे और फिर जैसे यूक्रेन को उसकी कीमती खनिज सम्पदा के लिए ब्लैक मेल किया कुछ वैसा ही भारत के साथ भी करेंगे। हालाँकि भारत ने इस बार कूटनीतिक सर्जिकल लड़ाई को अपना नया हथियार बनाया और ताबड़तोड़ पांच प्रतिबन्ध उसपर थोप दिए। आगे सबक सिखाने की तैयारी में भारतीय नेतृत्व जुटा हुआ है।

इसी बीच घबराए पाकिस्तान ने यानी उसके रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने पहलगाम में आतंकी हमले के बाद जो अर्द्धसत्य स्वीकार किया है, वह हैरान करने वाला बयान समझा जा रहा है। लेकिन इसके पीछे की एक और कड़्वी सच्चाई जिसे वे चालाकी पूर्वक छिपा लिए, वह है अमेरिका का मजबूत अंतर्राष्ट्रीय विकल्प बनते जा रहे चीन और उसके समर्थक उत्तरपूर्वी देशों और मध्य पूर्व के देशों का नाम, जो हर भारतीय को जानना चाहिए! क्योंकि यदि उन्होंने ऐसी साफगोई दिखा दी होती तो चीन के साथ परवान चढ़ रहे रिश्ते खराब हो जाते!

यहाँ यह भी संभव है कि भारत के कड़े रूख के मद्देनजर उन्होंने जानबुझकर अमेरिका, ब्रिटेन आदि का नाम रणनीतिक रूप से लिया है, क्योंकि पाकिस्तान के साथ उनके रिश्ते अब वैसे प्रगाढ़ नहीं रहे जैसे कि पहले हुआ करता था! ऐसा इसलिए कि पाकिस्तान अब उनके प्रबल प्रतिद्वंद्वी चीन के खेमे में जा चुका है। आज चीन के साथ रूस, उत्तर कोरिया, तुर्की, ईरान, जर्मनी आदि जैसे देश हैं, जिनमें से कई के साथ भारत के समझदारी भरे रिश्ते हैं। हालाँकि उनका यह बयान भारत और रूस के लिए आंख खोलने वाला है।

भारत को पता होना चाहिए कि अंतर्राष्ट्रीय हथियार लॉबी दशकों से उसके पीछे पड़ी हैं। यहाँ के लोग भी यह महसूस कर रहे होंगे कि भारत में बढ़ते आतंकवादी हमलों, नक्सली हमलों और अंडरवर्ल्ड के गैंगवार के बाद हमारी सरकार ने आधुनिक हथियार और सुरक्षा उपकरण खरीदी। चूँकि आतंकवाद का 'बाप' पाकिस्तान और नक्सलवाद का बाप 'चीन' भारत के पड़ोसी हैं, इसलिए भारत इससे ज्यादा प्रभावित होता आया है। हमारी 'मुर्ख सरकारें' भी फर्जी धर्मनिरपेक्षता, मन्दिर-मस्जिद, आरक्षण और सामाजिक न्याय, भाषा और क्षेत्र के नाम पर भारतीयों को बरगलाती रहीं और आतंकवाद, नक्सलवाद और संगठित अपराध के खिलाफ भारतीयों में सद्प्रेरणा पैदा नहीं कीं, क्योंकि विदेशी पूंजीपतियों के एजेंट भारतीय पूंजीपति भी यही चाहते थे। नई आर्थिक नीति की आड़ में इनलोगों ने भारत के जमे जमाये उद्योगों को मार दिया और अमेरिका के शह पर गुणवत्ता हीन चीनी सामानों से भारतीय बाजार को पाट दिया। जबतक मोदी सरकार, मनमोहन सरकार की 'देशद्रोही' कारगुजारियों को समझ पाई और ताबड़तोड़ काउंटर वाले फैसले लिए। इससे परेशान चीनी-अमेरिकी पूंजीपतियों के गिरोह ने कृत्रिम कोरोना महामारी पैदा कर दी। भारत पर दबाव बनाने के लिए चीन गलवान घाटी में घुस आया।

हालाँकि मोदी सरकार ने दृढ़ता पूर्वक अंतर्राष्ट्रीय षड्यंत्रों का मुकाबला करते हुए आपदा को अवसर में बदल दिया। उसके बाद रूस-यूक्रेन युद्ध और इजरायल-फिलिस्तीन युद्ध और दक्षिण चीन सागर विवाद के बीच भारत ने संतुलनकारी रूख अपनाया। यही बात बार बार अमेरिका और पश्चिमी देशों को खटक रही है। अभी हाल ही में पाकिस्तान के बलूचिस्तान में खनिज सम्पदा निकालने में अमेरिका ने जो दिलचस्पी दिखाई है, उसके लिंक भी देर-सबेर कश्मीर कांड से जुड़ जाएंगे।

चूँकि पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने दो टूक स्वीकार किया है कि पाकिस्तान आतंकी समूहों को धन मुहैया करा रहा है और उनका समर्थन कर रहा है। ख्वाजा आसिफ ने एक बातचीत के दौरान कहा- हम करीब 3 दशकों से अमेरिका के लिए यह गंदा काम कर रहे हैं। ख्वाजा आसिफ ने अपनी इस प्रवृति के लिए अमेरिका और पश्चिमी देशों को जिम्मेदार ठहराया। ख्वाजा ने एक बयान में माना कि पाक पिछले तीन दशकों से आतंकवाद को पाल रहा है। रक्षा मंत्री ने स्वीकार किया है कि पाकिस्तान आतंकी समूहों को धन मुहैया करा रहा है और उनका समर्थन कर रहा है।

मसलन वायरल हो रहे इस आशय के एक वीडियो क्लिप में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री स्काई न्यूज के यल्दा हकीम से बातचीत कर रहे हैं, जब वह उनसे पूछती हैं, आप मानते हैं सर, कि पाकिस्तान का इन आतंकी संगठनों को समर्थन देने, प्रशिक्षण देने और धन मुहैया कराने का लंबा इतिहास रहा है? ख्वाजा आसिफ ने अपने जवाब में कहा, हम करीब 3 दशकों से अमेरिका के लिए यह गंदा काम कर रहे हैं..ख्वाजा आसिफ ने आगे कहा, ब्रिटेन समेत पश्चिम... यह एक गलती थी, और हमें इसके लिए भुगतना पड़ा, और इसीलिए आप मुझसे यह कह रहे हैं। अगर हम सोवियत संघ के खिलाफ युद्ध में और बाद में 9/11 के बाद के युद्ध में शामिल नहीं होते, तो पाकिस्तान का ट्रैक रिकॉर्ड बेदाग होता।

वहीं भारत के साथ ऑल आउट वार की बात करने वाले ख्वाजा आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान में लश्कर ए तैयबा खत्म हो चुका है। हालाँकि उन्होंने स्वीकार किया कि लश्कर ए तैयबा का अतीत में पाकिस्तान के साथ कुछ लिंक मिले हैं। उन्होंने कहा कि अब ये आतंकी संगठन खत्म हो चुका है। ऐसे में पाकिस्तान के साथ लश्कर का लिंक मिलने का ये मतलब नहीं है कि हम इसको मदद करते हैं। इन बातों से स्पष्ट है कि आखिर पाकिस्तान आतंकवाद फ़ैलाने जैसा गंदा काम क्यों कर रहा है? और जब यह बात साफ हो चुकी है तो भारत को ऐसा निर्णायक पलटवार करना चाहिए कि उनके होश ठिकाने में आ जाएँ। चूँकि भारत सत्य के साथ खड़ा है, इसलिए देर सबेर जीतेगा भारत और हारेंगे षड्यंत्रकारी! बस रूस पुराणी दोस्ती निभाता रहे और भारत उसके प्रति वफादार बना रहे! वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

वगैर हेलमेट मोटरसाइकिल चलाया तो फाइन के साथ अब होगी कारवाई : समाल अहमद

मेदिनीनगर (पलामू) नवबिहार टाइम्स संवाददाता। ट्रैफिक प्रभारी समाल अहमद के नेतृत्व में सोमवार को रेड़मा चौक पर चार पहिया व दो पहिया वाहन गाड़ियों की जांच की गई। जांच के क्रम में दोपहिया वाहन के

कुछ चालक वगैर हेलमेट व कुछ वगैर लाइसेंस के पकड़े गए। इसमें दस दो पहिया वाहन गाड़ी व एक टेंपो सवारी गाड़ी के चालक को शराब पीकर टेंपो चलाते पकड़ा गया। इसे ब्रेथ एनालाइजर मशीन से जांच किया गया। इसमें अधिक मात्रा में शराब पीने की पुष्टि हुई। इस क्रम में रेड़मा चौक पर मना करने के बावजूद जबरदस्ती 03 ई रिक्शा सवारी गाड़ी के चालक सवारी बैठा रहे थे। उक्त सभी गाड़ियों को शहर थाना परिसर में सुरक्षार्थ रखा गया है। सभी गाड़ियों का फाइन कर चालान करते हुए जिला परिवहन कार्यालय भेजा गया।

काजल व जीत कुमार गतकाबाज पलामू जिला के हैं कोहिनूर : सोनू सिंह नामधारी

मेदिनीनगर (पलामू) नवबिहार टाइम्स संवाददाता। 68वें स्कूल गेम फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में आयोजित गतका प्रतियोगिता में पलामू जिले के पांच खिलाड़ियों का चयन किया गया था। पांचों खिलाड़ियों ने दिल्ली के इंदौर स्टेडियम में विभिन्न राज्यों से आए हुए खिलाड़ियों से मुकाबला करते हुए झारखंड के लिए पदक जीते। स्थानीय संत जेवियर स्कूल के 10वीं कक्षा में पढ़ने वाली काजल कुमारी ने अंडर 17 (गर्ल्स) टीम फरी सोती खेलते हुए छत्तीसगढ़ व तेलंगाना राज्य के खिलाड़ियों को हराकर झारखंड राज्य के लिए कांस्य पदक झटक लिए। वहीं ब्राइट लैंड स्कूल के जीत तिवारी अंडर 17 (बॉयज) सिंगल सोती में खेलते हुए

तेलंगाना व मध्य प्रदेश की टीम को हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया। दोनों खिलाड़ी पलामू जिला के द कराटे एकेडमी में गतका का अभ्यास करते थे। पलामू जिला गतका संघ के अध्यक्ष सोनू सिंह नामधारी ने खिलाड़ियों को बधाई दी है। कहा कि दोनों गतकाबाज पलामू जिला के कोहिनूर हैं। अपने खेल की प्रतिभा से जिले की शान बढ़ा रहे हैं। मौके पर जिला सचिव सुमित बर्मन ने कहा पिछले वर्ष गतका खेल के एसजीएफआई में पलामू को एक कांस्य पदक प्राप्त हुआ था। इस बार दो पदक मिले हैं। ये पदक बताते हैं कि पलामू जिले में गतका खेल कितना आगे बढ़ रहा है। जीते हुए दोनों खिलाड़ियों को झारखंड सरकार की खेल नीति के अनुसार 50- 50 हजार रुपए की खेल छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। कहा कि प्रतियोगिता के मध्यम से काजल का चयन खेलो इंडिया के लिए किया गया है। झारखंड गतका संघ के अध्यक्ष केशव कुमार होडिया, सचिव विद्या, को-ऑर्डिनेटर पप्पू सिंह ने खिलाड़ियों को बधाई दी है। पलामू जिला गतका संघ के उपाध्यक्ष गुरबीर सिंह, प्रदीप नारायण, बबलू चावला, सनत चटर्जी, प्रदीप मेहता, सह सचिव मन्नत बग्गा, दीपेंद्र सिंह, अमरेश कुमार, कोषाध्यक्ष दीपक तिवारी, सदस्य पीयूष कुमार, रंजित कुमार, नीलकंठ कुमार सहित सभी पलामू जिला गतका संगठन के लोगों ने खिलाड़ियों को बधाई के साथ -साथ शुभकामनाएं दी हैं।

लौरिया के अशोक स्तंभ के समीप हल्की बारिश से डायवर्सन गड्ढे में तब्दील

लौरिया/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। हल्की बारिश से ही लौरिया नरकटियागंज रोड स्थित अशोक स्तंभ के सामने बने डायवर्सन गढे में तब्दील हो गया है। जब भारी बारिश होगी तो निश्चित रुप से नरकटियागंज का इस रास्ते से सडक सम्पर्क भंग हो जायेगा। बता दे कि करीब पांच वर्षो पहले लौरिया नरकटियागंज रोड में स्थित अशोक स्तंभ के सामने करीब साढे आठ करोड़ रूपए की लागत से पूल निर्माण निगम द्वारा एक पूल बनाया जा रहा था। पुरातत्व विभाग के नियम के अनुसार अशोक स्तंभ के परिसर से एक सौ मीटर के अंदर कोई पक्का निर्माण प्रतिबंधित है।इसी नियम के तहत पुरातत्व विभाग ने उक्त पूल का निर्माण रोक दिया। लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। पुराना पूल टुट चुका था और नये पुल का करीब सत्तर प्रतिशत काम हो चुका था। यही नही सत्तर प्रतिशत पैसा भी अभिकर्ता द्वारा उठा लिया गया था। निर्माण कार्य रुक जाने और पुरातत्व विभाग द्वारा एन ओ सी नहीं दिये जाने की स्थिति मे सडक विभाग ने यहां डायवर्सन पर ही पाईप डालकर सडक बना दिया। यही सडक देख रेख के अभाव मे हल्की बारिश मे ही टुट गया है। जिस कारण अनुमण्डल मुख्यालय आने जाने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड रहा है। समाजीक कार्यकर्ता मिथलेश सिंह, डीम्पल सिंह, रामबाबु जायसवाल, सुनील कुमार, ब्रजेश कुमार, संजय कुमार, राज गुप्ता आदि ने बताया कि अगर इस डायवर्सन का शीघ्र मरम्मत नहीं किया गया तो भारी बारिश मे निश्चित रुप से इस सडक से नरकटियागंज आने जाने का रास्ता बंद हो जायेगा।

मानुपुर जहांगीर गांव से युवक लापता

छपरा (सारण)नवबिहार टाइम्स संवाददाता। डोरीगंज थाना क्षेत्र के मानुपुर जहाँगीर गांव से एक 22 वर्षीय युवक के लापता होने का मामला सामने आया है। इस संबंध में युवक के पिता ललितेश्वर प्रसाद ने डोरीगंज थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। प्राथमिकी में उन्होंने बताया कि उनका पुत्र सोनू कुमार 27 अप्रैल की सुबह दस बजे भोजन करने के बाद घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। काफी खोजबीन के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं लगा। परिजनों ने आस-पड़ोस के गांवों और रिश्तेदारों के यहां भी तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला समाज कल्याण एवं जिला बाल संरक्षण इकाई की समीक्षा बैठक

समाज के अंतिम पंक्ति तक योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने का दिया निर्देश

खूंटी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। समाहरणालय स्थित सभागार में आज उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में जिला समाज कल्याण कार्यालय एवं जिला बाल संरक्षण इकाई की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित विभागों के पदाधिकारियों ने भाग लिया और अपने-अपने विभागों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने समाज कल्याण से संबंधित विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं बच्चों के संरक्षण से जुड़े कार्यों की गहन समीक्षा की। बैठक में मुख्य रूप से पोषण ट्रैकर, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, सेविका सहायिका रिक्तियां, आंगनबाड़ी केंद्रों में आधारभूत संरचना एवं भवन निर्माण, एमटीसी केंद्र संचालन, बाल संरक्षण सेवा अंतर्गत आर्थिक वित्तिय सहायता का लाभ एवं पुनर्वास, मानव तस्करी समेत अन्य विषयों की समीक्षा की गई। बैठक में सर्वप्रथम जिला समाज कल्याण पदाधिकारी द्वारा जानकारी दिया गया कि पोषण पखवाड़ा 2025 में राज्य स्तर पर खूंटी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जिसे लेकर उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को शुभकामनाएं देते हुए इसे निरंतर जारी रखने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने पोषण ट्रैकर के अद्यतन एवं प्रभावी उपयोग पर विशेष बल देते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कुपोषण को जड़ से समाप्त करने के लिए जमीनी स्तर पर ठोस प्रयास किए जाएं। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत शत-प्रतिशत लक्षित लाभार्थियों तक सहायता राशि पहुँचाने पर भी जोर दिया गया।

बैठक में आंगनबाड़ी केंद्रों में सेविका एवं सहायिका के रिक्त पदों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई तथा शीघ्र नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों की आधारभूत संरचना एवं भवन निर्माण कार्यों की प्रगति पर भी चर्चा हुई। उपायुक्त ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने एवं समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। एमटीसी केंद्र के सुचारू रूप से संचालन सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने विभागीय अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु नियमित अनुश्रवण एवं निगरानी सुनिश्चित करने को कहा।

बैठक में जिला बाल संरक्षण इकाई के तहत बल संरक्षण सेवा अंतर्गत आर्थिक वित्तिय सहायता का लाभ एवं पुनर्वास मामलों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने निर्देश दिया कि लाभुकों तक सरकारी योजनाओं का समय पर लाभ सुनिश्चित किया जाए तथा विशेष रूप से कमजोर वर्गों के बच्चों की सुरक्षा, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन हेतु सभी जरूरी कदम उठाए जाएं। मानव तस्करी के तहत दर्ज हुए मामलें एवं उनमें किए गए बच्चों के रेस्क्यू कार्य की जानकारी लेते हुए सक्रिय होकर कार्य करने को कहा गया। उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि सेवा में पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। बैठक में उपायुक्त ने चाइल्ड वेलफेयर कमिटी एवं जुविनाइल जस्टिस बोर्ड को पूरी तरह से सक्रिय होकर कार्य करने को कहा, साथ हीं लंबित मामले के निष्पादन को लेकर भी निर्देशित किया गया।

बाल संरक्षण सेवा अंतर्गत आर्थिक वित्तिय सहायता का लाभ एवं पुनर्वास का लाभ योग्य लाभुकों को प्राथमिकता के आधार पर दें: उपायुक्त

उपायुक्त ने जिले में होने वाले मानव तस्करी को लेकर भी समीक्षा कर इसे पूर्ण रूप से रोकने को लेकर कई आवश्यक निर्देश दिए। उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को समन्वय बनाकर कार्य करने का निर्देश देते हुए कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना, उनकी समस्याओं का समाधान करना हम सभी की प्राथमिक जिम्मेदारी है, इसे पूरी तरह से निभाएं। इस बैठक में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारीगण, महिला पर्यवेक्षिका सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

युवा कवि मनीष मिश्र नन्दन को गया में किया गया सम्मानित

मेदिनीनगर (पलामू) नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पलामू के युवा कवि मनीष मिश्र उर्फ नन्दन को गया स्थित जगजीवन महाविद्यालय में आयोजित राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर स्मृति सह सम्मान समारोह के अवसर पर सम्मानित किया गया। दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी मां निर्दोष सेवा केन्द्र, केसपा, गया के तत्वावधान में आयोजित हुई। इसका उद्देश्य नई पीढ़ी को साहित्य से जोड़ना व राष्ट्रकवि दिनकर के विचारों को जन- जन तक पहुंचाना था। समारोह का उद्घाटन केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी, बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार, सेवा निवृत्त अपर पुलिस महानिदेशक राजवर्द्धन शर्मा व अन्य गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलन व दिनकर जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया।

कार्यक्रम का संचालन ऋतिक कुमार ने किया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विद्यालयों व महाविद्यालयों के छात्रों के बीच दिनकर काव्य प्रस्तुति प्रतियोगिता भी आयोजित हुई। इसमें कोमल कुमारी ने प्रथम, अदिति कुमारी ने द्वितीय व नूर आयशा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को सम्मान पत्र व दिनकर की रचित कुरुक्षेत्र पुस्तक प्रदान की गई। इस अवसर पर कवि मनीष मिश्र उर्फ नन्दन ने राष्ट्रकवि दिनकर को नमन करते हुए काव्यपाठ प्रस्तुत किया। संस्था ने उन्हें अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

प्रखंड स्तरीय 'स्कूल रुआर 2025' कार्यक्रम का हुआ भव्य आयोजन

ड्रॉपआउट बच्चों को विद्यालयों से जोड़ने को लेकर विस्तार से हुई चर्चा

खूँटी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। झारखंड शिक्षा परियोजना, खूंटी के तहत आज कर्रा प्रखंड के +2 उच्च विद्यालय कर्रा के सभागार में प्रखंड स्तरीय 'स्कूल रुआर 2025' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रखंड विकास पदाधिकारी सुश्री स्मिता नागेशिया संग जिला परिषद उपाध्यक्ष, प्रखंड प्रमुख, मुखिया, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी एवं अन्य अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए 'स्कूल रुआर 2025' कार्यक्रम के उद्देश्यों की जानकारी विस्तार से दी गई। उन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला तथा प्रखंड में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने एवं ड्रॉपआउट बच्चों को विद्यालयों से जोड़ने की दिशा में 'स्कूल रुआर 2025' कार्यक्रम की भूमिका को रेखांकित किया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने अपने अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने

संबोधित करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में विद्यालय के प्रति रुचि बढ़ाना एवं शिक्षा के महत्व को जन-जन तक पहुँचाना है। 'स्कूल रुआर 2025' अभियान के तहत यह प्रयास बच्चों को नियमित विद्यालय आने के लिए प्रेरित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बच्चों की स्कूल में उपस्थिति सुनिश्चित करना तथा शिक्षा के प्रति अभिभावकों और बच्चों में जागरूकता बढ़ाना हमारा मुख्य उद्देश्य है। 'स्कूल रुआर 2025' कार्यक्रम के माध्यम से स्कूल छोड़ चुके बच्चों की पहचान और पुनः नामांकन, बच्चों की उपस्थिति में सुधार, माता-पिता और समुदाय की भागीदारी को बढ़ावा देना, शिक्षा को रोचक और आकर्षक बनाकर बच्चों की सहभागिता सुनिश्चित करना जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर उपस्थित जिला परिषद उपाध्यक्ष, प्रखंड प्रमुख, मुखिया एवं पदाधिकारियों ने अपने-अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किए। इस अवसर पर जिला परिषद उपाध्यक्ष, प्रखंड प्रमुख, मुखिया, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, सीआरपी, बीआरपी, एनजीओ पार्टनर, शिक्षक, स्कूली बच्चे समेत अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

खो खो प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने किया अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। के.डी. लायंस स्पोर्ट्स एकेडमी के तत्वावधान में खो-खो लीग 2025 अंडर-17 (बॉयज) का आयोजन +2 हाई स्कूल, सेक्टर-8 ए में किया गया। इस टूर्नामेंट में झारखंड से कुल 10 टीमों ने भाग लिया। सम्पूर्ण टूर्नामेंट लीग कम नॉकआउट आधार पर हुआ।

जिसमें डी.ए. भी 2 सी, बोकारो विजेता घोषित हूई, उपविजेता यू. के क्लब धनबाद को एक इनिंग एवं 7 प्वाइंट से हराकर विजेता बनी। तृतिय स्थान पर प्लेग्रांउड क्लब हजारीबाग टीम रही। सभी खिलाड़ियों का उम्दा प्रदर्शन रहा। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक विरंची नारायण ने कहा कि यह खेल भारत में पौराणिक काल से खेली जा रही है।बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए खो खो बहुत ही उम्दा खेल है।आयोजक मंडल एवं समस्त खिलाड़ी को उन्होंने बधाई दी। विशिष्ट अतिथि कुशवंत देवा रिजनल उपाध्यक्ष एटक एवं अध्यक्ष चासनाला कोलिरी डिवीजन ने अभूतपूर्व आयोजन के लिए आयोजक मंडल को धन्यवाद देते हुए बच्चों के लिए हर संभव मदद का आश्वासन दिया।पुष्प गुच्छ से बालिका द्वारा अतिथि को स्वागत करने के उपरांत स्पोर्ट्स अकादमी के संस्थापक दीपक कुमार ने मुख्य अतिथि विरंची नारायण,विशिष्ट अतिथि कुशवंत देवा,गिन्नी भाय एवं सुनील मोहन को साल देकर सम्मानित किया। उन्होंने बताया कि लगभग 130 खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रथम पुरस्कार के लिए 5000 रुपए नगद राशि एवं द्वितीय पुरस्कार के लिए 3500 रुपए का नगद प्रोत्साहन दिया गया। स्वागत अभिनंदन एवं मंच का संचालन करते हुए समाजसेवी सह पत्रकार गंगेश कुमार पाठक ने कहा कि महाभारत काल में 'रणथम्भौर' नामक खेल से जाना जाता था।बोकारो में खो खो के प्रतिभावान खिलाड़ी हैं।

इस अवसर पर मैच रेफरी प्रवीण,अम्पायर नीखील,विकास, टाईमकिपर आकाश, एसकोरर राहुल एवं हर्ष कुमार राज के सहयोग की सभी ने सराहना की। मुख्य रुप से उपस्थित लोगों में अशोक कुमार महतो के.डी लाईन्स एकेडमी के संयुक्त सचिव,मंगल, सत्येंद्र, भारती टेक के डायरेक्टर ऋषिकेश चौधरी, रविन्द्र एवं अन्य गणमान्य थे।अंत मे धन्यवाद् ज्ञापन आयोजन कर्ता एवं एकेडमी के संस्थापक दीपक कुमार ने दी।

कदाचारमुक्त माहौल में संपन्न कराएं नीट परीक्षा : उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में सोमवार को उपायुक्त विजया जाधव की अध्यक्षता में आगामी 04 मई से प्रस्तावित नीट की परीक्षा को लेकर तैयारियों से संबंधित बैठक हुई। मौके पर डीपीएलआर निदेशक मेनका, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढ़ांडा, अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो मुकेश मछुआ, जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत अन्य उपस्थित थे।

उपायुक्त ने बैठक में कहा कि कदाचार मुक्त माहौल में परीक्षा संपन्न कराना हम सभी की जिम्मेदारी है। किसी भी स्थिति में कहीं कोई अव्यवस्था - कदाचार की सूचना नहीं मिलनी चाहिए। उन्होंने औचक निरीक्षण के दौरान अगर कदाचार करते कोई भी परीक्षार्थी पाये गये तो सख्त कार्रवाई करने की बात कहीं। उन्होंने बताया कि नीट परीक्षा को लेकर जिले में 08 परीक्षा केंद्र बनाएं गए हैं, जिसमें 2880 परीक्षार्थी शामिल होंगे। सभी केंद्रों में जिले के वरीय पदाधिकारियों को प्रतिनियुक्त करने का निर्देश दिया। बैठक में उपस्थित वरीय पदाधिकारियों को नीट परीक्षा को लेकर नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा जारी गाइडलाइन का अच्छी तरह से अध्ययन और उसका अक्षरशः अनुपालन कराने का निर्देश दिया। परीक्षा का संचालन निष्पक्ष तरीके से होनी है, इसमें किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उपायुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को सभी परीक्षा केंद्रों के सभी क्लास में सीसीटीवी लगाना सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि एक ही दिन में परीक्षा पूरी होगी। दोपहर दो बजे से पांच बजे तक परीक्षा संचालित होगी, केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। परीक्षा केंद्रों में प्रवेश के समय पुरूष/महिला सभी परीक्षार्थियों की जांच होगी। परीक्षा केंद्रों में पुलिस बल व दंडाधिकारियों की तैनाती होगी। अफवाह फैलाने वालों पर भी नजर रखनी है। ऐसे लोगों पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त ने दोनों अनुमंडल पदाधिकारियों को परीक्षा केंद्रों के बाहर धारा 163 निषेधज्ञा लगाने, विभिन्न होटलों एवं कोचिंग संस्थानों में छापेमारी का निर्देश दिया। इसके अलावा कई अन्य बिंदुओं पर चर्चा कर जरूरी दिशा - निर्देश दिया। उन्होंने सभी केंद्राधीक्षकों, प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों, संबंधित वरीय पदाधिकारियों के साथ दोबारा बैठक आहूत करने का निर्देश दिया। नीट परीक्षा को लेकर जिले में 08 परीक्षा केंद्र क्रमशः पीएम श्री पंचान्न राजबाला प्लस टू हाई स्कूल सतनपुर, डिस्ट्रिक्ट रामरूद्रा सीएम एसओई चास बोकारो, केंद्रीय विद्यालय नंबर वन सेक्टर फोर, श्री महावीर प्लस टू हाई स्कूल बिजुलिय़ा, केंद्रीय विद्यालय सीटीपीएस चंद्रपुरा बोकारो, अपग्रेडेड राजकीयकृत प्लस टू हाई स्कूल लकरखंदा,पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नंबर 03 एवं प्लस टू हाई स्कूल पेटरवार शामिल हैं।

संविधान के अनुसार नहीं चल रही देश की शासन व्यवस्था : बिट्टू पाठक

मेदिनीनगर (पलामू) नवबिहार टाइम्स संवाददाता। देश की शासन व्यवस्था संविधान के अनुसार नहीं चल रहा है। संविधान के प्रावधानों को कुचलकर तानाशाही रवैया के साथ निर्गुण शासन प्रणाली अपनाई जा रही हैं। देश के छात्रों व युवाओं के साथ-साथ विभिन्न समुदाय के अधिकारों का हनन किया जा रहा है। उक्त बातें कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक ने कहा। वे सोमवार को विश्रामपुर के बीमोड़ पर संविधान बचाओ रैली की सफलता को ले आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। पाठक ने कहा कि छात्रों का भविष्य, युवाओं के सपने, महिलाओं का सम्मान व नागरिकों का सम्मान कुचला जा रहा है। अधिकारों के लिए सड़को पर उतरे लोगों की आवाज कोई नहीं सुन रहा है। भाजपा के सांसद न्यायपालिका को परोक्ष रूप से धमकाने की कोशिश कर रहे हैं। संविधान की मूल प्रस्तावना को तार -तार करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके विरोध में कांग्रेस खड़ी है। कांग्रेस उनके मंसूबों को पूरा नहीं होने देगी। संविधान बचाओ महारैली की सफलता लेकर सोमवार को विश्रामपुर के बीमोड़ पर एक बैठक का आयोजन किया गया। विश्रामपुर, उंटारी रोड, पांडू व नावाबाजार प्रखंड के सभी प्रखंड अध्यक्ष शामिल हुए। बैठक में विश्रामपुर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सुधीर चंद्रवंशी, सत्यनारायण तिवारी, विश्रामपुर के पर्यवेक्षक संतोष चौबे, नावाबाजार के पर्यवेक्षक रामचंद्र दीक्षित, पांडू के पर्यवेक्षक अशोक सिंह, प्रखंड अध्यक्ष रवींद्र शुक्ला, मीर खुर्शीद आलम, रिंकू सिंह, सच्चिदानंद शुक्ला, तुलसी पासवान, सज्जाद अली शामिल थे।

गर्मी के मद्देनजर खराब जलमीनारों एवं चापाकलों की स्थिति जानने गांव-गांव पहुंच रहे पदाधिकारी

उपायुक्त के निदेश पर जिले के खराब चापाकल एवं जलमीनार होंगे दुरुस्त

मेदिनीनगर (पलामू) नवबिहार टाइम्स संवाददाता। गर्मी के मद्देजर जिले में जल संकट दूर करने को लेकर उपायुक्त शशि रंजन के निदेश पर प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी तथा पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल से जुड़े पदाधिकारी एवं कर्मी सक्रिय हो गये हैं। पदाधिकारी गांव-गांव भ्रमण खराब चापाकल, नलकूपों एवं जलमीनारों की स्थिति जानने के प्रयास में जुट गए हैं। पदाधिकारी खराब जलमीनार एवं चपकालों की स्थिति जान समझकर उसकी सूची तैयार करते हुए मरम्मत करने की पहल शुरू कर दी है, ताकि आमलोगों को पेयजलापूर्ति आसानी से किया जा सके। गर्मी के दिनों में किसी को पेयजल की संकट उत्पन्न नहीं हो। पिछले दिनों पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल द्वारा किए जा रहे कार्यो की

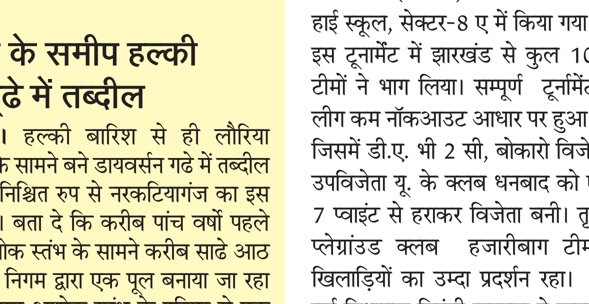

समीक्षा के दौरान उपायुक्त शशि रंजन ने जिले के सभी खराब जलमीनार एवं चपकालों को दुरुस्त करने का सख्त निदेश दिया था। उपायुक्त ने 10 दिनों के अंदर जलापूर्ति योजनाओं के कार्य समीक्षा करते हुए पेयजलापूर्ति सुनिश्चित कराने का निदेश दिया है। इसके अनुपालन में पदाधिकारी क्षेत्र भ्रमण कर पेयजल संकट के समाधान में पूरी तत्परता से जूट गये हैं, ताकि पंचायत में ग्रामीणों को पेयजल का प्रबंधन किया जा सके। सदर प्रखंड के चियांकी पंचायत में प्रखंड विकास पदाधिकारी जागो महतो एवं अन्य पदाधिकारियों ने भ्रमण कर खराब चापाकलों को देखा। पदाधिकारियों ने चापाकल चलाकर भी देखा, जिसमें मामुली गड़बड़ियां समझ में आयी। पदाधिकारियों ने मुखिया सभी वार्ड और पंचायत सचिव के साथ बैठक कर इसे शीघ्र दुरुस्त कराने का निर्णय लिया। वहीं पीडीएम डीलर द्वारा ई - केवाईसी कार्य किये जाने के कार्य का भी प्रखंड विकास पदाधिकारी ने निरीक्षण कर जानकारी ली। इसके साथ ही रविवार को छतरपुर प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी आशीष कुमार साहू, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल के कनीय अभियंता कुंदन कुमार, स्थानीय मुखिया हरेंद्र सिंह ने काला पहाड़ पंचायत के ग्राम डुंडुर एवं नौडीहा पंचायत के पुरेलवा गांव के भूईया टोला का निरीक्षण कर वहां के ग्रामीणों की समस्या से अवगत हुए। विशेष कर पानी की समस्यायों की जानकारी ली एवं उसके निदान हेतु कार्रवाई प्रारंभ की। साथ ही हुसैनाबाद के प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अन्य पदाधिकारी व कर्मियों ने महुदंड पंचायत के विभिन्न गांवों के खराब जलमीनार एवं चापाकल का निरीक्षण कर उसकी स्थिति से अवगत हुए। चापाकल और जलमीनार कब से एवं क्यों खराब पड़े हैं, इसकी जानकारी ली। साथ ही शीघ्र इसे ठीक करने हेतु पहल करने का आश्वासन स्थानीय ग्रामीणों को दिया। इसके अलावा उपायुक्त के निदेश के आलोक में अन्य प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अन्य पदाधिकारी गांव पंचायतों का भ्रमण कर खराब जलमीनार एवं चापाकलों को दुरुस्त कराने की पहल में जुटे हैं।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में पांकी में निकला कैंडल मार्च

मेदिनीनगर (पलामू) नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पहलगाम में हुए कायरतापूर्ण आतंकी हमले के विरोध में रविवार की देर शाम पलामू चैंबर ऑफ कॉमर्स इंडस्ट्रीज इकाई पांकी के नेतृत्व में प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से कैंडल मार्च निकाला गया। इसमें प्रखंड क्षेत्र के सैकड़ों व्यवसाई, जनप्रतिनिधि समेत ग्रामीण उपस्थित हुए। कैंडल मार्च कार्यक्रम की शुरूआत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर से की गई। इस दौरान लोग हाथों में कैंडल लेकर पाकिस्तान मुदार्बाद, आतंकियों के संरक्षण देने वाले देश को सबक सिखाओ, पाकिस्तान हाय- हाय जैसे कई रोषपूर्ण नारे लगाते हुए पैदल मार्च कर कपूर्री ठाकुर चौक पहुंचे। इसके बाद भगत सिंह चौक होते हुए अंबेडकर चौक पहुंच कर पुणः भगत सिंह चौक पहुंचे। यहां श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर कार्यक्रम का समापन किया गया। मारे गए पर्यटकों की याद में 2 मिनट का मौन रखा गया। मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए प्रखंड प्रमुख पंचम प्रसाद ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। कहा कि इस घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। आज हर जाति व हर धर्म के लोग आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद कर सरकार से कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। उन्होंने सरकार से तत्काल इस कायरता पूर्ण कृत्य में संलिप्त सभी दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। मौके पर उपस्थित भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष शंकर प्रसाद, अध्यापक संघ अध्यक्ष सतीश सिंह, पूर्व मुखिया नेहाल अंसारी, अबुल हसन, भाजपा नेता सह व्यवसायी गुड्डू प्रसाद, पांकी जामा मस्जिद के सेक्रेटरी अबुल हसन ने इस घटना

की कड़ी निंदा करते हुए केंद्र सरकार से तत्काल इस मामले में संलिप्त सभी दोषियों को कठोर से कठोर दंड देने की मांग की। कहा कि आतंकवादियों के संरक्षण देने वाले देश पाकिस्तान को सबक सिखाया जाए। घटना ने पूरे भारत के लोगों का आंसू बहाया है। जिस कारण आज इस कार्यक्रम में प्रखंड क्षेत्र के सभी जाति सभी धर्म के लोग इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर आतंकवाद के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं।कार्यक्रम में मुखिया प्रेम प्रसाद, रफीक अंसारी, हफीजुल अंसारी, गुड्डू प्रसाद, पप्पू यादव, उमेश गुप्ता, मदन प्रसाद, लखन कुमार, उत्तम प्रसाद, अखिलेश गुप्ता, तौकीर आलम, आफताब आलम समेत सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

जेनसोल इंजीनियरिंग के शेयरों में 13वें दिन भी गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। जेनसोल इंजीनियरिंग के शेयरों में सोमवार को भी गिरावट जारी रही। कंपनी के शेयर पांच प्रतिशत तक टूट गए और इसमें फिर लोअर सर्किट लग गया। कंपनी का शेयर बीएसई पर 5 प्रतिशत गिरकर न्यूनतम कारोबार की स्वीकार्य सीमा तथा 86.50 रुपये के 52 सप्ताह के निम्नतम स्तर पर पहुंच गया। एनएसई में यह 5 प्रतिशत गिरकर 85.65 रुपये पर आ गया। यह शेयर का एक और निचला सर्किट और 52 सप्ताह का निम्नतम स्तर है। सोमवार को लगातार 13वें

कारोबारी दिन कंपनी के शेयरों में गिरावट जारी रही है। इस दौरान शेयरों में 47 प्रतिशत की गिरावट आई है। अपने 52 सप्ताह के उच्चतम स्तर 1,125.75 रुपये से कंपनी के शेयर में 92.31 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है। जेनसोल और ब्लूस्मार्ट के प्रमोटर अनमोल सिंह जग्गी और पुनीत सिंह जग्गी भाइयों पर भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की ईवी खरीद के लिए ऋण राशि के डायवर्जन के आरोपों को लेकर विनियामक कार्रवाई की जा रही है। सेबी ने दोनों पर पूंजी बाजार प्रतिबंध लगा दिया है, जिससे उन्हें सूचीबद्ध कंपनियों में हिस्सेदारी रखने से रोक दिया गया है।

युवा अब एमएनसी में नौकरी करने की जगह उद्यमी बनना कर रहे पसंद

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने स्टार्टअप पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों में भारत की युवा पीढ़ी की मानसिकता बदली है। अब युवा बहुराष्ट्रीय कंपनियों (एमएनसी) में नौकरी की तलाश करने के बजाय उद्यमी बनना पसंद कर रहे हैं। वॉशिंगटन डीसी में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और अमेरिका-भारत सामरिक भागीदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) द्वारा आयोजित अमेरिका-भारत आर्थिक मंच में अपने भाषण

में गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि जब मैंने कॉलेज छोड़ा तो एमएनसी में नौकरी करना मेरा पसंदीदा विकल्प था। किसी ने भी अपना खुद का उद्यम शुरू करने के बारे में नहीं सोचा था। हाल के वर्षों में बड़ी संख्या में इंजीनियरिंग और प्रबंधन स्नातक उद्यमिता और स्टार्ट-अप की ओर रुख कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उद्यमिता की इस बढ़ती संस्कृति ने भारत को एक मजबूत स्टार्ट-अप इकोसिस्टम बनाने में मदद की है। देश में लगभग 150,000 मान्यता प्राप्त स्टार्ट-अप हैं, जिन्हें स्टार्ट-अप इंडिया, डिजिटल इंडिया और अटल इनोवेशन मिशन जैसी सरकारी पहलों का समर्थन प्राप्त है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि भारत में अब दुनिया में तीसरी सबसे बड़ी संख्या में यूनिकॉर्न हैं, जिनमें से कई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फिनटेक और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे उच्च तकनीक क्षेत्रों से उभर रहे हैं। भारत ने वैश्विक नवाचार सूचकांक में भी अपनी स्थिति में सुधार किया है।

भारत से सालाना 10 अरब डॉलर का माल जा रहा पाकिस्तान

व्यापार प्रतिबंधों के बाद भी लेन-देन

नई दिल्ली, एजेंसी। व्यापार प्रतिबंधों के बावजूद भारत से हर साल 10 अरब डॉलर से ज्यादा का माल दुबई, सिंगापुर और कोलंबो जैसे बंदरगाहों के जरिये अप्रत्यक्ष रूप से पाकिस्तान पहुंच रहा है। कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए बर्बर आतंकवादी हमलों के बाद लगाए गए व्यापार प्रतिबंधों के मद्देनजर आर्थिक थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने एक नोट में कहा, भारतीय कंपनियां इन बंदरगाहों पर सामान भेजती हैं। वहां एक स्वतंत्र कंपनी खेप को उतारती है और उन्हें बॉन्डेड गोदामों में रखती है। वहां ट्रांजिट के दौरान शुल्क का भुगतान किए बिना माल को रखा जा सकता है।

थिंक टैंक ने कहा, ट्रांजिट के बाद गोदामों में रखे गए माल के लेबल और दस्तावेजों को मूल देश (ओरिजिन कंट्री) से अलग दिखाने के लिए संशोधित किया जाता। ऐसे में लगता है कि माल किसी तीसरे देश से आ रहा है और फिर उसे ऊंची कीमतों पर बेचा जाता है। इस तरीके से कंपनियों को व्यापार प्रतिबंधों को दरकिनार करने और तीसरे देश के रास्ते से ऊंची कीमतों पर माल बेचने में मदद मिलती है। यह तरीका जांच से बचने में भी सहायक है, क्योंकि ऐसा लगता है कि व्यापार अन्य देशों से किया जा रहा है। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, व्यापार का यह तरीका हमेशा अवैध नहीं होता, लेकिन गुमराह करने जैसा है। इससे पता चलता है कि व्यापार के लिए कैसे रचनात्मक तरीके खोजे जाते हैं। कई बार उनकी चाल सरकारों की प्रतिक्रिया से भी तेज होती है।

ऐसे समझें व्यापार के इस तरीके का गणित

जीटीआरआई के नोट में उदाहरण के जरिये उत्पादों के लेबल को बदलकर ऊंची कीमतों पर बेचने का गणित बताया गया है। मान लीजिए, एक कंपनी भारत से दुबई के लिए एक लाख डॉलर मूल्य के ऑटो पार्ट्स का निर्यात करती है। भारत में निर्मित इन उत्पादों पर मेड इन यूएई का दोबारा लेबल लगाने के बाद 1.30 लाख डॉलर में पाकिस्तान भेज दिया जाता है, जिसके साथ भारत का सीधे तौर पर कोई व्यापार नहीं है। इस उच्च कीमत में भंडारण, कागजी कार्रवाई और बंद बाजार तक पहुंच भी शामिल है।

भारत ने पुलवामा हमले के बाद 200 फीसदी कर दिया था आयात शुल्क- 2019 में हुए पुलवामा आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के व्यापारिक संबंध खराब हो गए थे। इसके बाद भारत ने पड़ोसी देश से आयातित सभी वस्तुओं पर आयात शुल्क बढ़ाकर 200 फीसदी कर दिया। इसमें ताजे फल, सीमेंट, पेट्रोलियम उत्पाद और खनिज अयस्क शामिल हैं। इससे पहले 2017-18 में पाकिस्तान का भारत को निर्यात 48.85 करोड़ डॉलर था।

संसद के मानसून सत्र में पेश किया जाएगा बीमा संशोधन विधेयक, एफडीआई 100 प्रतिशत करने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के आगामी मानसून सत्र में बीमा संशोधन विधेयक पेश किया जा सकता है। विधेयक में बीमा क्षेत्र में एफडीआई की सीमा बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने की तैयारी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विधेयक का मसौदा तैयार है और इसे जल्द ही मंजूरी के लिए कैबिनेट के सामने पेश किया जाएगा। कैबिनेट की मंजूरी के बाद वित्त मंत्रालय के तहत वित्तीय सेवा विभाग विधेयक को संसद में पेश करने की प्रक्रिया शुरू करेगा। संसद का मानसून सत्र आमतौर पर जुलाई में शुरू होता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस साल के बजट भाषण में कहा कि वित्तीय क्षेत्र सुधारों के तहत बीमा क्षेत्र में विदेशी निवेश की सीमा को मौजूदा 74 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने का प्रस्ताव रखा। वित्त मंत्री ने कहा था कि, यह बढ़ी हुई सीमा उन कंपनियों के लिए उपलब्ध होगी जो भारत में पूरा प्रीमियम निवेश करती हैं। साथ ही विदेशी निवेश से जुड़ी मौजूदा शर्तों और सुरक्षा की समीक्षा की जाएगी और उन्हें सरल बनाया जाएगा।

ये किए जा सकते हैं बदलाव

रिपोर्ट्स के अनुसार, वित्त मंत्रालय ने बीमा अधिनियम, 1938 के विभिन्न प्रावधानों में संशोधन करने का प्रस्ताव दिया है, जिसमें बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को बढ़ाकर 100 प्रतिशत करना, और समग्र लाइसेंस का प्रावधान शामिल है। प्रस्तावित संशोधन पॉलिसीधारकों के हितों को बढ़ावा देने, उनकी वित्तीय सुरक्षा बढ़ाने और बीमा बाजार में अधिक खिलाड़ियों के प्रवेश को सुविधाजनक बनाने पर केंद्रित है। जिससे आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा। उल्लेखनीय है कि बीमा अधिनियम, 1938, भारत में बीमा के लिए विधायी ढांचा प्रदान करने वाला प्रमुख अधिनियम है। यह बीमा व्यवसायों के कामकाज के लिए ढांचा प्रदान करता है और बीमाकर्ता, उसके पॉलिसीधारकों, शेयरधारकों और नियामक इरेडा के बीच संबंधों को नियंत्रित करता है। वर्तमान में, भारत में 25 जीवन बीमा कंपनियाँ और 34 गैर-जीवन या सामान्य बीमा फर्म हैं। बीमा क्षेत्र में एफडीआई सीमा को पिछली बार 2021 में 49 प्रतिशत से बढ़ाकर 74 प्रतिशत की गई थी।

बचत का गणित 50-30-20: वित्तीय लक्ष्य हासिल करने के लिए अपनाएं नियम; पहले बचाएं, फिर खर्च पर दें ध्यान

नई दिल्ली, एजेंसी। भविष्य के वित्तीय लक्ष्यों को पाने के लिए हर व्यक्ति को अपनी कमाई के अनुसार बजट बनाना चाहिए। इससे पता चलता है कि आप कमाई का कितना हिस्सा खर्च करते हैं और कितनी राशि बचाते हैं। इसके लिए खर्च और बचत के नियम 50-30-20 को समझना आवश्यक है। यह आपकी कमाई, खर्च और बचत के बीच संतुलन बनाने में मददगार साबित होगा।

सीनेटर एलिजाबेथ वॉरेन ने अपनी पुस्तक ऑल योर वर्थ : द अल्टीमेट लाइफटाइम मनी प्लान में 50-30-20 नियम का जिक्र करते हुएबचत के तरीके बताए हैं।

इन बातों का भी रखें ध्यान

निवेश करते समय विशेषज्ञों की सलाह के बाद ही योजनाओं का चुनाव करें। महामारी जैसी आपात स्थिति से निपटने के लिए स्वास्थ्य बीमा, दुर्घटना बीमा आदि जरूर कराएं। अपने बाद परिवार की सुरक्षा करने के लिए टर्म बीमा लें। अच्छा पेंशन प्लान लें, जो बुढ़ापे में आपकी वित्तीय चिंता को दूर करे।

बाजार में सुधार से आईपीओ-एनएफओ की लगेगी लाइन, 66 कंपनियां एनएफओ की तैयारी में

नई दिल्ली, एजेंसी। कई देशों के बीच तनाव और महंगाई के चलते शेयर बाजार में अक्तूबर से जारी गिरावट अब थम गई है। बीएसई सेंसेक्स फिर से 80,000 के पार पहुंच गया है। निवेशकों को जितना घाटा हुआ था, उसकी आंशिक भरपाई भी हो रही है। बाजार की गिरावट में कंपनियां आईपीओ लाने की तैयारी कर रही हैं तो म्यूचुअल फंड नए फंड ऑफर (एनएफओ) लॉन्च करने के लिए तैयार बैठे है। फरवरी में महज तीन आईपीओ आए जबकि मार्च में एक भी नहीं आया। अप्रैल में एथर एनर्जी 2,981 करोड़ रुपये के साथ आईपीओ की शुरुआत कर रही है। ऐसे में आने वाले महीने से ज्यादा कंपनियां बाजार में उतर सकती हैं।

बढ़ने लगी है म्यूचुअल फंड स्कीमों की एनएवी- बाजार में सुधार से म्यूचुअल फंड स्कीमों की नेट एसेट वैल्यू यानी

एनएवी बढ़ने लगी है। म्यूचुअल फंड की ज्यादातर स्कीमें इक्विटी में निवेश करती हैं। इसलिए, बाजार में गिरावट पर एनएवी यानी रिटर्न भी घटने लगता है। अप्रैल में बाजारों की तेजी ने म्यूचुअल फंड के रिटर्न की वापसी कर दी है। जो निवेशक घाटे में चले गए थे, उनकी भरपाई हो रही है। ऐसा इसलिए क्योंकि जिन स्कीमों ने इक्विटी में निवेश किया था, उन कंपनियों के शेयरों में सुधार से रिटर्न पर असर दिख रहा है।

66 कंपनियां एनएफओ की तैयारी में- इस साल जनवरी से मार्च तक 66 म्यूचुअल फंड कंपनियों ने एनएफओ लाने के लिए सेबी के पास मसौदा जमा कराया है। 2024 में इसी अवधि में यह संख्या 56 थी। अप्रैल में 12 फंड हाउसों ने एनएफओ लॉन्च किया है। इसमें एसबीआई से लेकर कोटक, बजाज और एडलवाइस जैसे फंड हाउस हैं।

निप्पॉन इंडिया ने दो पैसिव फंड लॉन्च किया है जो 30 अप्रैल तक खुला रहेगा। इसमें एक निफ्टी 500 लो वोलैटिलिटी-50 इंडेक्स जबकि दूसरा निफ्टी-500 क्वालिटी-50 इंडेक्स फंड है।

कम अस्थिर शेयरों में करें निवेश- विश्लेषकों का मानना है कि निवेशकों को इस समय कम अस्थिर वाले शेयरों में निवेश करना चाहिए। निप्पॉन के दोनों फंड पैसिव हैं और ये एक फैक्टर इन्वेस्टिंग दृष्टिकोण का पालन करते हैं।साथ ही, अच्छे शेयरों में निवेश करते हैं, जो उन्हें मौजूदा अस्थिर बाजारों के माहौल में बचाव के रूप में पेश करते हैं।

सिर्फ 30,000 रुपये उधार लेकर दो दोस्तों ने शुरू किया काम

नई दिल्ली, एजेंसी। सागर दरयानी और बिनोद होमगाई ने कारोबार में बड़ी सफलता हासिल की है। कोलकाता के इन दो दोस्तों ने सिर्फ 30,000 रुपये से करोड़ों का साम्राज्य खड़ा कर दिया है। उन्होंने 2008 में डब्ल्यूओडब्ल्यू2! मोमो की शुरुआत की थी। यह रेस्टोरेंट चेन आज भारत में 800 से ज्यादा आउटलेट्स के साथ बड़ा फूड एम्पायर बन चुकी है। सागर और बिनोद ने ग्राहकों को बेहतरीन अनुभव देने के लिए इसकी शुरुआत की थी। यह चेन हाइजीन, क्वालिटी और अलग-अलग तरह के मोमोज पर फोकस करती है। कंपनी का टारगेट 650 करोड़ का रेवेन्यू हासिल करना है। 2027 में उसकी आईपीओ लाने की योजना है। कंपनी ने 2024 में 475 करोड़ रुपये का रेवेन्यू कमाया। कंपनी अब साउथईस्ट एशिया और खाड़ी देशों में विस्तार करने की सोच रही है। आइए, यहां सागर दरयानी और बिनोद होमगाई की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

उधार लेकर शुरू किया काम - सागर दरयानी और बिनोद होमगाई ने 29 अगस्त

अब 475 करोड़ का साम्राज्य

2008 को डब्ल्यूओडब्ल्यू2! मोमो की शुरुआत की। दोनों कोलकाता के सेंट जेवियर्स कॉलेज के छात्र रहे हैं। उनका मकसद सिर्फ मोमोज बेचना नहीं था। अलबत्ता, एक ऐसा एक्सपीरियंस देना था कि ग्राहक डब्ल्यूओडब्ल्यू2 कहें। उन्होंने कोलकाता में एक छोटे से कियोस्क से शुरुआत की थी। सागर और बिनोद का लक्ष्य था कि वे खाने के प्रति अपने प्यार को बड़ा आकार दें। सागर के पिता से 30,000 रुपये उधार लेकर उन्होंने अपना पहला मोमो स्टॉल लगाया। सागर मार्केटिंग और रिटेल का काम देखते थे, जबकि बिनोद प्रोडक्शन और क्वालिटी का ध्यान रखते थे। इस तरह उन्होंने एक छोटी सी दुकान को बड़ा ब्रांड बना दिया।

शुरुआत में आई कई मुश्किलें - शुरुआत में सागर और बिनोद को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। उन्होंने छोटे-छोटे कियोस्क से शुरुआत की। ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए कड़ी मेहनत की। उन्होंने चीज,बटर मसाला और मोबर्ग जैसे नए तरह के मोमोज बनाए। मोबर्ग एक मोमो-बर्गर है। शाह मिफ्तौर रहमान (फाइनेंस) और मुरलीकृष्णन (मार्केटिंग) के आने से डब्ल्यूओडब्ल्यू2! मोमो की टीम और भी मजबूत हो गई। सागर और बिनोद चाहते थे कि उनका ब्रांड खाने से कहीं ज्यादा हो। वे ऐसा अनुभव देना चाहते थे कि ग्राहक हैरान रह जाएं। इसलिए डब्ल्यूओडब्ल्यू2! मोमो का जन्म हुआ। यह नाम सिर्फ अच्छे खाने का नहीं, बल्कि एक यादगार अनुभव का वादा करता है। सागर और बिनोद का लक्ष्य था कि वे नए-नए व्यंजन बनाकर लोगों को खास एहसास कराएं।

अब करोड़ों का साम्राज्य

सागर और बिनोद की सफलता का राज सिर्फ उनका खाना नहीं है, बल्कि उनका बिजनेस बढ़ाने का तरीका भी है। 2024 तक उनके 800 से ज्यादा आउटलेट्स थे। ये आउटलेट्स दिल्ली, मुंबई, बेगलुरु जैसे शहरों में फैले हुए हैं। उन्होंने टेक पार्क कियोस्क और एम्यूजमेंट पार्क फूड ट्रक भी लगाए हैं। वे सेंट्रल किचन में खाना बनाते हैं और चिल्ड वाहनों से उसे आउटलेट्स तक पहुंचाते हैं। इससे क्वालिटी बनी रहती है और बिजनेस भी तेजी से बढ़ता है। डब्ल्यूओडब्ल्यू2! मोमो ने वित्त वर्ष 2023-24 में 475 करोड़ रुपये का रेवेन्यू कमाया। वित्त वर्ष 2022-23 में यह आंकड़ा 416 करोड़ रुपये था। इस तरह कंपनी ने 14 प्रतिशतकी ग्रोथ हासिल की।

चीन की कंपनी में बड़ी हिस्सेदारी खरीदने की रेस में मुकेश अंबानी और सुनील मित्तल

नई दिल्ली, एजेंसी। मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज चीन की प्रसिद्ध कंपनी हेयर के भारतीय ऑपरेशन में बड़ी हिस्सेदारी खरीदने की दौड़ में शामिल हो गई है।

वहीं, भारती ग्रुप के सुनील मित्तल का कंसोर्टियम, वॉरबर्ग पिंक्स, बुरमान परिवार (डाबर), गोल्डमैन सैक्स और सिंगापुर की जीआइसी भी इस डील के लिए रेस में हैं। हेयर इंडिया अपने इलेक्ट्रॉनिक्स और घरेलू उपकरणों के बिजनेस को भारत में मजबूत करने के लिए एक स्थानीय पार्टनर की तलाश में है। अगले कुछ हफ्तों में डील का ढांचा साफ होने की उम्मीद है। इसमें सरकारी मंजूरी और वैल्यूएशन पर बातचीत अहम होगी। हालांकि, रिलायंस और हेयर ने अभी तक आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है।

ईटी की खबर के मुताबिक हेयर इंडिया अपनी 25 प्रतिशतसे 51 प्रतिशतहिस्सेदारी बेचना चाहता है, जिसका वैल्यूएशन 2 से 2.3 बिलियन डॉलर (करीब 16,600-19,000 करोड़ रुपये) आंकी गई है। एमजी मोटर्स की तर्ज पर, हेयर एक भारतीय कंपनी को सबसे बड़ा शेयरहोल्डर बनाना चाहता है।

रिलायंस क्यों ले रही दिलचस्पी

रिलायंस इस डील के लिए अकेले आगे बढ़ रहा है और हेयर के चीन स्थित मुख्यालय से सीधी बातचीत कर रहा है। रिलायंस रिटेल के जरिए इस डील को अंजाम दे सकता है। कंपनी बीपीएल और केल्विनेटर जैसे ब्रांड्स के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में पहले से मौजूद है।

हेयर का भारत में बिजनेस- 2024 में हेयर इंडिया का टर्नओवर 8,900 करोड़ रुपये रहा, जो 2023 के मुकाबले 33 प्रतिशतज्यादा है।

अमेरिका-चीन टैरिफ वॉर का प्रभाव

अमेरिका में टैरिफ बढ़ने से चीनी कंपनियों का फोकस अब भारत जैसे बाजारों पर है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के आईपीओ में देरी से हेयर को सतर्क किया गया है।

क्यों महत्वपूर्ण है यह डील- रिलायंस को इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में अपने ब्रांड्स को मजबूत करने का मौका मिलेगा। वहीं, हेयर को भारत में लोकल पार्टनर मिलने से निवेश और एक्सपेंशन में आसानी होगी।

ईपीएफओ पोर्टल से यूजर्स परेशान

लॉगिन से लेकर पासबुक डाउनलोड तक में दिक्कत

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन का पोर्टल इन दिनों यूजर्स को टेंशन दे रहा है। लॉगिन करने से लेकर पासबुक डाउनलोड तक में आ रही दिक्कतों ने सदस्यों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। सोशल मीडिया पर यूजर्स का गुस्सा साफ झलक रहा है। देशभर से लोगों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसे लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की है।

क्या-क्या है प्रॉब्लम- यूजर्स को सबसे ज्यादा लॉगिन इश्यू, पासबुक का डाउनलोड न होना, केवायसी अपडेट और क्लेम में देरी जैसी समस्याएं झेलनी पड़ रही हैं। कई बार तो अकाउंट में लॉगिन होने के बाद भी पासबुक एक्सेस नहीं हो पाती। एक यूजर अनिल सिंह ने ट्वीट कर बताया, दो हफ्ते से उमंग ऐप और ईपीएफओ पोर्टल से पासबुक डाउनलोड करने की कोशिश कर रहा हूं, लेकिन सफल नहीं हो पा रहा। शिकायत करने पर भी कोई एक्शन नहीं लिया जा रहा।

क्यों आ रही हैं ये दिक्कतें- ईपीएफओ ने हाल में नई सुविधाएं जैसे आधार-आधारित ट्रांसफर और उमंग ऐप इंटीग्रेशन लॉन्च किए हैं। मगर, ये सिस्टम अभी पूरी तरह सेटल नहीं हुए हैं। सूत्रों के मुताबिक, नया आईटी सिस्टम 3.0 अपडेट चल रहा है, जिसकी वजह से पुराने सिस्टम में गड़बड़ियां आ रही हैं। इस प्रोसेस में अभी कुछ महीने और लग सकते हैं, तब तक सदस्यों को धैर्य रखने की सलाह दी जा रही है। यानी जब तक नया सिस्टम पूरी तरह लागू नहीं हो जाता, तब तक पुराने सिस्टम से ही काम चलाना पड़ेगा। ऐसे में यूजर्स को थोड़ी परेशानी और देरी के लिए तैयार रहना होगा।

क्या होगा नए सिस्टम में- ईपीएफओ के नए सिस्टम में बड़े

बदलाव होंगे। इसे बैंकिंग सिस्टम की तरह बनाया जा रहा है, जहां यूजर्स को पैसे निकालने में ज्यादा छूट मिलेगी। एक लिमिट तक बिना रोक-टोक पैसे निकालने, यूपीआई/एटीएम के जरिए ट्रांजैक्शन जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। साथ ही, जटिल नियमों को हटाकर प्रोसेस को सरल बनाया जाएगा।

समाधान के लिए क्या करें- ईपीएफओ ने सदस्यों को शिकायत पोर्टल पर कॉम्प्लेन दर्ज करने या अपने क्षेत्रीय कार्यालय से संपर्क करने की सलाह दी है। साथ ही, जल्द ही 23 भाषाओं में 24×7 हेल्पलाइन शुरू की जाएगी, जो यूजर्स की समस्याएं रियल-टाइम सुलझाएगी।

12_16.12..2018 PAGE-04.qxd 28-04-2025 21:47 Page 1

तीन पाकिस्तानी बच्चों को भेजा गया दिल्ली

जनवरी से मां के साथ रह रहे थे अपने नानी घर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
रांची। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत कूटनीतिक कदम उठाते हुए भारत में रह रहे पाकिस्तानियों को वापस भेजने का निर्णय लिया गया है। इस दिशा में कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। इसी क्रम में रांची के डोरंडा इलाके से तीन पाकिस्तानी बच्चों को दिल्ली भेजा गया है। मिली जानकारी के अनुसार, ये बच्चे अपनी भारतीय नागरिक मां के साथ डोरंडा के मनीटोला इलाके में रह रहे थे। बताया जा रहा है कि जनवरी महीने में तीनों बच्चे अपनी मां के साथ नानी के घर आए थे।
स्थानीय पुलिस को बच्चों की जानकारी मिलने के बाद, परिवार को भारत सरकार के आदेश की जानकारी दी गई। आदेश के अनुसार, पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजना अनिवार्य है। इसके बाद तीनों बच्चों को दिल्ली भेज दिया गया, जहां से उन्हें पाकिस्तान रवाना किया जाएगा। बच्चों की मां भी फिलहाल उनके साथ दिल्ली गई हैं।

कब्र खोदकर आधा दर्जन लाशें गायब

- सकते में प्रशासन, इलाके में सनसनी
- परिजन हुए आगबबूला, जांच में जुटी पुलिस

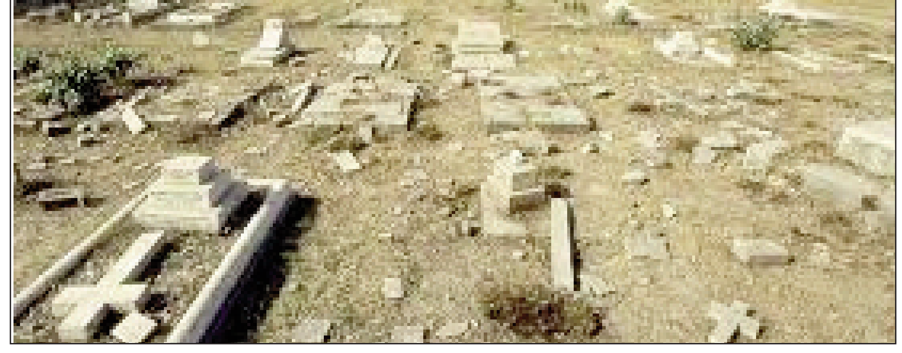

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
गोमो। कब्र को खोदकर आधा दर्जन शव गायब होने की चर्चा पूरे इलाके में फैलने से दहशत का माहौल है। मामला तोपचांची प्रखंड के बिशुनपुर श्मशान घाट का है।
आस-पास इलाके के लोग श्मशान घाट पहुंचने लगे, जहां कब्र की स्थिति देख लोग हतप्रभ रह गए। कब्र में दफनाए गए शव को पहचान करने के लिए तीन स्वजन श्मशान घाट पहुंचें, जहां कब्र में शव नहीं होने से लोग आगबबूला हो गए।
मामले की जानकारी हरिहरपुर थाना की पुलिस को दी गई। थाना के सब इंस्पेक्टर नारायण यादव दल बल के साथ पहुंचकर जांच पड़ताल में जुट गये।
पुलिस ने भी शव गायब होने की बात सही मानी है। कब्र से शव गायब होने से कई तरह की सवाल सामने आ रही है। उक्त श्मशान घाट से पहली बार कब्र से शव गायब होने का मामला सामने आया है।
श्मशान घाट से महज कुछ ही दूरी स्थित जीतपुर गांव है। यहां के अधिकांश महिला पुरुष और बच्चे श्मशान घाट के दस कदम की दूरी पर स्नान किया करते है, घटना के बाद से महिलाएं भी दहशत में हैं।
6 कब्र खोदे गए हैं, जिसमें से तीन शव कों स्वजनों ने पहुंचकर पहचान किया। 27 नवंबर 2024 को बिशुनपुर पंचायत के सेवानृवित रेलकर्मी बुधराम प्रसाद का शव दफनाया गया था। जिसकी पहचान उसके पुत्र सत्येंद्र प्रसाद उर्फ सत्तू ने किया।
26 जनवरी 2025 को बिशुनपुर गांव के भोला राम की मां को दफनाया गया था, जिसकी पहचान छोटे पुत्र विष्णु राम ने किया। 27 दिसंबर 2024 को बिशुनपुर के मोहन राम की मां को दफन किया गया था। जिसकी पहचान मोहन राम तथा भाई मुन्ना ने किया। अन्य तीन शव के स्वजन अबतक सामने नहीं आए हैं।
श्मशान घाट जाने का रास्ता काफी खराब है, उक्त रास्ते से चार चक्का पहिया का निशान जर्जर सड़क पर देखा गया है, जिससे संभावना जताई जा रही है कि सभी शव का अवशेष उठाकर वाहन के माध्यम से ले गए होंगे।
हालांकि, पुलिस उस पर भी जांच कर रही है। जिस स्थान पर श्मशान घाट है, वह स्थान बोकारो जिला का सीमा है। शव का अवशेष किस काम में उपयोग होगा, इसके लेकर लोग तरह-तरह की चर्चा कर रहे थे।
कई ग्रामीणों ने यह भी आशंका जताई कि कहीं तांत्रिक के द्वारा इस तरह का कृत्य नहीं किया गया।
जानवरों के भय से शव को दफन करने के लिए काफी गड्ढा किया जाता है, ताकि शव को जानवर निकाल न सके। इसके लिए शव को मिट्टी के बाद बड़े बड़े पत्थर डाल दिया जाता है, लेकिन कब्र से सारा पत्थर भी बाहर निकला हुआ है। गड्ढे के समीप काफी दुर्गंध आ रही थी।

लंबी दूरी की कई ट्रेनें हुई रद्द, बढी परेशानी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
धनबाद। दक्षिण भारत के साथ गोवा और गुजरात जानेवाले यात्रियों की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। रेलवे ने मंगलवार से पांच मई तक अलग-अलग दिनों में विभिन्न ट्रेनों को रद करने की घोषणा की है।
इनमें रक्सौल-हैदराबाद, दरभंगा-चर्लपल्ली, मालदा टाउन-सूरत और जसीडीह-वास्को द गामा के बीच चलने वाली ट्रेनें शामिल हैं। दक्षिण मध्य रेल के गोंदिया स्टेशन पर नान इंटरलाकिंग के कारण ट्रेनें अलग-अलग दिनों में रद रहेंगी।
हर दिन लंबी प्रतीक्षा सूची के साथ चलने वाली ट्रेनों के रद होने से दो महीने टिकट बुक करा चुके यात्रियों को अब विकल्प ढूंढ़ना हेगा। इनमें से प्रत्येक ट्रेन में लगभग दो यात्री सफर करते हैं। आठ ट्रेनों के रद होने से लगभग 16 हजार यात्रियों को परेशानी झेलनी होगी।
14 दिनों तक रद रहने के बाद रविवार से भुवनेश्वर-धनबाद स्पेशल ट्रेन की सेवा बहाल हो गई। धनबाद-भुवनेश्वर स्पेशल ट्रेन सोमवार से पटरी पर लौट जाएगी। रेलवे ने भुवनेश्वर-धनबाद स्पेशल को पहले 13 से 23 अप्रैल तक रद कर दिया था। बाद में 26 अप्रैल तक रद कर दी गई। धनबाद-भुवनेश्वर स्पेशल ट्रेन पहले 14 से 24 अप्रैल तक रद होने के बाद फिर 27 तक रद रही। खुर्दा रोड में विकास कार्यों के कारण दोनों ओर से ट्रेन के पहिए थमे रहे।
धनबाद से लोकमान्य तिलक के बीच चलने वाली स्पेशल ट्रेन के विलंब से पहुंचने के कारण वापसी में विलंब से चली लोकमान्य तिलक-धनबाद स्पेशल ट्रेन 28 घंटे 37 मिनट लेट से आई।
गुरुवार के बदले शुक्रवार की सुबह लोकमान्य तिलक से रवाना हुई तथा शुक्रवार रात 10:30 के बदले रविवार अलसुबह 3:07 पर धनबाद पहुंची।

अबुआ आवास योजना के लाभुकों को मिली चेतावनी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
लोहरदगा। भंडरा प्रखंड में संचालित विकास योजनाओं में तेजी लाने के उद्देश्य से सोमवार को बीडीओ प्रतिमा कुमारी ने प्रखंड के भौंरो, बेदाल, बलसोता गांव का भ्रमण का दौरा कर योजना कार्य का निरीक्षण किया।
बीडीओ ने मसमानो पंचायत में मनरेगा से संचालित बिरसा मुंडा आम बागवानी योजना का निरीक्षण कर लाभुक को घेराबंदी करने का निर्देश दिया। साथ ही पौधों की नियमित देखभाल को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया।
उन्होंने ही भौंरो पंचायत में निमार्णाधीन अबुआ आवास, प्रधानमंत्री आवास लाभुकों को कार्य में तेजी लाते हुए आवास योजना को पूर्ण करने का निर्देश दिया।
उन्होंने संबंधित पंचायत कर्मियों को मनरेगा में अधिक से अधिक श्रमिकों को जॉब कार्ड से जोड़ते हुए काम मुहैया कराने की बात कही है। साथ ही भौंरो पंचायत में खराब पड़े सोलर जलापूर्ति योजना को दुरुस्त कराने की बात कही है। उन्होंने कहा कि अपूर्ण योजनाओं को एक सप्ताह के अंदर पूर्ण करना सुनिश्चित करें।
वहीं, दूसरी ओर कोडरमा के विभिन्न पंचायतों में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं अबुआ आवास योजना अंतर्गत बन रहे आवासों का दो दिनों तक निरीक्षण किया गया। इसमें आवास बनवा रहे लाभुकों को जल्द आवास का निर्माण कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।
साथ ही राशि प्राप्त करने के 60 दिनों बाद भी आवास कार्य प्रारंभ नहीं करने वाले और पूर्ण लंबित आवासों के लाभुक को सख्त नोटिस देते हुए 10 दिनों के अंदर निर्माण कार्य शुरू करने की हिदायत दी गई। नोटिस में कहा गया कि तय समय में कार्य शुरू नहीं करने और अकारण सरकारी राशि अपने पास रखने पर लाभुकों पर एफआईआर कराई जाएगी। इसमें सविया देवी, सरस्वती देवी नावाडीह, राखी मुर्मू सभी निवासी नावाडीह, कविता देवी, सविता देवी, कविता देवी सभी निवासी जामु शामिल है। इसके अलावा विभिन्न पंचायतों में अन्य 42 लाभुकों को भी नोटिस दिया गया। निरीक्षण के क्रम में बीडीओ मरकच्चो, प्रखंड समन्वयक पीएमएवाईजी, पंचायत सचिव एवं ग्राम रोजगार सेवक एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

दो मंजिला मकान वाले को मिला योजना का लाभ

गढ़वा। गरीबों के आशियाने को अमीर लोग हथिया रहे हैं, यूं तो सुनने में यह बात कुछ अजीब सी लगेगी, लेकिन यह सच है। दरअसल, गरीब एवं बेघर लोगों के लिए राज्य सरकार ने जिस तामझाम से अबुआ आवास योजना शुरू किया था, वह कई जगहों में टांय-टांय फिस्स हो गया है।
सरकार के इस महत्वाकांक्षी योजना को पलीता लगाने में संबंधित पंचायतों के मुखिया, पंचायत सचिव एवं स्वयं सेवक के साथ ही उस प्रखंड के बीडीओ साहब की मिलीभगत है। लाभुक चयन में पैसे के खेल में गरीब एवं जरूरतमंद ताकते रह गए और अमीर लोगों को अबुआ आवास का लाभ दे दिया गया।
इस योजना में सबसे बड़ा खेल मझिआंव प्रखंड के सोनपुरवा पंचायत में चला है, जहां तीन दर्जन से अधिक वैसे लोगों या उनके सगे संबंधियों को योजना का लाभुक बना दिया गया है।

झारखण्ड की बेटी के धर्म परिवर्तन पर भड़के मरांडी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
सरायकेला। धर्मांतरण के विरोध में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन सहित भाजपा के नेता एक ओर आंदोलन चलाने की तैयारी में लगे हुए हैं।
वहीं, दूसरी ओर झारखंड की एक बेटी को पश्चिम बंगाल ले जाकर धर्म परिवर्तन कराया गया। उससे चार बच्चों के मुस्लिम युवक तस्लीम आलम ने शादी रचा ली। मामले को लेकर ग्रामीणों में उबाल है।
इस कारण एक बार फिर से झीमड़ी में ग्रामीणों के बीच चिंगारी सुलग रही है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हुए हैं। यह मामला नीमडीह के झीमड़ी का है, जहां गुरुवार की रात से ही सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं।
जानकारी के अनुसार सरायकेला-खरसावां जिले के नीमडीह प्रखंड के झीमड़ी की रहने वाली बेनूपदा महतो की 19 वर्षीय बेटी रीता महतो का धर्म परिवर्तन करा कर उसका नाम फिजा खातून रख दिया गया है।
18 मार्च 2025 को पश्चिम बंगाल के आसनसोल कोर्ट में एक एफिडेविट बनाया गया, जिसमें कहा गया है कि रीता महतो ने इस्लाम धर्म कबूल कर लिया है और वह इस्लाम धर्म के अनुसार रह रही हैं।
इसके साथ ही पश्चिम बंगाल स्थित मुस्लिम मैरिज रजिस्ट्रार एंड काजी के दफ्तर में मैरिज रजिस्ट्रेशन सार्टिफिकेट भी हासिल करने में सफल हो गए। इसके तहत झीमड़ी निवासी मो. तस्लीम आलम के साथ झीमड़ी निवासी फिजा खातून उर्फ रीता महतो ने निकाह कर लिया।
यह निकाह पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिला के इल्लम बाजार स्थित इल्लम बाजार मुस्लिम मैरिज एंड डाइवोर्स रजिस्ट्रार ऑफिस में 19 मार्च को हुआ। यानी 18 मार्च को कोर्ट में धर्म परिवर्तन का एफिडेविट बनाने के दूसरे ही दिन मैरिज का रजिस्ट्रेशन करा लिया गया।

क्या इन पाकिस्तानियों को भी छोड़ना होगा झारखण्ड ?

लॉग टर्म वीजा वाले लोगों को भारत छोड़ने की बाध्यता तो नहीं ?

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
रांची। झारखंड में भी दस पाकिस्तानी रह रहे हैं। इनमें तीन नाबालिग व सात बालिग हैं। सभी सातों बालिग लांग टर्म वीजा पर रह रहे हैं। लॉग टर्म वीजा वालों के लिए भारत छोड़ने की बाध्यता नहीं है। इसलिए ये भारत में ही रहेंगे। हालांकि, उनके भारत में रहने या नहीं रहने के मामले में पुलिस के अधिकारी कुछ भी बोलने से बच रहे हैं।
बताया जा रहा है कि भारत सरकार के दिशा-निर्देश के आलोक में कोई भी निर्णय होगा। संभवतः भारत सरकार ने लॉग टर्म वीजा वालों के लिए भारत छोड़ने के आदेश में थोड़ी ढील दी है।
पाकिस्तानी नागरिकों का झारखंड कनेक्शन अंतरदेशीय वैवाहिक बंधनों की वजह से है। जो तीन नाबालिग हैं, वे अपने ननिहाल में हैं।
राज्य में जो दस पाकिस्तानी नागरिक रह रहे हैं, उनमें झारखंड के रांची, धनबाद, जमशेदपुर और हजारीबाग में ये 10 पाकिस्तानी नागरिक अलग-अलग जगहों पर रह रहे हैं।
गौरतलब है कि भारत सरकार ने वीजा लेकर रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़ने का आदेश दिया है।
इसी आदेश के आलोक में सभी राज्यों में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों के बारे में वहां की स्थानीय पुलिस व विदेशी शाखा जानकारी जुटा रही है और वस्तु स्थिति से केंद्रीय गृह मंत्रालय को अवगत करा रही है। कौन वापस पाकिस्तान जाएगा और कौन रहेगा, इसपर भी विचार-विमर्श चल रहा है।

करोड़ों की लागत से तीन सड़कों की होगी मरम्मत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
चक्रधरपुर। बंदगांव प्रखंड में 8 करोड़ 98 लाख रुपये की लागत से तीन सड़कों की विशेष मरम्मत जबकि एक सड़क का नवनिर्माण कार्य होगा। इसे लेकर विधायक सुखराम उरांव ने विधिवत भूमि पूजन किया। सबसे पहले विधायक सुखराम उरांव ने बंदगांव प्रखंड के मेरोमगुटू पंचायत के ईटी से सिटीबुरु तक भाया कुवाडीह तक 5.9 किलोमीटर सड़क का शिलान्यास किया।
यह सड़क मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत ग्रामीण कार्य विभाग चक्रधरपुर द्वारा कराया जाएगा। इसकी लागत 6 करोड़ 54 लाख रुपये हैं। उसके बाद उन्होंने एनएच 75 से जलमय पथ 1.2 किलोमीटर कुल लागत 62 लाख रुपये तथा तिलडीह बंदगांव पथ से टिमड़ा पथ तक 1.75 किलोमीटर लागत 92 लाख तथा कोमडेला मुंडा टोली से बष्टमपदा तक 1.65 किलोमीटर लागत 90 लाख रुपये की विशेष मरम्मत कार्य का भूमि पूजन किया।
तीनों सड़क ग्रामीण कार्य विभाग चक्रधरपुर द्वारा कराया जाएगा। इस मौके पर ने कहा कि चक्रधरपुर विधानसभा क्षेत्र के बंदगांव प्रखंड काफी पिछड़ा हुआ इलाका है। इसलिए इस बार सबसे ज्यादा सड़कों का निर्माण बंदगांव प्रखंड में कराया जा रहा हैं। सड़कों के निर्माण हो जाने से ग्रामीणों को प्रखंड मुख्यालय, रांची और चक्रधरपुर-चाईबासा आने जाने में काफी सहुलियत होगी।
उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में बंदगांव प्रखंड में और कई योजनाओं का भूमि पूजन किया जाएगा। अब भी कई सड़कों तथा पुल पुलिया का निर्माण कराया जाएगा। जिससे इस क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिल सके। मौके पर विधायक प्रतिनिधि पीरू हेम्ब्रम, मिथुन गागराई, प्रखंड अध्यक्ष लखन हेम्ब्रम, जिला परिषद जसफीन हमसाय, प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष ताराकांत सिजुई, सुनिल लागुरी, रोबिन हापतगड़ा, शंकर नायक, विवेक उर्फ विक्की सिंह समेत काफी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नीरू शांति भगत के झामुमो में शामिल होने से एनडीए को लगा झटका

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
लोहरदगा। राज्य में लगातार राजनीतिक चुनौतियों से घिरे भाजपा की सहयोगी आजसू पार्टी की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं।
वक्फ संशोधन कानून पर भाजपा का नीतिगत साथ देने के बाद आजसू पार्टी के भीतर विरोध के स्वर तेज हो रहे हैं। आजसू पार्टी के उपाध्यक्ष हसन अंसारी ने वक्फ संशोधन कानून का समर्थन करने पर दल के विरुद्ध मोर्चा खोल दिया है। वहीं आज पार्टी को एक और बड़ा झटका लगा है।
लोहरदगा के पूर्व विधायक और आजसू के संस्थापक सदस्य स्वर्गीय कमल किशोर भगत की पत्नी नीरू शांति भगत जेएमएम में शामिल हो गई।
नीरू शांति भगत अपने समर्थकों के साथ रांची में जेएमएम के महासचिव विनोद पांडेय के समक्ष पार्टी में शामिल हुई। मौके पर जेएमएम के लोहरदगा जिला अध्यक्ष मोजम्मिल अहमद भी मौजूद रहे।
वर्ष 2024 के विधानसभा चुनाव में एनडीए प्रत्याशी के रूप में आजसू पार्टी से लोहरदगा विधानसभा चुनाव में अपनी किस्मत आजमा चुकी नीरू शांति भगत ने विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद ही आजसू पार्टी से इस्तीफा दे दिया था।
जिसके बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलकर पार्टी में शामिल होने की इच्छा जता चुकी थी। नीरू शांति भगत को विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार डॉ. रामेश्वर उरांव के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।
आजसू के इस्तीफा देने के करीब चार महीने बाद नीरू शांति भगत शनिवार को जेएमएम के महासचिव विनोद पांडेय के समक्ष पार्टी में शामिल हुई। इस मौके पर जेएमएम जिलाध्यक्ष मोजम्मिल अहमद सहित कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।
इस मौके पर उनके नेतृत्व में आजसू पार्टी के लोहरदगा, हजारीबाग और रामगढ़ के कई कार्यकताओं ने भी झामुमो की सदस्यता ग्रहण की। विनोद पांडेय ने उन सभी को पार्टी के नीति सिद्धांतों से अवगत कराते हुए संगठन को मजबूत कर कार्य करने का संकल्प दिलाया।
सदस्यता लेने वालों में आशुतोष गोस्वामी, विश्वास उरांव, अशोक लुगुन, अशोक कच्छप, संजय लकड़ा, रामचंद्र गिरी, शाहिद अंसारी, नसीम अख्तर, विजय उरांव, धर्मेंद्र भगत, सुभाष भगत, तौहीद कुरैशी, साजिद अहमद, शमीम अंसारी, कलीम खान, वसीम अंसारी आदि सम्मिलित हैं।
तमाम राजनीतिक चचाओं के बीच नीरु शांति भगत ने झामुमो का दामन थाम लिया। झामुमो महासचिव विनोद पांडेय ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलायी। झामुमो जिलाध्यक्ष लोहरदगा मोज्जमिल अहमद ने कहा कि झामुमो तेजी के साथ मजबूत हो रहा है। लोगों का भरोसा जेएमएम के प्रति बढ़ा है।

आदर्श जेल मैनुअल को ले हुई सुनवाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
रांची। झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ में आदर्श जेल मैनुअल बनाए जाने को लेकर स्वतः संज्ञान से दर्ज मामले में सोमवार को सुनवाई हुई।
सुनवाई के बाद अदालत ने सरकार को आदर्श जेल मैनुअल लागू करने के लिए दस जून तक का समय दिया है। सुनवाई के दौरान राज्य की गृह सचिव वंदना दादेल कोर्ट में उपस्थित हुईं थी। सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता राजीव रंजन ने अदालत को बताया कि 30 दिनों के अंदर आदर्श जेल मैनुअल अधिसूचित कर दिया जाएगा।
इसका ड्राफ्ट तैयार है, इसे कैबिनेट से पास कराया जाएगा। सरकार ने कोर्ट को मैनुअल को तीस दिनों में अधिसूचित करने की अंडरटेकिंग भी दी। इसके बाद अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 10 जून को निर्धारित की।
पिछली सुनवाई के दौरान खंडपीठ ने सरकार से सुप्रीम कोर्ट के 17 जनवरी के एक आदेश के आलोक में झारखंड में जेल मैनुअल बनाए जाने की जानकारी मांगी।
जिस पर सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि जेल मैनुअल का ड्राफ्ट तैयार है। कोर्ट में आदर्श जेल मैनुअल तैयार नहीं होने पर गृह सचिव को उपस्थित होने का निर्देश दिया था।
खंडपीठ ने मौखिक कहा था कि तीन माह पूर्व सुप्रीम कोर्ट ने जेल मैनुअल से संबंधित एक आदेश पारित किया है, लेकिन अब तक इसका अनुपालन झारखंड सरकार नहीं कर सकी है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत सभी राज्यों के लिए एक आदर्श जेल मैनुअल बनाया जाना है।

सामाजिक सम्मेलन में उठी भूमि वापस लेने की आवाज

बिना ग्रामसभा के ही दे दी गई थी 22 लाख एकड़ जमीन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता
गालूडीह । बाघुडिया पंचायत के केशरपुर स्थित गुडाझोर फुटबाल मैदान में माझी परगना महाल महुलिया तोरोप की ओर से एक दिवसीय सामाजिक सम्मेलन का आयोजन किया। देश पारगना बैजू मुर्मू की अध्यक्षता में आयोजित सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन, विशिष्ठ अतिथि जिला परिषद अध्यक्ष बारी मुर्मू शामिल हुईं।
अतिथियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। सम्मेलन में मंत्री रामदास सोरेन समेत अतिथियों ने संथाल समाज के नायकों की तस्वीर पर पुष्प अर्पण कर उन्हें नमन किया। सम्मेलन में मंत्री रामदास सोरेन ने कहा आदिवासी समाज की व्यवस्था व परपंरा को बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है।
केंद्र व राज्य सरकार संविधान के दायरे में रहकर काम करती हैं। संविधान के अनुसार गांव में ग्रामसभा सर्वोपरी है, लेकिन भाजपा के रघुवर दास सरकार ने उद्योग स्थापित करने के लिए 22 लाख एकड़ भूमि बिना ग्रामसभा की अनुमति के ही दे दी थी, ये ग्रामसभा का अपमान है। उक्त जमीन को वर्तमान सरकार द्वारा वापस करने का प्रयास किया जा रहा है। समाज से बड़ा कोई नहीं है। हर क्षेत्र में समाज की जरूरत होती है। समाज के नाम पर 10-20 रुपये सहयोग देना चाहिए, ताकि समाज अपनी सामाजिक व्यवस्था को कायम रख सके।
गाड़ी देने की घोषणा
मंत्री ने कहा कि देश परगना द्वारा सामाजिक व्यवस्था को मजबूत करने का काम किया जा रहा। मैं घोषणा करता हूं की एक बोलेरो वाहन निजी फंड से 15 दिनों के अंदर दिया जाएगा। ताकि देश परगना समाज का कार्य बेहतर तरीके से कर सके।
जिला परिषद अध्यक्ष बारी मुर्मू ने समाज को एकजुट होने का आह्वान किया। कहा मंत्री वाहन दे रहे हैं। मैं प्रतिमाह वाहन में तेल के लिए 10 हजार रुपए दूंगी। सम्मेलन में 35 गांव के माझी बाबा, पौरानिक गोडेत, जोगमाझी व समाज के महिला पुरुष पारंपरिक परिधान में शामिल हुए।
बैजू मुर्मू देश परगना बैजू मुर्मू ने कहा कि वर्तमान में आदिवासी संथाल समाज स्वशासन व्यवस्था का संचालन करते हुए सर्वांगीण विकास शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार के दिशा में काम कर रहा है। जल-जंगल जमीन को बचाते हुए संवैधानिक अधिकार का प्रचार-प्रसार करती है।
समाज के माझी बाबा अपने-अपने गांव की समस्याओं के समाधान को स्वतंत्र है। अगर विवाद उत्पन्न होता है तो सामाजिक व्यवस्था के तहत विचार व्यवस्था में स्थापित नियमावली का अनुपालन करते हुए उच्च स्तर पर अग्रसारित करें।
समाज के लोग अपने संस्कृति व पहचान बचाने के लिए एवं परंपराओं को सुरक्षित करने के लिए रुढ़ी प्रथा के तहत नियमावली का अनुपालन करें।
पुनः माझी परगना महाल के प्रतिनिधि प्रदेश के मुख्यमंत्री से मिलकर संथाली भाषा को ओलचिकी लिपि से पढ़ाई शुरू करने की मांग करेंगे। सम्मेलन में कई सामाजिक प्रस्ताव पारित किए गए। बैठक में मुख्य रूप से तोरोप पारगना बाबा हरिपदो मुर्मू, दासमत हांसदा, चंद्राय हांसदा, दुर्गा मुर्मू, मर्शाल मुर्मू, शांखो मुर्मू, बिरेन टुडू, लखीचरण सोरेन समेत अन्य उपस्थित थे।

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा आसनसोल मंडल में वाटर वेंडिंग मशीन (डब्ल्यूवीएम) के प्रावधान के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के मार्फ़त आ ईआरईपीएस पोर्टल के जरिये खुली ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। जिसका विवरण निम्नानुसार है:- **नीलामी कैटेलॉग संख्या : एएसएन-डब्ल्यूवीएम-25-2। क्र.सं.:** 1। **एसईक्यू संख्या:** एए/1। **लॉट संख्या/श्रेणी: एमएसएस-एएसएन-यूडीएल-डब्ल्यूवीएम-27-25-1। ई-नीलामी की तारीख/समय:** 09.05.2025 को दोपहर 1.00 बजे। **कार्य का विवरण:** 05 वर्षों की अवधि के लिए स्टैंड अलोन आधार पर अंडाल रेलवे स्टेशन की प्लेटफॉर्म संख्या 5-6 पर ओएचई मास्ट संख्या 186/26बी के पास वाटर वेंडिंग मशीन (डब्ल्यूवीएम) की स्थापना और परिचालन के लिए लाइसेंस प्रदान करना। **क्र.सं.:** 2। **एसईक्यू संख्या:** एए/2। **लॉट संख्या/श्रेणी: एमएसएस-एएसएन-डीजीएचआर-डब्ल्यूवीएम-24-25-1। ई-नीलामी की तारीख/समय:** 09.05.2025 को दोपहर 1.10 बजे। **कार्य का विवरण:** 05 वर्षों की अवधि के लिए स्टैंड अलोन आधार पर देवघर रेलवे स्टेशन की प्लेटफार्म संख्या 2 पर सबवे के पास बैठने की व्यवस्था संख्या 4 और 5 के बीच शेड के नीचे वाटर वेंडिंग मशीन (डब्ल्यूवीएम) की स्थापना और परिचालन के लिए लाइसेंस प्रदान करना। **क्र.सं.:** 3। **एसईक्यू संख्या:** एए/3। **लॉट संख्या/श्रेणी: एमएसएस-एएसएन-एमएनएई-डब्ल्यूवीएम-39-25-1। ई-नीलामी की तारीख/समय:** 09.05.2025 को दोपहर 1.20 बजे। **कार्य का विवरण:** 05 वर्षों की अवधि के लिए स्टैंड अलोन आधार पर मानकर रेलवे स्टेशन की प्लेटफॉर्म संख्या 1-2 पर सीट संख्या 16-20 और सीट संख्या 31-35 के बीच वाटर वेंडिंग मशीन (डब्ल्यूवीएम) की स्थापना और परिचालन के लिए लाइसेंस प्रदान करना। **क्र.सं.:** 4। **एसईक्यू संख्या:** एए/4। **लॉट संख्या/श्रेणी: एमएसएस-एएसएन-यूडीएल-डब्ल्यूवीएम-26-25-1। ई-नीलामी की तारीख/समय:** 09.05.2025 को दोपहर 1.30 बजे। **कार्य का विवरण:** 05 वर्षों की अवधि के लिए स्टैंड अलोन आधार पर अंडाल रेलवे स्टेशन की प्लेटफॉर्म संख्या 3-4 पर ओएचई मास्ट संख्या 186/36 के पास वाटर वेंडिंग मशीन (डब्ल्यूवीएम) की स्थापना और परिचालन के लिए लाइसेंस प्रदान करना। सभी संभावित बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि वे सम्पूर्ण विवरण के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें और दी गई अनुसूची के अनुसार ऊपर उल्लिखित ई-नीलामी में भाग लें।

(ASN-29/2025-26)

निविदा सूचना वेबसाइट: **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway easternrailwayheadquarter

कोहली नहीं, पीयूष ने क्रुणाल को दिया आरसीबी की जीत का श्रेय

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व स्पिनर पीयूष चावला को लगता है कि दिल्ली कैपिटल्स द्वारा उनके शीर्ष क्रम को झकझोरने के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ऐसी स्थिति में एंकर की भूमिका निभाने के लिए किसी की जरूरत थी जिसे बल्लेबाजी के उस्ताद विराट कोहली ने जिस तरह से अर्धशतक लगाकर निभाया। हालांकि उन्होंने कोहली के साथ ही जीत का श्रेय क्रुणाल पांड्या को भी दिया जिन्होंने स्पिन को अच्छे से खेला जबकि कोहली को मुश्किल हो रही थी। आरसीबी के 163 रनों के लक्ष्य का पीछा करने के दौरान दिल्ली ने वापसी की और मेहमान टीम को 26/3 पर रोक दिया। आरसीबी की बल्लेबाजी की गहराई की परीक्षा होनी थी, और क्रुणाल पांड्या और विराट ने सुनिश्चित किया कि उनकी टीम शानदार प्रदर्शन करे। विराट और क्रुणाल ने 119 रनों की शानदार साझेदारी करके बेंगलुरु को तालिका में शीर्ष पर पहुंचाया और रॉयल चैलेंजर्स को मुश्किल दौर से सुरक्षित निकाला।

साझेदारी के दौरान विराट ने स्ट्रोक रोटेशन पर बहुत अधिक भरोसा किया और अपनी नजरें बाउंड्री रोप पर टिकाए रखीं। कोहली 51(47) रन बनाकर डगआउट लौटे, उन्होंने गेंद को इनसाइड-आउट शॉट से भेजने की कोशिश की, लेकिन बाउंड्री रोप को पार नहीं कर सके। दुष्मंथा चमीरा की लेंथ डिलीवरी, जो ऑफ के बाहर थी, ने काम कर दिया, मिशेल स्टार्क ने शांतचित्त होकर कैच पूरा किया और विराट को आउट किया। चावला ने विराट की पारी के महत्व को रेखांकित किया, भले ही यह मौजूदा टी20 मानक को पूरा नहीं करती थी। उन्होंने कहा, विराट ने अपने 50 रन कैसे भी बनाए हों, महत्वपूर्ण बात यह है कि अंक तालिका में वे दो महत्वपूर्ण अंक हासिल किए जाएं। आरसीबी को पारी को संभालने के लिए कोई चाहिए था, स्कोर इतना बड़ा नहीं था। खासकर तीन विकेट खोने के बाद, आपको किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत होती है जो एक छोर से बहुत ज़्यादा विकेट न खो दे, ताकि दूसरे आपके इर्द-गिर्द घूम सकें। विराट ने बिल्कुल यही किया है। वे 51 रन भुवी के स्लॉग ओवरों जितने ही महत्वपूर्ण थे। विराट 160-170 रनों का पीछा करने के लिए बहुत बढ़िया गणना करते हैं और टीम को पीछा करने के लिए एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म देते हैं। कोहली ने एक छोर से विकेट संभाले रखा, वहीं क्रुणाल ने अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स पर बेंगलुरु की छह विकेट की शानदार जीत के पीछे मुख्य मास्टरमाइंड होने के कारण सुर्खियां बटोरीं। उन्होंने दिल्ली के बल्लेबाजों को अपनी फिरकी के जाल में उलझाकर रोका, अनुभवी फॉफ डु प्लेसिस का विकेट लिया और 1/28 के आंकड़े के साथ समाप्त किया। बल्ले से उन्होंने बेड़ियां तोड़ीं, अपनी बाहें खोलीं और 47 गेंदों पर 73* रन बनाकर मनोरंजक प्रदर्शन किया।

उन्होंने कहा, क्रुणाल ऐसे खिलाड़ी हैं जो स्पिनरों को अच्छी तरह खेलते हैं और इसलिए वे मध्य चरण में अधिक खतरनाक हो जाते हैं। बल्लेबाजी के लिए यह एक मुश्किल विकेट था - यहां तक कि विराट ने भी कहा कि यह एक मुश्किल सतह थी और इसलिए आपको क्रुणाल को बहुत अधिक श्रेय देना होगा। जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की, जिम्मेदारी ली और सोचे-समझे मौके बनाए यह वास्तव में उनके लिए फायदेमंद रहा। सबसे पहले, उन्होंने जमने के लिए 30 से अधिक गेंदें लीं और उसके बाद जिस तरह से उन्होंने तेजी से रन बनाए, वह शानदार था। उन्होंने कहा, जब मुश्किल सतह पर लक्ष्य का पीछा करने की बात आती है, तो आपको विराट कोहली और क्रुणाल पांड्या को श्रेय देना होगा जिस तरह से उन्होंने साझेदारी की। एक समय पर, वे बहुत दबाव में थे, लेकिन उन्होंने इसे गहराई तक ले जाना जारी रखा। विशेष रूप से क्रुणाल पांड्या, उन गणना किए गए जोखिमों को लेना और जरूरत पड़ने पर बड़े शॉट खेलना और उन्होंने सुनिश्चित किया कि आवश्यक रन रेट नियंत्रण में रहे। इसलिए टीम शानदार दिख रही है, और जिस तरह से वे खेल रहे हैं, सब कुछ योगदान दे रहा है और यही कारण है कि वे घर से बाहर जीत रहे हैं।

केएल राहुल भारतीय टी-20 टीम में वापसी के हकदार : केविन पीटरसन

दिल्ली कैपिटल्स के मेंटोर केविन पीटरसन ने अपनी टीम के स्टार और बल्लेबाज और विकेटकीपर केएल राहुल को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने राहुल के हालिया फॉर्म का हवाला देते हुए कहा कि वह भारतीय टी20 टीम में वापसी के हकदार हैं। अंग्रेज दिग्गज ने यह भी सलाह दी कि विकेटकीपर-बल्लेबाज के लिए चार नंबर सबसे बेस्ट है।

अच्छे लय में नजर आ रहे राहुल

दरअसल, राहुल पिछले कुछ समय से ञ-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में राहुल बेहतर नहीं कर पा रहे हैं और उनके प्रदर्शन पर भी सवाल उठे हैं। हालांकि, आईपीएल के इस सीजन में राहुल काफी बेहतर फॉर्म में नजर आ रहे हैं। वह अभी तक कुल 8 मैच खेले हैं। उन्होंने 146.18 स्ट्राइक रेट और 60.67 के औसत से कुल 364 रन बनाए हैं।

राहुल को लेकर केविन पीटरसन ने क्या कहा?

केविन पीटरसन ने कहा कि मैं टी20 क्रिकेट में भारत के लिए केएल राहुल को चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करवाऊंगा। उन्होंने कहा कि भारत के लिए ओपनिंग करने के कई सारे बल्लेबाज हैं, लेकिन राहुल जिस तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं, वह चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए मेरी पहली पसंद होंगे।

भारत के लिए बेहतर खेलते आए हैं राहुल- पीटरसन

उन्होंने आगे कहा कि केएल राहुल का खेल पिछले साल के अंत से काफी बेहतर रहा है। वह अभी भी सकारात्मक तरीके से ही खेल रहे हैं। वह भारत के लिए खेलते हुए कई मैच समाप्त भी किए हैं। दुबई में हुए चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान राहुल का प्रदर्शन काफी बेहतर रहा।

एशियाई योगासन में भारत ने 83 स्वर्ण पदक जीते

पाकिस्तान में होने वाले इस टूर्नामेंट से हटा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में भारत ने इस्लामाबाद (पाकिस्तान) में होने वाली एशियाई वॉलीबॉल चैंपियनशिप में अपनी टीम नहीं भेजने का फैसला लिया है। एशियाई योगासन चैंपियनशिप में भारत ने पूर्णरूप से अपना दबदबा बनाते हुए 83 स्वर्ण पदक जीते। एशियाई योगासन चैंपियनशिप में भारत ने पूर्णरूप से अपना दबदबा बनाते हुए 83 स्वर्ण पदक जीते। भारत ने तीन रजत और एक कांस्य पदक समेत इस चैंपियनशिप में कुल 87 पदक अपने नाम किए। जापान तीन स्वर्ण, तीन रजत और चार कांस्य पदक जीतकर दूसरे स्थान पर रहा। मंगोलिया, ओमान, नेपाल शीर्ष पांच में रहे। चैंपियनशिप में कुल 21 देशों ने शिरकत की, जिसमें उज्बेकिस्तान, थाईलैंड, कजाखस्तान भी शामिल हैं। पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में भारत ने इस्लामाबाद (पाकिस्तान) में होने वाली एशियाई वॉलीबॉल चैंपियनशिप में अपनी टीम नहीं भेजने का फैसला लिया है। पाकिस्तान वॉलीबॉल महासंघ (पीवीएफ) ने रविवार को कहा कि भारत ने अगले माह इस्लामाबाद में होने वाली मध्य एशियाई वॉलीबॉल प्रतियोगिता से अपना दल हटा लिया है। पीवीएफ के अधिकारी अब्दुल अहद ने कहा कि भारत ने 28 मई से जिन्ना परिसर में शुरू होने वाली चैंपियनशिप के लिए 22 खिलाड़ियों सहित 30 सदस्यीय टीम भेजने की पुष्टि की थी।

सर्दिनिया विश्व शतरंज: भारत के लियॉन की जीत से शुरुआत, बेट्टाली नें किया उलटफेर

सर्दिनिया, इटली, एजेंसी। आज से शुरू हुए सर्दिनिया विश्व शतरंज फेस्टिवल में भारत के ग्रांड मास्टर और दूसरे वरीय लियॉन मेन्दोंसा नें इज़राइल के सिट्बोन इताय और को नोय एयल को पराजित करते हुए अपने अभियान की शानदार शुरुआत की है और लगातार दो जीत के साथ सयुंक्त बढ़त पर चल रहे है अब तीसरे राउंड में उनका सामना भारतीय मूल के खिलाड़ी कनाडा के राजा पंजवानी से होगा । वही दूसरे राउंड में बड़ा उलटफेर किया इटली के 28वें वरीय खिलाड़ी बेट्टाली फ्रांचीसको नें जिन्होने पिहकले साल के विजेता और टॉप सीड डेनियल धारधा को पराजित करते हुए सभी को चौंका दिया । डेनियल के खिलाफ काले मोहोरो से खेलते हुए बेट्टाल्ली नें अपने जीवन का एक सर्वश्रेस्ठ प्रदर्शन करते हुए सिसिलन रोजोलिमों ओपनिंग में एक मात्र 37 चालों में शानदार जीत दर्ज की । वहीं तीसरे वरीय ग्रांड मास्टर भारत के एसएल नारायनन जिन्हे पहले राउंड में जर्मनी के सिदने पंजर नें ड्रॉ खेलने पर विवश कर दिया था उन्होने दूसरे राउंड में वापसी करते हुए हमवतन प्रणव रविकुमार को पराजित किया और अब अगले राउंड में उनका सामना नीदरलैंड के वान डेर लेनदे से होगा। 50 हजार यूरो पुरूस्कार वाली इस प्रतियोगिता में 25 देशो के करीब 200 खिलाड़ी भाग ले रहे है ।

36 शब्दों में विजय माल्या ने आरसीबी की सफलता का पीटा ढिंढोरा, विराट कोहली का नाम तक नहीं लिया!

नई दिल्ली, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने दिल्ली कैपिटल्स को हराकर अपनी पिछली हार का बदला ले लिया. इसके साथ ही पॉइंट्स टेबल के टॉप पर पहुंच गया. टीम के स्टार बल्लेबाज इस सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाकर ऑरेंज कैप अपने नाम कर लिया है. इसके अलावा तेज गेंदबाज जॉस हेजलवुड ने इस सीजन में अभी तक सबसे ज्यादा विकेट लेकर पर्पर कैप अपने नाम कर लिया है. टीम की इस शानदार उपलब्धि पर आरसीबी के पुराने मालिक विजय माल्या ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी है. बता दें कि विजय माल्या विभिन्न बैंकों से 9000 करोड़ का लोन लिया था. वह इसे बिना चुकाए ही साल 2016 में देश छोड़कर चले गए थे. तब से आरसीबी ने उनसे नाता तोड़ लिया था.

दिल्ली के खिलाफ जीत पर माल्या ने दी बधाई

आईपीएल 2025 के 46वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने दिल्ली कैपिटल्स को 6 विकेट से हरा दिया. इस जीत से आरसीबी के पुराने मालिक विजय माल्या बहुत खुश हैं. उन्होंने सोशल मीडिया के अपने हैंडल पर सिर्फ 36 शब्दों में आरसीबी की टीम को बधाई दी है. माल्या ने अपने बधाई में विराट कोहली या किसी खिलाड़ी का खास तौर पर नाम नहीं लिया. उन्होंने लिखा- दिल्ली कैपिटल्स पर शानदार जीत के लिए आरसीबी को बधाई. 6 में से 6 जीत.. आईपीएल में रिकॉर्ड बनने वाला है. ऑरेंज और पर्पल कैप दोनों ही टीम के लिए बोनस हैं. अब तक की उपलब्धियां शानदार है. ऐसे ही हिम्मत से खेलते रहो.

ऋषभ पर बीसीसीआई ने लगाया 24 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। लखनऊ सुपर जायंट्स को मुंबई इंडियंस के खिलाफ रविवार को मिली हार के बाद एक और झटका लगा है. कप्तान ऋषभ पंत और लखनऊ के सभी प्लेयर्स पर बीसीसीआई ने जुर्माना लगाया है. इस मैच में 216 रनों का पीछा करते हुए लखनऊ 161 रनों पर ढेर हो गई थी और मुंबई ने 54 रनों से मैच जीत लिया था.

लखनऊ सुपर जायंट्स टीम पर ये जुर्माना स्लो ओवर रेट के कारण लगाया है. ये इस सीजन लखनऊ का दूसरा उल्लंघन है, जिसके कारण पंत पर भारी जुर्माना लगा है और अन्य खिलाड़ियों को भी नुकसान हुआ है. दरअसल पहली बार ऐसा होने पर सिर्फ कप्तान पर जबकि दूसरी बार ऐसा होने पर कप्तान के साथ खिलाड़ियों पर भी जुर्माना लगता है.

ऋषभ पंत पर 24 लाख का जुर्माना

आईपीएल द्वारा जारी बयान में बताया गया कि, लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत पर जुर्माना लगाया गया है क्योंकि उनकी टीम ने रविवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के खिलाफ टाटा इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के मैच 45 के दौरान धीमी ओवर-रेट बनाए रखी. चूंकि यह आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत सीजन में उनकी टीम का दूसरा अपराध था, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, इसलिए पंत पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया. इम्पैक्ट प्लेयर सहित प्लेइंग इलेवन के बाकी सदस्यों पर या तो छह लाख रुपये या उनकी संबंधित मैच फीस का 25 प्रतिशत, जो भी कम हो, जुर्माना लगाया जाएगा.

आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी का खराब फॉर्म जारी

ऋषभ पंत आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे प्लेयर हैं, उन्हें लखनऊ सुपर जायंट्स ने 27 करोड़ रूपये में खरीदा था. कप्तान बनाने के साथ टीम को उम्मीद थी कि उनकी टीम अच्छा करेगी. टीम का प्रदर्शन तो बहुत बुरा नहीं है लेकिन कप्तान ने अभी तक निराश किया है. रविवार को भी मुंबई इंडियंस के खिलाफ वह सिर्फ 4 रन बनाकर पवेलियन लौट गए. ऋषभ पंत ने 10 मैचों में सिर्फ 110 रन बनाए हैं, जबकि सिर्फ एक पारी में उन्होंने 63 रन बनाए थे. लखनऊ की ये 10 मैचों में 5वीं हार है. 10 अंकों के साथ टीम छठे स्थान पर है. अब बचे हुए 4 मैच लखनऊ के लिए महत्वपूर्ण होने वाले हैं.

लिवरपूल ने 20वीं बार प्रीमियर लीग का खिताब जीता, मैनचेस्टर सिटी एफए कप के फाइनल में

लंदन, एजेंसी। इस जीत से लीवरपूल के 34 मैचों में 84 अंक हो गए, जबकि दूसरे स्थान पर काबिज आर्सेनल के इतने ही मैचों में 67 अंक है। आर्सेनल के लिए अब बाकी बचे मैचों में लीवरपूल की बराबरी करना संभव नहीं है। लिवरपूल ने इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल मैच में रविवार को एकतरफा मुकाबले में टोटेनहैम को 5-1 हराकर 20वीं बार इस खिताब को अपने नाम कर मैनचेस्टर यूनाइटेड के रिकॉर्ड की बराबरी की। डोमिनिक सोलंके के 12वें मिनट में किये गोल से पिछड़ने के बावजूद लीवरपूल ने प्रशंसकों को निराश नहीं किया और मध्यांतर तक 3-1 की बढ़त कायम कर उन्हें जश्न मनाने का मौका दे दिया।लुइस डियाज ने मैच के 16वें मिनट में बराबरी का गोल दागा, जबकि एलेक्सिस मैक एलिस्टर ने इसके आठ मिनट बाद टीम को बढ़त दिला दी। कोडी गोपिको ने 34वें मिनट में लिवरपूल को 3-1 से आगे कर दिया। टीम का दबदबा मध्यांतर के बाद भी जारी रहा। दिग्गज मोहम्मद सालाह ने 63वें मिनट में गोल कर 4-1 की बढ़त बना दी।

डेस्टिनी उडोगी के आत्मघाती गोल ने लिवरपूल को 5-1 से आगे करने के साथ टोटेनहैम के लिए वापसी के दरवाजे भी बंद कर दिए। इस जीत से लिवरपूल के 34 मैचों में 84 अंक हो गए, जबकि दूसरे स्थान पर काबिज आर्सेनल के इतने ही मैचों में 67 अंक है। आर्सेनल के लिए अब बाकी बचे मैचों में लीवरपूल की बराबरी करना संभव नहीं है। लिवरपूल के खिलाड़ियों ने 2020 के बाद प्रीमियर लीग के अपने पहले खिताब का कोच आर्ने स्लॉट के साथ गाना गा कर मनाया। इस दौरान सालाह ने प्रशंसकों के साथ सेल्फी (फोटो) खिंची। टीम ने 2020 में जब 30 साल के खिताबी सूखे को खत्म किया था तब कोविड महामारी के कारण स्टेडियम में प्रशंसक मौजूद नहीं थे लेकिन इस बार बड़ी संख्या में दर्शक टीम की लाल रंग की जर्सी में मौजूद थे। प्रशंसकों ने 20 अंक लिखा हुए बड़े-बड़े झंझे लिये थे , जो टीम के 20वें खिताब को दर्शा रहा था। अन्य मैचों में रासमस होजलंड ने अतिरिक्त समय में गोल करके मैनचेस्टर यूनाइटेड को बौर्नमाउथ के खिलाफ 1-1 से बराबरी दिला दी।

कोच पेप गार्डियोला की देखरेख में मैनचेस्टर सिटी का सबसे खराब सत्र भी ट्रॉफी के साथ समाप्त हो सकता है क्योंकि टीम ने रविवार को यहां वेम्बली स्टेडियम में नॉटिंघम फॉरेस्ट को 2-0 से हराकर लगातार तीसरे वर्ष एफए कप फाइनल में प्रवेश किया। सिटी की टीम को यह सफलता उसी दिन मिली जब वह आधिकारिक तौर पर इंग्लिश प्रीमियर लीग के खिताबी दौड़ से बाहर हो गयी। इससे प्रशंसकों को निराशाजनक सत्र के बीच खुशी मनाने का कुछ मौका मिल गया।रिको लुईस ने मैच के दूसरे मिनट में गोल कर के टीम को बढ़त दिला दी जबकि रक्षापंक्ति के खिलाड़ी जोस्को ग्वारडिओल ने 51वें मिनट में कॉर्नर से हेडर के जरिए गोल में बदल कर बढ़त दोगुनी कर दी। फॉरेस्ट की टीम ने इसके बाद तीन बार गोल करने के मौके बनाये लेकिन टीम एक को भी भुनानो में सफल नहीं रही। सिटी की टीम इससे पहले चैंपियंस लीग में भी अंतिम 16 चरण में पहुंचने में नाकाम रही थी।

संक्षिप्त समाचार

रोड रेज में टैक्सी ड्राइवर को मारा चाकू, आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर पूर्वी जिले की खजूरी खास इलाके में रोडरेज में चाकू से हमला करने का मामला सामने आया है। हमले में दो लोग घायल हो गए। सूचना के बाद पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया और मामला दर्ज कर जांच के दौरान एक आरोपित को गिरफ्तार किया। उत्तर पूर्वी जिलेके डीसीपी हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि आरोपित की पहचान जय कुमार के रूप में हुई है। इसके अलावा वारदात में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया है। पुलिस पकड़े गये आरोपित से पूछताछ करके वारदात में शामिल उसके अन्य साथियों के बारे में पता लगाने की कोशिश कर रही है। पुलिस के मुताबिक, गत 24 अप्रैल रात करीब 9.45 बजे खजूरी चौक के पास रोडरेज में चाकूबाजी की सूचना मिली। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम को घायल हालत में दो पीड़ित इकराम व शहजाद मिले। दोनों खजूरी खास इलाके के ही रहने वाले हैं। पीड़ितों ने बताया कि जब आरोपी पुराना थाना कट के पास पहुंचे तो उनकी कारें बाइक सवारों के साथ टकरा गईं। कहासुनी के दौरान अज्ञात बाइक सवारों ने इकराम और शहजाद पर चाकू से हमला कर उन्हें घायल कर दिया और फरार हो गए। इसके बाद इंस्पेक्टर राकेश यादव की टीम ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज व स्थानीय सूत्रों की मदद से आरोपितों में से एक की पहचान 23 वर्षीय जय कुमार उर्फ अनुज पंडित निवासी गली संख्या नौ, शिव विहार के रूप में की और फिर उसे गिरफ्तार कर लिया।

दिल्ली देहात से यूपीएससी में चयनित दीपक गोदारा को कांग्रेस प्रवक्ता ने दी घर जाकर बधाई

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ नरेश कुमार ने संघ लोक सेवा आयोग 2024 की परीक्षा में 92 स्थान पर चयनित दिल्ली देहात के मेधावी युवक दीपक गोदारा को उनके आवास पर जाकर रविवार को बधाई दी। डॉ. कुमार ने मीडिया में जारी एक बयान में कहा कि यह पहला मौका है जब दिल्ली देहात से किसी पुरुष उम्मीदवार का चयन आईएएस पद के लिए हुआ है। उन्होंने कहा कि दीपक गोदारा ने एक सरकारी स्कूल में पढ़कर पांचवें प्रयास में यह उपलब्धि हासिल की है जो सराहनीय है। दीपक एक अति साधारण परिवार से हैं और उनके पिता पहलवान है। दीपक ने अपनी पिछली असफलताओं से हार नहीं मानी और लगातार मेहनत जारी रखी। उन्होंने कहा कि यह काफी दिल्ली दुखद है कि इस शानदार उपलब्धि के बावजूद दिल्ली देहात से न कोई सांसद न विधायक और न ही किसी मंत्री ने दीपक की हौंसला अफजाई की है। दीपक बिजवासन विधानसभा क्षेत्र के भरथल गांव के रहने वाले है। कांग्रेस प्रवक्ता ने दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को एक ज्ञापन प्रेषित कर मांग की है कि दिल्ली सरकार की और से ऐसी प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाए। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती रहे। इस मौके पर डॉ. कुमार के साथ दिल्ली देहात की सर्व खाप प्रधान सुरेंद्र सोलंकी भी रहे।

घर से लापता तीन किशोरियों को परिजनों से मिलाया

नई दिल्ली, एजेंसी। घर से लापता तीन किशोरियों को साउथ वेस्ट जिला पुलिस ने बरामद कर परिजनों से मिलाया है। उनकी तलाश में पुलिस ने सोशल मीडिया से लेकर मैनुअल स्तर तक सभी संभावित प्रयास किए। किशोरियों के परिजनों व दोस्तों से भी जानकारी हासिल की गई। साउथ वेस्ट डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि सागरपुर इलाके से 17 वर्षीय किशोरी के लापता होने की शिकायत मिली थी। पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर उसकी तलाश आरंभ की। कोई सफलता न मिलने पर एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट के प्रभारी बलबीर सिंह की देखरेख में टीम गठित की गई। इस दौरान टीम ने बच्ची के परिजनों व दोस्तों से जानकारी हासिल की। इसके अलावा विभिन्न ग्रुपों में फोटो भी साझा किए गए। काफी खोजबीन के बाद लापता किशोरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से बरामद कर लिया गया। इसके अलावा नेब सराय इलाके में 14 और 16 वर्षीय किशोरियों के लापता होने की शिकायत मिली थी।

दिल्ली के बुजुर्गों को 10 लाख तक फ्री इलाज, सरकार ने बांटे आयुष्मान कार्ड

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में आज 70 साल या इससे ऊपर के बुजुर्गों को प्रधानमंत्री वय वंदन योजना के तहत आयुष्मान कार्ड बांटे गए हैं। दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी,दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता,बिजली मंत्री आशीष सूद, पीडब्ल्यूडी मिनिस्टर प्रवेश वर्मा भी उपस्थित थे।

यह योजना 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को 10 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान करती है। आइए जानते हैं कि इस योजना से बुजुर्गों को स्वास्थ्य लाभ कैसे मिलेगा?

इस योजना की एक खास बात यह है कि यह सभी जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं वरिष्ठ नागरिकों को उनकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति देखे बिना देगी। इस योजना के लाभार्थियों का चुनाव राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम और सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना 2011 के आंकड़ों के आधार पर किया जाएगा। 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को भी इसमें शामिल किया जाएगा। खास बात यह है कि 4.5 लाख ऐसे परिवार जिनमें 70 वर्ष से अधिक आयु के लोग हैं -जिनमें से कुछ अपनी आर्थिक स्थिति के अनुसार पहले से ही इस योजना के लिए पात्र हो सकते हैं,उन्हें भी फायदा मिलेगा।

दिल्ली के सभी निवासी जिनकी उम्र 70 साल और उससे ज्यादा है,वे इसके लिए पात्र हैं,चाहे उनकी आमदनी कितनी भी हो। आवेदन करने वाले व्यक्ति को दिल्ली का स्थायी निवासी होना चाहिए। इस आयु वर्ग के वरिष्ठ नागरिकों के लिए आमदनी या जाति का कोई बंधन नहीं है।

स्वास्थ्य बीमा- हर परिवार को हर साल 5 लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त मिलेगा, जिसमें बड़े और छोटे दोनों तरह के अस्पताल के खर्च शामिल हैं।

इसमें 27 अलग-अलग तरह की बीमारियों के 1,961 इलाज शामिल हैं, जैसे कि दवाइयाँ, जाँच, ऑपरेशन, आईसीयू का खर्च और भी बहुत कुछ। आपको इलाज के लिए तुरंत पैसे देने की जरूरत नहीं होगी। अतिरिक्त मदद-दिल्ली सरकार 5 लाख रुपये और देगी,जिससे पात्र परिवारों के लिए कुल कवरेज 10 लाख रुपये हो जाएगा। यह ज्यादा गंभीर बीमारियों के इलाज में मदद करेगा। बड़ा नेटवर्क-दिल्ली और पूरे भारत के कई अस्पतालों में इस कार्ड से इलाज कराया जा सकेगा। पीएम-जेएवाई की वेबसाइट पर जाएं या उनका मोबाइल ऐप इस्तेमाल करें। अपनी पात्रता जांचें और आभा (आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता) पोर्टल का उपयोग करके पंजीकरण करें। जरूरी दस्तावेज जमा करें-आधार कार्ड, निवास का प्रमाण और बैंक की जानकारी। जांच के बाद आपको आयुष्मान भारत कार्ड मिल जाएगा। कार्ड जिले स्तर पर बांटे जाएंगे,जिसमें आपके इलाके के नेता और विधायक यह सुनिश्चित करने में मदद करेंगे कि जो भी बुजुर्ग इसके लिए पात्र हैं, उन्हें उनका कार्ड मिल जाए। जो लोग वितरण कार्यक्रम में नहीं आ पाएंगे,उनके कार्ड आने वाले हफ्तों में घर पर पहुंचा दिए जाएंगे।

रोहिणी की झुग्गियों में आग पर आप के सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली की सीएम से पूछे 5 सवाल

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में रोहिणी के सेक्टर 17 की झुग्गियों में आग लगने की घटना के बाद आम आदमी पार्टी (आप) दिल्ली सरकार पर हमलावर है। आप नेता सौरभ भारद्वाज ने आज सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म 'एक्स' पर सीएम रेखा गुप्ता के एक पोस्ट पर रिप्लाई करते हुए उनसे 5 सवाल पूछे हैं। 'आप' दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने रविवार रात को घटनास्थल का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने दिल्ली की मुख्यमंत्री और समाज कल्याण मंत्री के घटनास्थल पर नहीं पहुंचने को लेकर रेखा गुप्ता की जमकर आलोचना की थी। दरअसल, रविवार को रोहिणी सेक्टर 17 में श्री निकेतन अपार्टमेंट के पास बसी सैकड़ों झुग्गियां आग में जलकर राख हो गई थीं। इस घटना में दो बच्चों की जलकर मौत हो गई थी। दमकल की 30 गाड़ियों ने कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया था। सौरभ भारद्वाज ने सोमवार को सीएम रेखा गुप्ता के एक पोस्ट पर रिप्लाई कर लिखा, मुख्यमंत्री जी, मैं और मेरे साथी विधायक और पार्षद वहां देर रात गए थे, हालात बहुत खराब थे। लोगों के कुछ सवाल हैं

सीएम रेखा गुप्ता ने रविवार देर रात 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा था, रोहिणी में आग लगने की दुखद घटना से बहुत दुखी हूं। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति हार्दिक संवेदना। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं इस दुर्भाग्यपूर्ण त्रासदी से प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं।

घटना के बाद, दिल्ली सरकार पीड़ितों की सहायता के लिए सभी आवश्यक उपाय कर रही है। स्थानीय विधायक और एसडीएम तुरंत राहत प्रयासों का समन्वय करने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे, जिसमें प्रभावित निवासियों के लिए मोबाइल शौचालय, चिकित्सा सहायता और भोजन का प्रावधान शामिल है।

पीड़ित परिवारों को पास के स्कूलों में शिफ्ट किया जा रहा है, जहां उनके लिए अस्थायी आश्रय और सभी आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की जा रही है।

एलजी और दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने एनटीपीसी आर्चरी टूर्नामेंट के फाइनल में खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया

नई दिल्ली , एजेंसी। यमुना स्पोर्ट्स क्लब में रविवार को आर्चरी एनटीपीसी नेशनल रैंकिंग टूर्नामेंट का फाइनल मैच खेला गया। फाइनल मैच में दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा एवं केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। इस मौके पर वीरेंद्र सचदेवा ने बताया कि आज हुए फाइनल मुकाबले में एक करोड़ रुपये का नकद इनाम बच्चों को दिया गया और साथ ही ढ़ाई करोड़ रुपये के समान एनटीपीसी की तरफ से आर्चर को दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली के उपराज्यपाल ने ऐलान किया कि दिल्ली में एक और आर्चरी का ऐसा ही स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा। इससे बच्चों को अपनी प्रैक्टिस में और भी सुविधा मिल सके।

दिल्ली में 464 क्लस्टर बसें बंद, 2000 से ज्यादा कर्मचारी हुए बेरोजगार

नईदिल्ली, एजेंसी।
राजधानी दिल्ली में दो क्लस्टर के चार डिपो से 464 बसों का संचालन बंद हो जाने से तकरीबन दो हजार से ज्यादा कर्मचारियों का रोजगार छिन गया है। बेरोजगार हुए कर्मचारियों ने डिम्ट्स के अन्य डिपो में एडजस्ट कर नौकरी बहाली की मांग की है।

दरअसल, बीते 15 अप्रैल को परिवहन विभाग और क्लस्टरों का प्रबंधन करने वाली कंपनी डिम्ट्स के बीच कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो गया था। इससे दिलशाद गार्डन, बीबीएम-2, ओखला और ढिचाऊं कला डिपो से प्राइवेट ऑपरेटरों की बसों का संचालन बंद हो गया। इन बसों पर करीब दो हजार से ज्यादा प्राइवेट कर्मचारी तैनात थे। इनमें ड्राइवरों-कंडक्टरों के साथ-साथ कार्यालय के स्टाफ की नौकरी भी चली गई है। डिम्ट्स ने इन्हें मार्च में ही नोटिस जारी कर 15 अप्रैल से सेवाएं समाप्त होने की जानकारी दे दी थी। कर्मचारियों का कहना है कि डिम्ट्स अब भी दो अन्य क्लस्टर का संचालन कर रही है। जल्द ही 'देवी' योजना के तहत मिलने वाली बसों का संचालन भी करेगी। इनके लिए भी कंडक्टरों और ड्राइवरों की जरूरत होगी। ऐसे में उन्हें अन्य बसों और डिपो में एडजस्ट किया जाए। 'आप' की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने आरोप लगाया है कि दिल्ली में भीषण गर्मी के बीच स्टॉप पर यात्रियों को लंबे समय तक बसों का इंतजार करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर तो एक-एक घंटे तक यात्रियों को बस नहीं मिल रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने बिना किसी तैयारी के दिल्ली की सड़कों से दो हजार बसों को हटा दिया। दिल्ली में बसों की किल्लत को लेकर 'आप' की ओर से लगाए गए आरोपों को भाजपा ने भ्रामक बताया है। भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि बस परिचालन व्यवस्थित है। आगामी 2 मई को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता 400 नई बसें दिल्ली वालों को समर्पित करेंगी। यह अत्यंत दुखद है कि 10 साल में अरविंद केजरीवाल सरकार ने डीटीसी के बेड़े में एक भी नई बस नहीं जोड़ी।

ईरान के सनसनीखेज दावे- इजरायली मोसाद ने ईरान के बंदर अब्बास बंदरगाह में मचाई तबाही

तेहरान, एजेंसी।
ईरान के दक्षिणी शहर बंदर अब्बास में शाहिद राजाई बंदरगाह पर शनिवार को भीषण धमाका हुआ था। जिसको लेकर अब ईरान ने इजरायल पर आरोप लगाए हैं। भीषण विस्फोट के बाद रविवार को भी आग बुझाने का काम जारी रहा। अग्निशमन दल को ऊपर से पानी गिराने के लिए विमानों और हेलीकॉप्टरों को तैनात करते देखा गया है। ईरानी गृह मंत्री एस्कंदर मोमेनी ने कहा है कि आग पर 80त्न काबू पा लिया गया है। हालांकि अभी भी अनुमान लगाया जा रहा है, कि इसे पूरी तरह से बुझाने में कई घंटे और लगेंगे। रविवार दोपहर के आसपास नए कंटेनरों में हुए धमाकों की वजह से आग फिर से भड़क गई थी।

ईरान के अधिकारियों ने मरने वालों की संख्या बढ़ाकर 36 कर दी और घायलों की संख्या 800 से ज्यादा बताई जा रही है। वहीं 190 लोग गंभीर तौर पर घायल हैं, जिनका अलग अलग अस्पतालों में इलाज किया जा रहा है। इस बीच ईरान की सरकारी मीडिया ने बताया है कि बंदरगाह के बिना क्षतिग्रस्त हिस्सों में ऑपरेशन फिर से शुरू हो गये हैं। ईरानी टेलीविजन ने डॉक किए गए जहाज से कंटेनर उतारते हुए तस्वीरें जारी की हैं। वहीं हादसे के कई घंटे बीतने के बाद ईरान ने पहली बार सार्वजनिक रूप से इजरायल पर इसमें शामिल होने का आरोप लगाया है।

ईरान के संसद सदस्य मोहम्मद सेराज ने आरोप लगाया है कि राजई बंदरगाह विस्फोट में इजरायल शामिल था। यह कोई दुर्घटना नहीं थी। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि विस्फोटक कंटेनरों में रखे गए थे, या तो मूल देश में या शिपिंग रास्ते के किनारे। हम विस्फोटकों को लगाने में मदद करने वाले अंदरूनी लोगों के होने की संभावना से इनकार नहीं करते। उन्होंने दावा किया कि कि स्पष्ट सबूत इजरायल की संलिप्तता की ओर इशारा करते हैं। विस्फोट चार अलग-अलग स्थानों पर हुआ है। आपको बता दें कि ईरान के बंदर अब्बास बंदरगाह पर ये भयानक विस्फोट शनिवार को स्थानीय समयानुसार दोपहर 12 बजे हुआ था।

फ्रांस में मस्जिद के अंदर नमाजी की हत्या, हमलावर ने फोन पर रिकॉर्ड की घटना

पेरिस एजेंसी।
फ्रांस के दक्षिणी हिस्से में स्थित ला ग्रांडे कॉम्बे शहर में शुक्रवार को एक मस्जिद में एक नमाजी की हत्या कर दी गई। इसके बाद संदिग्ध आरोपी ने इटली में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। इस हत्या के बाद फ्रांसीसी पुलिस ने संदिग्ध की तलाश शुरू कर दी थी। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, हमलावर ने अपने फोन पर हमले की घटना को रिकॉर्ड किया और सुरक्षा कैमरे की फुटेज में उसे ईशनिंदा करते हुए देखा जा सकता है। इस हमले के बाद, फ्रांस के गृह मंत्रालय ने पुष्टि की कि संदिग्ध ने इटली के पुलिस अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया, हालांकि इस आत्मसमर्पण की विस्तृत जानकारी अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है।

स्थानीय अभियोजक अब्देलक्रीम ग्रिनी ने रविवार को बताया कि जांचकर्ता इस संभावना को ध्यान में रख रहे हैं कि यह घटना इस्लाम के प्रति पूर्वाग्रह या धार्मिक घृणा से जुड़ी हो सकती है। उन्होंने कहा, हम सबसे पहले इस पहलू पर जांच कर रहे हैं, लेकिन यह मामला अकेला नहीं है। अधिकारियों के अनुसार, संदिग्ध 2004 में फ्रांस में पैदा हुआ था और उसी क्षेत्र में रहता था, लेकिन उसका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं था।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इस घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, धर्म के नाम पर नस्लवाद और घृणा को फ्रांस में कभी जगह नहीं मिल सकती। धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन किसी भी हाल में नहीं किया जा सकता।यह घटना फ्रांस में धार्मिक घृणा और नफरत के खतरों को उजागर करती है, और यह दिखाती है कि ऐसे हमले किस तरह से समाज में तनाव और डर का माहौल उत्पन्न कर सकते हैं।

भारत की मदद करने को तैयार अमेरिका, लेकिन पाकिस्तान का नाम लेने से परहेज

वॉशिंगटन , एजेंसी।
दक्षिण एशिया में तनावपूर्ण वातावरण के बीच पाकिस्तान को जहां चीन और तुर्की से मदद मिलना शुरू हो गया है वहीं अमेरिका, स्ट्रैटजिक पार्टनर होने के बाद भी भारत के साथ खुलकर खड़ा होने से हिचकिचा रहा है। अमेरिका के अधिकारी बार बार भारत के साथ होने की बात कर रहे हैं, लेकिन पाकिस्तान का नाम लेने से परहेज कर रहे हैं। एफबीआई चीफ काश पटेल और इंटेलिजेंस एजेंसी की प्रमुख तुलसी गबार्ट ने इस्लामिक आतंकवाद का जिक्र किया है, लेकिन ट्रंप प्रशासन खुलकर पाकिस्तान का नाम क्यों नहीं ले रहा है, इसको लेकर सवाल उठ रहे हैं। रविवार को अमेरिकी विदेश विभाग ने इस बात की पुष्टि की है कि वह भारत और पाकिस्तान दोनों के संपर्क में है। इसके अलावा विदेश विभाग ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण हालात को देखते हुए जिम्मेदार समाधान की दिशा में काम करने का आग्रह किया है। लेकिन हैरानी की बात ये है कि अमेरिका ने अभी भी पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराने की कोशिश नहीं की है। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है और युद्ध के बादल मंडरा रहे हैं। हमले में शामिल आतंकी अभी भी फरार हैं, जिनकी तलाश के लिए सघन तलाशी अभियान चलाए जा रहे हैं। भारत ने पाकिस्तान की सेना पर इस आतंकी हमले का प्लान रचने का आरोप लगाया है। जिससे दोनों देशों के बीच तनाव काफी बढ़ गया है। हालांकि अमेरिकी सरकार ने सार्वजनिक रूप से भारत के लिए समर्थन जताया है, लेकिन उसने हमले के लिए पाकिस्तान को दोषी ठहराने से परहेज किया है। जबकि ये देखा जा रहा है कि चीन ने खुलकर पाकिस्तान का समर्थन कर दिया है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या अमेरिका पूरी तरह से भरोसा करने लायक है अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता ने रॉयटर्स को ईमेल के जरिए दिए गए बयान में बताया है कि यह एक उभरती हुई स्थिति है और हम घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। हम कई स्तरों पर भारत और पाकिस्तान की सरकारों के संपर्क में हैं। विदेश विभाग के प्रवक्ता ने आगे कहा, संयुक्त राज्य अमेरिका सभी पक्षों को एक जिम्मेदार समाधान की दिशा में मिलकर काम करने के लिए प्रोत्साहित करता है। अमेरिकी विदेश विभाग ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की तरफ से अपनाए गए रुख को दोहराते हुए कहा, कि वाशिंगटन भारत के साथ खड़ा है और पहलगाम में आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करता है। लेकिन हैरानी की बात ये है कि इनके बयान में पाकिस्तान का नाम कहीं नहीं है। जबकि दूसरी तरफ चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने अपने पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार से टेलीफोन पर बात की है और पाकिस्तान के उस बयान का समर्थन किया है, जिसमें शहबाज शरीफ ने पहलगाम आतंकी हमले की निष्पक्ष जांच की मांग की थी। बीजिंग ने पाकिस्तान की मांग का समर्थन किया है। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने कहा है कि विदेश मंत्री वांग ने रविवार को पाकिस्तान के इशाक डार से फोन पर बात की। जिसमें चीनी विदेश मंत्री ने कहा कि वह विकसित हो रहे हालात पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। चीनी राजनयिक ने कॉल में कहा, चीन पाकिस्तान की वैध सुरक्षा चिंताओं को पूरी तरह समझता है और उसकी संप्रभुता और सुरक्षा हितों को बनाए रखने के उसके प्रयासों का समर्थन करता है।

नक्सली सुनीता मुर्मू ने बोकारो पुलिस के समक्ष किया आत्मसमर्पण

लुगू पहाड़ की तलहटी में हुई मुठभेड़ में सक्रिय रूप से थी शामिल

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो के नक्सल प्रभावित लुगु पहाड़ मुठभेड़ में सक्रिय रूप से शामिल प्रतिबंधित भाकपा माओवादी संगठन की सदस्य सुनीता मुर्मू उर्फ लिलमुनि मुर्मू ने आज बोकारो पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एसपी मनोज स्वर्गीयारी, कमांडेंट, सीआरपीएफ एवं अपर समाहर्ता के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। विदित है कि 21 अप्रैल की तड़के ऑपरेशन डाकाबेड़ा के तहत हुई मुठभेड़ में एक करोड़ के इनामी विवेक दा सहित आठ हार्ड कोर नक्सलियों को पुलिस ने मार गिराया था, जबकि 6 से 7 नक्सली भागने में सफल हो गए थे। मुठभेड़ के बाद बोकारो पहुंचे डीजीपी अनुराग गुप्ता ने कहा था कि ऑपरेशन डाकाबेड़ा के तहत भागे नक्सलियों को दबोचने के लिए सर्च अभियान जारी रहेगा। माना जा रहा है कि पुलिस के बढ़ते दबाव और राज्य सरकार की सरेंडर पॉलिसी से प्रभावित होकर सुनीता मुर्मू ने

आत्मसमर्पण किया है। सुनीता मुर्मू ने स्वीकार किया कि वे गलत रास्ते पर चली गई थी। उसने अन्य नक्सलियों से भी आत्मसमर्पण करने की अपील की। उसने बताया, वह तीन साल गिरिडीह जेल में रह चुकी है। कई थानों में उसके ऊपर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज है। अब वह आगे का जीवन अपने परिवार के साथ गुजरना चाहती है। पुलिस अधीक्षक मनोज स्वर्गीयारी ने बताया, सुनीता मुठभेड़ में शामिल थी। अपनी जान बचाने के लिए आत्मसमर्पण किया है। भागे अन्य नक्सली भी समय रहते सरेंडर कर दें अन्यथा मारे जाएंगे। सीआरपीएफ कमांडेंट प्रकाश सी. बादल ने नक्सलियों को संदेश दिया कि समाज में भय का कोई स्थान नहीं है। अन्य नक्सलियों को भी सरेंडर पॉलिसी का लाभ लेकर मुख्यधारा से जुड़ना चाहिए। अपर समाहर्ता ने बताया, समाज से भटके हुए नक्सलियों को फिर से मुख्यधारा से जड़ने के लिए झारखंड सरकार ने वर्ष 2018 में बहुत सरेंडर पॉलिसी लाई। उसके तहत नक्सलियों को पैसे, घर, जमीन दिया जाता है। रोजगार व्यवसाय की व्यवस्था करने में सरकार सहयोग करती है ताकि वे अपना और परिवार का भरण पोषण कर सके। जिला स्तरीय कमिटी की बैठक के निर्णय के अनुसार सुनीता को ये सभी लाभ दिया जाएगा।

उत्पाद विभाग ने अवैध देसी शराब निर्माण स्थल पर की छापेमारी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सोमवार को सहायक आयुक्त उत्पाद बोकारो के मार्गदर्शन एवं निरीक्षक उत्पाद के पर्यवेक्षण में जिला उत्पाद टीम ने पेटरवार थाना अंतर्गत अंगवांली गांव स्थित

नदी किनारे अवैध शराब निर्माण स्थल पर छापेमारी की। मौके से उत्पाद टीम ने 8,000 केजी जावा महुआ शराब एवं 450 लीटर तैयार महुआ शराब को जब्त किया। छापेमारी के क्रम में संलिप्त अभियुक्तों पर उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत अभियोग दर्ज किया जा रहा है। छापेमारी दल में निरीक्षक उत्पाद सदर-सह-बेरमो क्षेत्र विजय कुमार पाल, अवर निरीक्षक सदर-सह-तेनुघाट सन्नी विवेक तिर्की, अवर निरीक्षक बेरमो-सह-चंदपुरा महेश दास, पेटरवार थाना प्रभारी राजू मुंडा एवं दल- बल उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

जनता दरबार में पहुंचे लोगों के मामलों पर डीपीएलआर निदेशक ने की सुनवाई

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में सोमवार को उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर डीपीएलआर निदेशक मेनका ने आयोजित जनता दरबार में आम जनता से जुड़ी समस्याओं पर

क्रमवार सुनवाई की। इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे 27 से ज्यादा लोगों की क्रमवार समस्याओं/ शिकायतों पर सुनवाई की। साथ ही संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों को अग्रसारित करते हुए अविलंब जांच कर जल्द समाधान करने का निर्देश दिया। इसके अलावा कुछ मामलों का ऑन स्पॉट निष्पादन किया। जनता दरबार में भूमि अतिक्रमण, भूमि पर कब्जा, सामाजिक सुरक्षा, राजस्व, आपूर्ति विभाग,अनुमंडल पदाधिकारी चास, जिला भू अर्जन कार्यालय, पेटरवार अंचल कार्यालय, प्रखंड विकास पदाधिकारी नावाडीह, अंचल कार्यालय चंदनकियारी, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए थे। मौके पर अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा पियूष, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

उपायुक्त ने की जिला स्थापना व स्क्रिनिंग समिति की बैठक

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त विजया जाधव ने सोमवार को जिला स्थापना समिति/जिला स्क्रीनिंग समिति का बैठक किया। मौके पर अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढ़ांडा, अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो मुकेश मछुआ, जिला आपूर्ति पदाधिकारी शालिनी खालखो, जिला स्थापना उप

समाहर्ता प्रेमचंद सिन्हा, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे। बैठक में उपायुक्त ने क्रमवार कार्यालय अधीक्षक, प्रधान लिपिक एवं उच्च वर्गीय लिपिक पद पर प्रोन्नति, कर्मियों को देय एसीपी/एमएसीपी, संवर्ग पदोन्नति के उपरांत उच्च वर्गीय लिपिक को वरीय वेतनमान में प्रोन्नति बिंदुओं पर चर्चा की। सभी सदस्यों की सहमति से उचित निर्णय लिया और जिला स्थापना उप समाहर्ता को जरूरी दिशा निर्देश दिया। उपायुक्त ने कार्यालय अधीक्षक के कुल रिक्त 01 पद, प्रधान लिपिक के कुल रिक्त 02 पद, उच्च वर्गीय लिपिक के कुल 05 रिक्त पद, जिले में कार्यरत चौकीदार संवर्ग को उनके एक पद पर दस वर्ष/20 वर्ष एवं 30 वर्ष की नियमित सेवा पूर्ण करने के उपरांत 24 चौकीदार संवर्ग/22 अनुसेवक संवर्ग/03 राजस्व कर्मचारी/04 लिपिक संवर्ग एवं 01 लेखा लिपिक संवर्ग को उनके उच्चतर वेतनमान में प्रोन्नति की सहमति देते हुए अनुशंसा किया।

विधायक राज सिन्हा ने डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का किया अनावरण

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। अंबेडकर नगर वार्ड नंबर 26 में संविधान निर्माता भीमराव अंबेडकर की मूर्ति का अनावरण विधायक राज सिन्हा ने किया। वही मुख्य अतिथि के रूप में विकास रंजन सिंह और पप्पू

शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन इंद्रदेव दास ने किया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं विधायक को माला पहनाकर एवं अंगवस्त्र से सम्मानित किया। विधायक राज सिंह ने कहा कि अंबेडकर नगर में भीमराव अंबेडकर की मूर्ति स्थापित होने से यहां के लोगों को काफी बल मिलेगा। इस कार्यक्रम में समाजसेवी विकास रंजन का काफी सहयोग रहा उन्होंने बताया कि जब-जब लोग बाबा साहब को देखेंगे। लोगों को याद आएगी कि किन आदर्श के साथ उन्होंने काम किया उनकी दिशा निर्देश से ही संविधान को तैयार किया गया उन्होंने कहा कि समाज को सशक्त एवं शिक्षित बनाना ही बाबा साहेब का लक्ष्य था। मौके पर मुख्य रूप से दिनेश पासवान विशाल कुमार, आनंद कुमार, गिलानी दास आदि उपस्थित थे।

पहलगाम आतंकी हमला के मृतकों को दी श्रद्धांजलि

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन (इंटक) के महामंत्री ए के झा और कार्यकारी अध्यक्ष बृजेंद्र प्रसाद सिंह (सीनियर एडवोकेट) ने आज यूनियन के जयप्रकाश नगर स्थित कार्यालय में पहलगाम की घटना पर गहरा दुःख व्यक्त किया। मृतकों को श्रद्धांजलि दी। प्रेस को जारी वक्तव्य में झा ने कहा कि पुलवामा की घटना के बाद पहलगाम की यह घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। पूरा भारतवर्ष इस नृशंसता पूर्वक, अमानवीय घटना पर हृदय से दुखी है जिन लोगों ने इस घटना को अंजाम दिया है उन्होंने मानवता को शर्मसार करने का काम किया है। हम इस दुःख के समय दिवंगत परिवार और उनकी शहादत के साथ हैं। जो लोग इस घटना में घायल हुए हैं, उनका सर्वोत्तम इलाज हो और ऐसी घटना की पुनरावृत्ति ना हो इस पर ठोस कदम उठाने के लिए पूरा देश एक है।

प्रदूषण नियंत्रण मानकों का सख्ती से पालन करें कंपनियां : उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पिछले दिनों गोडाबाली गांव के ग्रामीणों ने गांव के समीप संचालित विभिन्न फैक्ट्रियों द्वारा प्रदूषण फैलाने की शिकायत की थी। जिस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए उपायुक्त विजया जाधव ने कमेटी गठित कर जांच का निर्देश दिया था। कमेटी द्वारा जिला को *समर्पित जांच प्रतिवेदन में कंपनियों द्वारा पर्यावरणीय प्रदूषण फैलाने, मानको का अनुपालन नहीं करने की बात सामने आई है। इसको लेकर उपायुक्त ने सोमवार को संबंधित पदाधिकारी को संबंधित कंपनियों को नोटिस जारी कर गोडवाली गांव के समीप संचालित एमएस कैस्ट्रोन टेक्नोलाजी लिमिटेड, एमएस ओम साई इंडस्ट्रीज एवं एमएस पाटिल रेल इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को प्रदूषण नियंत्रण मानकों का सख्ती से पालन करने को लेकर अंतिम चेतावनी पत्र जारी किया है। इसमें सुधार नहीं करने पर नियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त ने साथ ही क्षेत्रीय उप निदेशक जियाडा बोकारो एवं झारखण्ड प्रदूषण नियंत्रण पर्षद इकाई धनबाद को इसकी नियमित निगरानी करने का निर्देश दिया है।

घर के बुजुर्ग हमारे प्रत्यक्ष देवता : मिलन आश

दादा दादी नाना नानी सम्मान समारोह में भावुक दिखे बुजुर्ग

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर 9 डी बोकारो में दादा-दादी नाना नानी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार से कुल 200 दादा-दादी नाना- नानी सम्मिलित हुए। जिनका स्वागत उनके पाल्या ने चरण पखार कर, आरती उतार कर और मुंह मीठा कर किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रानी पोखर पंचायत की मुखिया मिलन आश ने सभागार में उपस्थित सभी को संबोधित करते हुए कहा कि घर के प्रत्यक्ष देवता हमारे बुजुर्ग हैं। हमारी संस्कृति में 33 कोटी देवी देवताओं के बीच माता-पिता गुरु के साथ-साथ घर के बुजुर्गो को भी प्रत्यक्ष देवता कहा गया है। समाज में आज उनकी प्रतिष्ठा थोड़ी कम हो रही है जिसके लिए विद्यालय द्वारा यह प्रयास सराहनीय है । वहीं सामाजिक कार्यकर्ता तारापड आश ने कहा कि परिवार के बुजुर्ग उस वटवृक्ष

के समान है जिसकी शीतल छाया में छोटों को स्नेह मिलता है और परिवार रूपी मंदिर के इन देवता के आशीर्वाद से उन्नत परिवार सुखमय जीवन व्यतीत करता है।

आज संयुक्त परिवार की मान्यता धीरे-धीरे कम होती जा रही है। जो आने वाली पीढ़ी के लिए खतरे की घंटी है। क्योंकि जब भी हम विपरीत परिस्थिति में होते हैं तो घर के बुजुर्ग ही अपने अनुभव से हमें सहारा देते हैं।। अपने संस्कृति को पुनः स्थापित करने के लिए इस प्रकार का कार्यक्रम विद्यालय में होना अति आवश्यक है इससे एक संतान का अपने बुजुर्गो के प्रति और बुजुर्गो का संतान के प्रति दायित्व बोध तो होता ही है साथ ही उनमें आत्मीयता और प्रगाढ़ होती है। विद्यालय के प्राचार्य राजेंद्र कामत ने कहा कि जहां बुजुर्गो का सम्मान होता है वही देवता का निवास होता है विद्या भारती ने इस कार्यक्रम को अपनी योजना में शामिल करके वर्तमान पीढ़ी को पुरानी परंपरा से जोड़ने का एक सफल प्रयास किया है। आज पाश्चात्य शिक्षा के प्रभाव से बुजुर्गो को घर में वह सम्मान नहीं मिल पा रहा है जो उन्हें मिलना चाहिए । हमारे बुजुर्ग अपना पूरा जीवन अपने परिवार रूपी वट वृक्ष को बड़ा करने में खाप देते हैं पर उन्हें भी इस अवस्था में प्रेम स्नेह की आवश्यकता पड़ती है । इस अंतिम पड़ाव पर उनका मान सम्मान होता रहे ऐसे ही समाज की परिकल्पना विद्या भारती करती है और सदैव इस परंपरा को निभाने के लिए हम कृत संकल्प हैं। हम बालकों को केवल किताबी कीड़ा नहीं बनाते। आज संयुक्त परिवार बिखर रहा है। जिस कारण हमारे बच्चे किताबी शिक्षा तो ग्रहण करते हैं परंतु उनके पास अपने बुजुर्गो का के अनुभव की कमी होने के कारण वह अपने बड़ों का सम्मान नहीं करते। और गलत रास्ते पर निकल जाते हैं यही कारण है कि आज भारत जैसे सभ्य देश में भी वृद्ध आश्रम की संख्या बढ़ रही है। इसलिए हमारा लक्ष्य बालकों के सर्वांगीण विकास का है जो अपने घर के ही नहीं समाज के भी अंतिम पायदान पर खड़े वांछित व्यक्ति की सहायता के लिए आगे बढ़े। बालकों ने भी रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं लघु नाटिका से लोगों को भाव विभोर कर दिया । लोग अपने आंसू रोक ना सके।मंच संचालन शिखा सिन्हा एवं नीलिमा पाण्डेय ने किया। वहीं सांस्कृतिक कार्यक्रम सुलेखा शर्मा,रूम सिंह और मीनाक्षी कुमारी जीके नेतृत्व में प्रस्तुत किए गए।धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय के सह सचिव जी.पी.सिंह ने करते हुए कहा कि बच्चों को शिक्षा तो दें परंतु यह भी सुनिश्चित करें कि उन्हें संस्कार युक्त शिक्षा कैसे प्राप्त हो। उन्होंने उपस्थित सभी आगंतुकों का हृदय से धन्यवाद किया। इस अवसर पर सभी बुजुर्ग दादा-दादी, नाना - नानी अपने सम्मान से आत्मविभोर दिखे । सभी ने एक स्वर में विद्यालय द्वारा ऐसे कार्यक्रम की भूरी - भूरी प्रशंसा की। इस अवसर पर विद्यालय प्रतिनिधि विनोद कुमार प्रजापति , कौशल किशोर राय सहित सभी आचार्य दीदी उपस्थित रहे।

लाठीचार्ज में हुई प्रेम महतो की मौत की सीबीआई जांच हेतु राज्यपाल से मिले कुमार अमित

विस्थापितों पर दर्ज प्राथमिकी सरकार वापस ले

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। **बोकारो** स्टील प्लांट में विस्थापित अप्रेंटिस संघ के प्रदर्शन के दौरान हुई प्रेम महतो की मौत की सी बी आई जाँच की माँग को लेकर भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुमार अमित के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को राँची में राज्यपाल संतोष गंगवार से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को तीन ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में विगत 03 मार्च के हुए विस्थापित अप्रेंटिस संघ के प्रदर्शन में सीआईएसएफ के लाठीचार्ज के दौरान प्रेम महतो की हुई मृत्यु की सीबीआई से जाँच कराने, आंदोलनकारियों पर दर्ज प्राथमिकी को राज्य सरकार से वापस लेने, सभी अप्रेंटिस प्रशिक्षण प्राप्त प्रशिक्षुओं को सेल में स्थाई नियोजन देने, राज्य में निकाय चुनाव को शीघ्र करवाने एवं राज्य में वित्त रहित शिक्षा नीति को समाप्त कर बोकारो में उच्च शिक्षण संस्थानों की स्थापना करने की माँग राज्यपाल से की गई। इस अवसर पर कुमार अमित ने बोकारो बोकारो में हुई लाठीचार्ज और प्लांट बंदी के दौरान हुई घटना के सभी पहलुओं से राज्यपाल को विस्तार पूर्वक अवगत कराया। इसके अलावा कुमार अमित ने राज्यपाल से बोकारो सिटी कॉलेज और चास कॉलेज में आधारभूत संरचना का नए सीरे से विकास करने, सिटी कॉलेज, चास कॉलेज सहित राज्य के सभी प्रमुख कॉलेजों में छात्रों के लिए एन सी सी का प्रशिक्षण प्रारम्भ करवाने, विश्वविद्यालयों में लम्बित छात्रसंघ चुनाव को पुनः प्रारम्भ करवाने, एफ्लिएटेड कॉलेजों को सरकार से मिलने वाली अनुदान राशि की वर्तमान परिस्थिति के अनुसार समीक्षा कर बढ़ाने, कॉलेजों में प्राध्यापकों एवं प्राचार्यों की बहाली कर इनकी कमी को दूर करने बोकारो में सेक्टर 3 स्थित महिला कॉलेज को सरकारी करने आदि की माँग भी की। राज्यपाल ने प्रेम महतो की मौत का उच्चस्तरीय जाँच कराने के साथ-साथ उपरोक्त अन्य माँगो पर भी सकारात्मक पहल करने का आश्वासन भी प्रतिनिधिमंडल को दिया है। इस प्रतिनिधिमंडल में बोकारो जिला भाजपा किसान मोर्चा के महामंत्री अरविन्द राय, नगर युवा मोर्चा महामंत्री श्री लाल बाबू, करण गोराई एवं चंद्रप्रकाश भी शामिल थे।

ई एस आई सी की मेडिकल सुविधा ठेका श्रमिकों को भी दी जाय : प्रेम कुमार

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भारतीय इस्पात कर्मचारी संघ की एक बैठक आज बोकारो स्टील प्लांट के सी ओ एवं सीसी विभाग में कैंटीन नंबर 1 के रेस्टरूम में किया गया। बैठक की अध्यक्षता संघ के कार्यकारी अध्यक्ष कमलेश कुमार ने की। शाखा अध्यक्ष अमीर परवेज ने मजदूरों के समस्या से अवगत कराया। उन्होंने ने एल में नियोजन दिया जाए। कार्यकारी महामंत्री सुरेंद्र महतो ने कहा की सभी ठेका मजदूरों को इसी माह बोनस का भुगतान कर दिया जाय, सुरक्षा सामग्री समय पर सारे ठेका मजदूरों को दिया जाय, असंगठित क्षेत्र के सचिव प्रेम चंद झा ने कहा की सभी मजदूरों को एक होकर एक छत के निचे आना होगा, अभी तक एन जे सी एस नेता

कहा की 10 वर्षो से कार्य कर रहे मजदूरों को अविलम्ब स्किल्ड वर्कर बनाया जाय। संघ के महामंत्री प्रेम कुमार ने सेल प्रबंधन से मांग की सभी ठेका श्रमिकों को जिनकी मासिक आय 30 हजार रुपए तक है उनको ई एस आई सी की मेडिकल सुविधा दिया जाय। पेंशन को सरल बनाया जाय।, ठेका श्रमिकों को भी कार्य अवधि में तबियत खराब होने पर ओ एच एस और बी जी एच में इलाज किया जाए, मृत्यु होने पर सेल कर्मचारियों की तरह ठेका श्रमिकों के आश्रित को बी एस सिर्फ बहलाने का काम किया है, इसलिये अब एक होकर संघर्ष करना होगा बैठक में मुख्य रूप से संघ के कार्यकारिणी सदस्य विवेकानंद पाल, राजेंद्र महतो, राजेश कुमार रजवार, संतोष टाइगर, अशोक सिंह, किशोरी राउत, आशीष कुमार सिन्हा, सहदेव कुमार, नुनु लाल टुडू, आनद कुमार, अजित कुमार, हेमंत कुमार, आर एस शर्मा, संजय शर्मा, दिलीप नापित, जे नापित, गिरधारी महतो, बासुदेव ठाकुर, जे पी यादव, मोहम्मद नौसाद आदि उपस्थित रहे।

संप्रेषण गृह में जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने लगाया जागरूकता शिविर

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बच्चे देश के भविष्य हैं जिनमें प्रतिभाओ की कमी नहीं है इनके अंदर छिपी प्रतिभाओं को निखारने की जरूरत है। उक्त बातें जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव सह अवर न्यायाधीश मयंक तुषार टोपनो ने कही. सोमवार को वे धनबाद के बरमसिया स्थित संप्रेषण गृह के बाल बंदियों से रू ब रू होने एलएडीसीएस के चीफ कुमार विमलेंदु एवं डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट के साथ पहुँचे थे। निरीक्षण के दौरान बाल बंदियों ने न्यायाधीश को अपनी समस्याएं बताई। जिसके बाद न्यायाधीश ने उन समस्याओं के निराकरण के लिए संप्रेषण गृह प्रशासन को निर्देश दिया। उन्होंने आश्वस्त किया कि जो भी समस्याएं है उसका निराकरण त्वरित गति से किया जाएगा. वहीं संप्रेषण गृह में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर किशोर न्याय बोर्ड के प्रधान न्यायिक दंडाधिकारी नूतन एक्का, सदस्य पूनम सिंह, अजय कुमार, व एलएडीसीएस की टीम द्वारा बच्चों को विभिन्न तरह की कानूनी जानकारियां जिसमें किशोर की निर्दोषता की अवधारणा, गरिमा और स्वाभिमान, सुने जाने का अधिकार, सर्वोत्तम हित, पारिवारिक उत्तरदायित्व, सुरक्षा का सिद्धांत, कलंकित न करने वाले शब्द, निर्णय और कार्रवाई, अधिकारों के अभित्यजन तथा अन्य सिद्धांतों पर चर्चा की गई। शिविर में किशोर न्याय अधिनियम 2015, बाल श्रम अधिनियम 1986, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 पर विस्तार से प्रकाश डाला गया।

बाल विवाह की रोकथाम के लिए धर्मगुरुओं के बीच चलाया जागरूकता अभियान

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए देश में नागरिक समाज संगठनों के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) के बोकारो में सहयोगी संगठन सहयोगिनी की ओर से अक्षय तृतीया और शादी-ब्याह के मौसम को देखते हुए बाल विवाहों की रोकथाम के लिए विभिन्न धर्मों के विवाह संपन्न कराने वाले पुरोहितों के बीच चलाए जा रहे जागरूकता अभियान को व्यापक सफलता मिल रही है । और सभी धर्मगुरुओं ने इसकी सराहना करते हुए समर्थन का हाथ बढ़ाया है। संगठन ने कहा कि यह देखते हुए कि कोई भी बाल विवाह किसी पंडित, मौलवी, सरना मांझी हड़ाम या पादरी जैसे पुरोहित के बिना संपन्न नहीं हो सकता, हमने उन्हें बाल विवाह के खिलाफ अभियान से जोड़ने का फैसला किया। इसके सकारात्मक नतीजों को देखते हुए हम उम्मीद कर सकते हैं इस अक्षय तृतीया पर जिले में

एक भी बाल विवाह नहीं होने पाएगा। आज जिले में तमाम मंदिरों-मस्जिदों के आगे ऐसे बोर्ड लगे हुए जिन पर स्पष्ट लिखा है कि यहां बाल विवाह की अनुमति नहीं है। गौरतलब है कि जेआरसी 2030 तक देश से बाल विवाह खत्म करने के मकसद से 'चाइल्ड मैरिज फ्री इंडिया' कैम्पेन चला रहा है।

जेआरसी कानूनी हस्तक्षेपों के जरिए बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए देश के 416 जिलों में जमीन पर काम कर 250 से भी ज्यादा नागरिक संगठनों का नेटवर्क है जिसने पिछले वर्षों में दो लाख से ज्यादा बाल विवाह रुकवाए हैं और पांच करोड़ से ज्यादा लोगों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई है। सहयोगिनी ने स्थानीय प्रशासन , बोकारो जिला बाल संरक्षण यूनिट के साथ सहयोग व समन्वय से कानूनी हस्तक्षेपों और परिवारों एवं समुदायों को समझा-बुझा कर अकेले 2023-24 में ही जिले में 435 बाल विवाह रुकवाए हैं। यह संगठन 2030 तक बाल विवाह मुक्त भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए जेआरसी के संस्थापक भुवन ऋभु की किताब ह्वव्हेन चिल्ड्रेन हैव चिल्ड्रेन : टिपिंग प्वाइंट टू इंड चाइल्ड मैरेजह्न में सुझाई गई समग्र रणनीति पर अमल कर रहा है।

सहयोगिनी के निदेशक गौतम सागर ने आगे कहा कि अभी भी देश में बाल विवाह के खिलाफ जरूरी जागरूकता की कमी है। ज्यादातर लोगों को यह पता नहीं है कि यह बाल विवाह निषेध अधिनियम (पीसीएमए), 2006 के तहत दंडनीय अपराध है। इसमें किसी भी रूप में शामिल होने या सेवाएं देने पर दो साल की सजा व जुमार्ना या दोनों हो सकता है। इसमें बाराती और लड़की के पक्ष के लोगों के अलावा कैटरर, साज-सज्जा करने वाले डेकोरेटर, हलवाई, माली, बैंड बाजा वाले, मैरेज हाल के मालिक और यहां तक कि विवाह संपन्न कराने वाले पंडित और मौलवी को भी अपराध में संलिप्त माना जाएगा और उन्हें सजा व जुमार्ना हो सकता है। उन्होंने कहा कि इसीलिए हमने धर्मगुरुओं और पुरोहित वर्ग के बीच जागरूकता अभियान चलाने का फैसला किया क्योंकि यह वो सबसे महत्वपूर्ण वर्ग है जो विवाह संपन्न कराता है। हमने उन्हें समझाया कि बाल विवाह और कुछ नहीं बल्कि बच्चों के साथ बलात्कार है। अठारह वर्ष से काम उम्र की किसी बच्ची से वैवाहिक संबंधों में भी यौन संबंध बनाना यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) कानून के तहत बलात्कार है। बेहद खुशी का विषय है कि आज पंडित और मौलवी इस बात को समझते हुए न सिर्फ इस अभियान को समर्थन दे रहे हैं, बल्कि खुद आगे बढ़कर बाल विवाह नहीं होने देने की शपथ ले रहे हैं। यदि पुरोहित वर्ग बाल विवाह संपन्न कराने से इनकार कर दे तो देश से रातोंरात इस अपराध का सफाया हो सकता है। इस अभियान में उनके आशातीत सहयोग व समर्थन से हम अभिभूत हैं। इसको देखते हुए हमारा मानना है कि जल्द ही हम बाल विवाह मुक्त बोकारो के लक्ष्य को हासिल कर लेंगे। इस अभियान में सहयोगिनी के सनी कुमार, रवि कुमार राय, मंजू देवी, सोनी कुमारी, विकास कुमार आदि उपस्थित थे।

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का उठाया लाभ

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सर्वधर्म मेलजोल अभियान के अंतर्गत एस.जे.ए.एस सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल द्वारा भूली थाना ग्राउंड में एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में सैकड़ों लोगों ने भाग लिया और विभिन्न रोगों की जांच व परामर्श प्राप्त किया। स्वास्थ्य शिविर में अनुभवी चिकित्सकों की टीम ने उपस्थित लोगों की बीपी, शुगर, हृदय, नेत्र एवं अन्य रोगों की जांच की और उन्हें उचित परामर्श दिया। शिविर का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना और जन जागरूकता फैलाना था। स्वास्थ्य कर्मियों ने बताया कि इस प्रकार के शिविर भविष्य में भी विभिन्न स्थानों पर आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से गरीब और जरूरतमंद लोगों को बहुत लाभ होता है, जो नियमित रूप से अस्पताल नहीं जा पाते।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145665
8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या :
JHAHIN/2017/72655
E-mail-
nbtimesbihar@gmail.com

CMYK